ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा-जेडीएस की जीत निश्चित: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-101

म्यांमार में बंधक बने पांच सौ इंजीनियरों की रिहाई पर चुप्पी!

बंधक इंजीनियरों से बर्बरता की हदें पार

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। म्यांमार में बंधक बने पांच सौ से अधिक इंजीनियरों और कम्प्यूटर एक्सपर्ट्स को छुड़ाने के लिए भारत सरकार उस तरह सक्रिय नहीं है जैसे युक्रेन, कतर या अन्य में देशों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए किया गया।

म्यांमार में बंधक बना कर भारतीय इंजीनियरों से साइबर फ्रॉड और दूसरे ऑनलाइन अपराध कराए जा रहे हैं। उनसे जानवरों की तरह काम लिया जा रहा है और बिजली के करंट से काबू में रखा जाता है। तीन भारतीय इंजीनियरों ने अपनी त्रासदी का वीडियो बड़ी मुश्किलों से जान बचा कर भेजा है। उनके परिवार के लोगों को यह नहीं पता कि वीडियो लीक करने के बाद वे जिंदा भी हैं या नहीं। तीनों इंजीनियर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से उन इंजीनियरों की रिहाई के लिए गुहार तो लगाई गई है, लेकिन अभी सत्ता के अलमबरदार चुनाव में व्यस्त हैं।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले तीन इंजीनियर दोस्तों का दर्दनाक वीडियो प्राप्त हुआ है, जिन्हें म्यांमार में बंधक बना रखा गया है। अजीब बात यह है कि एक इंजीनियर को छोड़ने के नाम पर उसके परिवार से 8.14 लाख फिरौती भी वसूली जा चुकी है। फिरौती की रकम ट्रांसफर होने के बाद से इंजीनियर से परिजनों का संपर्क नहीं हो पा रहा है। उसके भाई ने लखनऊ

बंधक इंजीनियरों से जबरन करा रहे हैं साइबर क्राइम

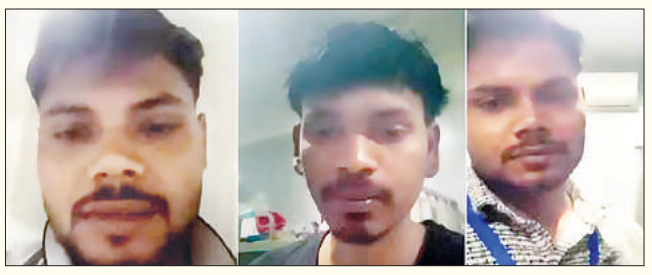

18 से 20 घंटे ले रहे हैं काम, देते हैं इलेक्ट्रिक शॉक

यूपी के तीन इंजीनियरों ने भेजा यातना का वीडियो

साइबर क्राइम सिंडिकेट में चीन और म्यामांर शामिल

के डालीगंज स्थित एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में उसके दोस्त और मलेशिया का एक एजेंट नामजद आर-ोपी है। इसके बावजूद पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। प्रदेश सरकार का संजीदा प्रशासन नेताओं की तीमारदारी में लगा है। जबकि म्यांमार में यूपी के बंधक बने इंजीनियरों को भीषण यातनाएं दी जा रही हैं। वीडियो में ही इंजीनियरों ने बताया कि उनके जैसे पांच सौ से अधिक इंजीनियर विभिन्न ठिकानों पर बंधक हैं, जो नौकरी के लिए मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर जैसे दक्षिण एशियाई देशों में गए थे और वहां से म्यांमार भेज दिए गए। लखनऊ में गुडंबा आधारखेड़ा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर जोगिंदर चौहान ने बताया कि उनके 24 वर्षीय भाई सागर चौहान सिविल इंजीनियर हैं।

बंधुआ बनाए गए भारतीयों में कई महिलाएं भी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि करीब 300 से 500 भारतीय म्यांमार में फंसे हुए हैं। इनमें कुछ महिलाएं भी हैं। म्यांमार से बच कर निकले इंजीनियर स्टीफन ने बताया है कि डायना नामक एक एजेंट ने दुबई के जरिए थाईलैंड में ग्राफिक डिजाइनर की नौकरी की पेशकश की थी। एजेंट को 2 लाख रुपए कमीशन देने की बात तय हुई थी। स्टीफन पहले थाईलैंड गया। बैंकॉक पहुंचने के बाद उसे छह अन्य भारतीय युवकों के साथ पश्चिमी थाईलैंड के एक शहर माई सॉट ले जाया गया, जो म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है। लगभग 400 किमी की यात्रा करने के बाद आधी रात को वे वहा पहुंचे। फिर उन्हें एक ट्रक पर बिठा नदी के किनारे ले जाया गया और वहां से नावों से ले जाया गया। वे जहां पहुंचे, वहां सेना की वर्दी में हथियारबंद लोगों ने तस्वीरें खींचीं, पासपोर्ट जब्त किए और एक परिसर में ले जाया गया जहां बड़ी-बड़ी इमारतें बन रही थीं। वहीं पर उनसे काम कराया जाने लगा। उनके कार्यस्थल पर न केवल भारतीय बल्कि रूस, थाईलैंड, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान के भी लोग थे। वहां 60 प्रतिशत कर्मचारी और प्रबंधक चीनी थे।

संसद और राम मंदिर की सुरक्षा में नहीं रहेगी सीआरपीएफ

सुरक्षा चुनौतियों के बीच चल रहा है बड़ा 'खेल'

शुभ लाभ ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 अप्रैल।

संसद भवन और अयोध्या स्थित राम मंदिर को सुरक्षित रखने वाले सीआरपीएफ जांबाजों को सुरक्षा ड्यूटी से क्यों हटाया जा रहा है? संवेदनशील सुरक्षा चुनौतियों के बीच कोई बड़ा 'खेल' चल रहा है। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के साथ किए गए ऐसे सलूक को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। भाजपा के नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य आरके सिन्हा की सुरक्षा एजेंसी एसआईएस को राम मंदिर की सुरक्षा का विशाल ठेका दिए जाने पर भी गंभीर सवाल उठे, लेकिन राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया।

संसद भवन की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ में पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) गठित किया गया था। अब कहा जा रहा है कि संसद भवन की सुरक्षा से पीडीजी को हटाकर, सीआईएसएफ को वहां की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जा रही है। यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दो माह के भीतर यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। पीडीजी को सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी विंग में शिफ्ट किया जाएगा। इसी तरह अयोध्या स्थित राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ विंग को भी वापस बुलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर की सुरक्षा की कमान, उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) को सौंप दी जाएगी।

सबसे बड़े अर्धसैनिक बल से हुए ऐसे सलूक पर उठे गंभीर सवाल

राम मंदिर की सुरक्षा का ठेका भाजपा नेता की एजेंसी को मिला!

भाजपा नेता की एजेंसी कर रही राम मंदिर की हिफाजत

लखनऊ, 10 अप्रैल (ब्यूरो)। राम मंदिर की सुरक्षा में प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी एसआईएस को बड़ा ठेका कैसे मिल गया, इसे लेकर गंभीर सवाल उठे, लेकिन उन सवालों को योगी और मोदी सरकार दोनों ने दबा दिया।

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद रहे आरके सिन्हा प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी एसआईएस के मालिक हैं। स्पष्ट है कि एसआईएस को राम मंदिर जैसे संवेदनशील स्थान की सुरक्षा बंदोबस्त का ठेका कैसे मिला होगा।

प. बंगाल के बालुरघाट में टीएमसी पर बरसे अमित शाह

वोट के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ करा रही हैं ममता

महिला सीएम हैं, फिर भी संदेशखाली जैसी शर्मनाक घटना हुई

सीएए पर भ्रम में न रहें, सभी शरणार्थियों को नागरिकता देंगे

बालुरघाट, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में वोट की खातिर बांग्लादेशियों की घुसपैठ करा रही हैं। ममता बनर्जी के होते हुए बंगाल में घुसपैठ कभी नहीं रुक सकती।

बारूद के ढेर पर बैठा है बंगाल: दिलीप घोष

कोलकाता, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल बारूद के ढेर पर बैठा है और यहां कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। दिलीप घोष ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में देश विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत है। भाजपा नेता ने टीएमसी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल में आर्थिक घोटालों और आतंकी मॉड्यूल में गहरा संबंध है। घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है, जहां कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। यहां जो घटनाएं घट रही हैं, वो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। राज्य में बम बनाने की फैक्ट्रियां चल रही हैं और आतंकी मॉड्यूल से पता चलता है कि राज्य घुसपैठियों और देश विरोधी तत्वों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। दिलीप घोष ने राज्य के सीमाई इलाकों में जनसांख्यिकी बदलाव को लेकर

उत्तराखंड के अखबार को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा

देवभूमि के हित से कांग्रेस का कभी वास्ता नहीं रहा

उत्तराखंड के गांवों से पलायन चिंताजनक है

हम देवभूमि का चहुंमुखी विकास कर रहे हैं

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को देवभूमि का सेवक बताते हुए कहा कि दशकों तक पहाड़ों, खासकर उत्तराखंड की उपेक्षा हुई। कांग्रेस की सरकारों का देवभूमि के हित से कभी कोई वास्ता न रहा। उनके लिए उत्तराखंड सिर्फ फोटो खिंचवाने की जगह रह गई थी।

ऐसा नहीं है कि पहले देश के पास संसाधनों की कमी थी या सामर्थ्य नहीं था। मगर, कमी थी तो सत्ता में बैठे लोगों के विजन और इच्छाशक्ति में। पीएम मोदी ने उत्तराखंड के अखबार को दिए साक्षात्कार में यह बात कही।

सुंदर और अकूत प्राकृतिक संपदा वाले उत्तराखंड में गांव खाली हो रहे हैं। नई पीढ़ी पहाड़ में रहना नहीं चाहती। पलायन नहीं रुक रहा है। उनके सुरक्षित भविष्य के लिए केंद्र की योजना के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैंने अध्यात्म के एक जिज्ञासु के रूप में और बाद में भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काफी समय उत्तराखंड में बिताया है। मैंने यहां के लोगों के साथ पहाड़ की समस्याओं को जिया है। इसलिए, उत्तराखंड को लेकर मेरा दृष्टिकोण बहुत संवेदनशील है। जहां तक पहाड़ की परेशानियों का प्रश्न है, ये एक दिन में पैदा हुई समस्याएं नहीं हैं। दशकों तक पहाड़ों की उपेक्षा हुई है। कांग्रेस सरकारों के लिए उत्तराखंड सिर्फ फोटो खिंचवाने की जगह रह गई थी, इसलिए यहां के लोगों को अलग राज्य की मांग करनी पड़ी थी। अटलजी के समय भाजपा सरकार ने इस सोच के साथ अलग उत्तराखंड राज्य बनाया था कि यहां विकास पर फोकस होगा। लेकिन, उसके बाद केंद्र में काफी समय कांग्रेस की सरकार रही, राज्य में भी कांग्रेस बीच-बीच में आती रही। कांग्रेस के पास यहां के लोगों के विकास का विजन ही नहीं है। हमारी सरकार देवभूमि के विकास के एक बड़े विजन को लेकर आगे चल रही है। पहाड़, प्रकृति, पर्यावरण, पानी, पर्यटन हम हर विषय के लिए बहुत गंभीर रहे हैं। हम यहां पर कनेक्टिविटी बढ़ाने, निवेश और उच्च शिक्षा के संस्थान बढ़ाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। दिसंबर, 2023 में उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट कराए जाने के पीछे भी यही उद्देश्य था।

नारी शक्ति का वंदन, सिखों का अभिनंदन

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला शक्ति को नमन करते हुए महिला सम्मान के प्रति समर्पण भाव को और मजबूत किया। उन्होंने राम मंदिर के जरिए आस्था की बात की और विश्व पटल पर भारत के बढ़ती चमक-दमक की चर्चा कर देश की सुरक्षा, प्रगति से समझौता न करने का संदेश भी दिया। मोदी ने सिख बहुल तराई क्षेत्र में सिखों की शौर्य गाथा सुनाते हुए उनके उत्थान के लिए किए गए सरकार के कामों का उल्लेख किया। मजबूत इरादों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह के शौर्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हम बचपन से सुनते आए हैं सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोविंद सिंह नाम कहाऊं। यह बोल भारत की वीर परंपरा के प्रतीक हैं। ये बोल दिखाते हैं कि लक्ष्य कितना ही कठिन क्यों न हो, भारत अगर ठान लेता है, तो सफलता हासिल करके रहता है। आज इसी प्रेरणा से, ऊर्जा से हम लोग विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के विचार के केंद्र में नारी शक्ति, सिख, राम मंदिर, सीएए, गन्ना किसान और विकसित भारत रहे। पीएम मोदी ने सीएए पर विपक्षी दलों के विरोध को अनौचित्यपूर्ण कहा और उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में रहने वाले बंगाली परिवारों को नागरिकता देने की गांरटी दी।

शेयर मार्केट

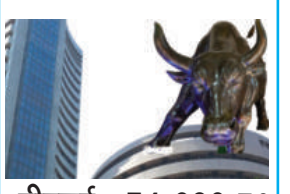

बीएसई : 74,683.70
-58.80 -0.08% ↓

एनएसई :22,642.75
-23.55 (-0.1%) ↓

कार्टून कॉर्नर

चुनाव आया तो नेताओं में मची है उड़न-खटोले की छीना-झपटी

ढेर सारे नेता और महज 60 हेलीकॉप्टर..!

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय लोकतंत्र भी अजीब है। यहां नेता आसमान में उड़ते हैं और वोट जमीन पर घिसटने वाले लोगों से हासिल करते हैं। आसमान में उड़ते हैं और जमीनी जुमले उछालते हैं। अभी लोकसभा चुनाव होने वाले हैं तो सारे नेता आधुनिक उड़न खटोले की तलाश में हैं। सत्ता में रहते हैं तो सरकारी धन पर हवाई-ड्यूटी करते ही रहते हैं। चुनाव के समय हेलीकॉप्टरों की बड़ी मांग है और मारामारी भी है। महज 60 से 70 हेलीकॉप्टरों पर छीना झपटी मची है।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देशभर में धुआंधार प्रचार अभियान शुरू हो गया है। राजनीतिक पार्टियों ने गांवों और दूरदराज के इलाकों में जाने के लिए आधुनिक उड़न खटोला यानी हेलीकॉप्टर बुक कराना शुरू कर दिया है। लेकिन इसमें अंधाधुंध पैसा खर्च हो रहा है। हेलीकॉप्टर किराये में पिछले छह महीनों में 15-20 फीसदी की वृद्धि हुई है। अधिकांश हेलीकॉप्टर पहले ही बुक हो गए हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दल हेलीकॉप्टर का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं। सिंगल-इंजन वाले हेलीकॉप्टर का किराया लगभग 1,500 रुपए प्रति मिनट है, जबकि दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर का किराया लगभग लगभग 3,000 रुपए प्रति मिनट है। ज्यादातर बुकिंग राजधानी दिल्ली से ही हो रही है।

254 चार्टर हेलीकॉप्टर हैं, लेकिन चुनाव के लिए केवल 60-70

भारत में चार्टर फ्लाइट के व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि पर्सनल जेट की मांग बीते एक-डेढ़ साल से एक जैसी बनी हुई है। इस कारण से इनकी कीमतों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन देश में अभी भी कमर्शियल एयरलाइन सेवाएं मजबूत हैं। चुनावी मौसम में बड़े शहरों में जाने के लिए नेता आज भी कमर्शियल उड़ानों का उपयोग करते हैं। इस दौरान उन्हें सफर के दौरान आम लोगों से मिलने-जुलने का भी मौका भी मिल जाता है। पिछले छह माह से हेलीकॉप्टर के किराए में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। हेलीकॉप्टर के किराए में यह तेजी इसलिए है, क्योंकि इन दिनों में भारत में चार्टर हेलीकॉप्टर की डिमांड पहले के मुकाबले बढ़ी है। देश में ट्विन इंजन वाले हेलीकॉप्टरों की कमी है। इसलिए चुनावी मौसम में हेलीकॉप्टरों की मांग ज्यादा नजर आ रही है। इससे उनके रेट पर प्रीमियम बढ़ गया है।

हेलीकॉप्टर उद्योग के लिए काम करने वाली रोटरी विंग सोसाइटी ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्तमान में लगभग 254 चार्टर हेलीकॉप्टर हैं। इन 254 हेलीकॉप्टरों में से 190 हेलीकॉप्टर सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यों, डिफेंस ऑपरेशन, कॉर्पोरेट वेंचर्स और ऑफशोर मिशनों के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे भारतीय चुनावी मौसम के लिए लगभग 60-70 हेलीकॉप्टर ही उपलब्ध रह गए हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,030/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,685/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 23^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मंच संचालन करने की कला पर आधारित प्रशिक्षण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पांच दिवसीय मंच पर संचालन करने की कला के प्रशिक्षण की कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। जिसमें 35 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीप प्रज्वलन एवं नवकार महामंत्र से हुआ। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

उन्होंने पूर्व में मास्टर ऑफ पब्लिक स्पीकिंग करने के बाद कहा कि मंच पर संचालन की कार्यशाला के प्रतिभागी बनने से हम सम्पूर्ण रूप से बोलने की कला एवं मंच संचालन को सिख सकते है। उन्होंने केकेजी जॉन द्वारा सर्वश्रेष्ठ कौशल जानकारी हेतु प्रदत्त अवार्ड के लिए जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ सदस्यों को बधाई दी। जीतो महिला विंग वाइस चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आर्ट ऑफ होस्टिंग कोर्स का महत्व एवं हमारे जीवन में इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है, के बारे में बताया। जीतो महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने शुभकामनाएं दी। परियोजना संयोजिका निधि पार्लेचा ने व्यवस्था संभाली एवं सहसंयोजिका प्रिया गांधी ने प्रशिक्षक हितेश गिरिया का परिचय दिया। आर्ट ऑफ होस्टिंग फेकल्टी हितेश गिरिया एवं नेहा चौधरी ने सभी प्रतिभागियों को मंच संचालन की शिक्षा देते हुए अनेक तरीके सिखाएं। उन्होंने समूह क्रियाओं के माध्यम से प्रतिभागियों में आपसी सामंजस्य एवं मेलमिलाप करवाया। सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सम्पूर्ण कोर्स करने हेतु उत्साहित किया। मंच पर हमे कैसा दिखना, बोलना एवं ऑडियंस का हमारी तरफ ध्यान एकत्रित करने के गुर सिखाएं। उपाध्यक्ष प्रभा गुलेचा, सहमंत्री नीलम ललवानी एवं संगीता पारख तथा मैनेजिंग कमेटी सदस्य अस्मिता चौहान, साक्षी नाहर, रेखा जैन, नंदा मेहता, निशा जियानी उपस्थित रहे।

चारित्र आत्माओं का हुआ आध्यात्मिक मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुनि श्री मोहजीत कुमार जी, साध्वी श्री पावनप्रभा जी और साध्वी सिद्धप्रभा जी का आध्यात्मिक मिलन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा भवन हुब्बल्ली में हुआ। साध्वी श्री पावनप्रभा जी एवं साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी परम पूज्य गुरुदेव युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की आज्ञा का पालन करते हुए मुंबई से हुब्बल्ली तक पिछले 50 दिन में लगभग 650 किलोमीटर का विहार करते हुए तेरापंथ भवन हुब्बल्ली पहुंची। जहां मुनि मोहजीत कुमार जी एवं साध्वी वृंद का आध्यात्मिक मिलन हुआ।

इस कार्यक्रम में बेंगलूरु विजयनगर सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, मंत्री दीपिका गोखरू, कार्यकारणी सदस्य मंजू लुणीया, सुनीता पिंचा, तेयूप विजयनगर सहमंत्री रौनक चोरड़िया, विहार सेवा संयोजक पंकज कोचर, विहार सेवा बेंगलूरु प्रभारी माणक चंद मुथा, चिक्कमंगलूरु, शिवमोग्गा, मैसूरु, हीरियूर एवं आसपास के क्षेत्र के श्रावक श्राविका समाज एवं हुब्बल्ली का संपूर्ण श्रावक समाज उपस्थित था। इस कार्यक्रम में मुनि श्री मोहजीत कुमार जी ने कहा चारित्र आत्माओं का आध्यात्मिक मिलन हमारे तेरापंथ धर्म संघ में किसी महोत्सव से कम नहीं होता है। साध्वी पावन प्रभा जी, साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने भी विहार की जानकारी संपूर्ण सदन में रखी एवं साध्वी पावन प्रभा जी ने कहा बेंगलूरु विजयनगर सभा और हीरियूर सभा ने संयुक्त रूप से विहार सेवा का दायित्व परिपूर्ण किया है। दोनों सभाओं की सेवा सराहनीय रही। सभी साध्वी वृंद ने मिलकर गीतिका का संगान किया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने सभी चारित्र आत्माओं के उत्तम स्वास्थ्य की सुख साता पूछते हुए आगामी विहार की मंगलकामना संप्रेषित की। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने गीतिका के द्वारा अपनी भावना संप्रेषित की। कार्यक्रम का सफल संचालन हुब्बल्ली सभा के मंत्री केसरचन्द गोलछा ने किया।

विप्र महिला मंडल ने मनाया गणगौर उत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खांडल विप्र महिला मंडल ने जयनगर स्थित एक होटल के सभागार में गणगौर उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ममता चोटिया ने बताया कि जब हम एक दूसरे के साथ मिलकर खुशियां व पारम्परिक उत्सव मनाते हैं तो हमारे सामाजिक बन्धन और रिश्ते मजबूत होते हैं। हमारे राजस्थान की कला और संस्कृति का भी प्रचार प्रसार होता है। सभी बहनों ने गणगौर इश्वर की पूजा की और अपने सुहाग की कामना के साथ प्रोग्राम का शुभारंभ किया। गणगौर इश्वर (शिव और पार्वती) के प्रतीक है। इस प्रोग्राम में अध्यक्ष ममता चोटिया के सानिध्य में खांडल समाज की सारी बहनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पूरे पारम्परिक परिधान में महिलाएं सजी हुई थी। मंत्री सुन्दर खांडल ने खेल प्रतियोगिता प्रस्तुत कर आनन्द लिया। जिसमें प्रथम पुरस्कार रेखा चोटियां, सत्यभामा जोशी, शकुंतला चोटिया, वंशिका जोशी, उषा चोटिया व अन्य सभी ने खूब जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

जगत के समस्त संसारी जीवों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ: साध्वी अर्चनाश्रीजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जगत के समस्त संसारी जीवों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ है। सभी जीवोंमें एकमात्र मनुष्य ही है जो सर्वश्रेष्ठ साधना करके आत्मा से परमात्म अवस्था कोप्राप्त कर सकता है। परिज्ञा शिविर में मिले संस्कारों द्वारा जीवन को सद्गुणों सेसुवासित करें।

उपरोक्त विचार जैन स्थानक विल्सनगार्डन में श्री श्वेताम्बरस्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के द्वारा महत्तम महोत्सव के अंतर्गतआयोजित समता संस्कार परिज्ञा शिविर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए साध्वीअर्चनाश्रीजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में प्रकट किए।

उन्होंने कहा कि बाल्यावस्थामें जो नैतिक एवं धर्म संस्कार बालकों को प्राप्त हो जाते हैं वे संस्कार उनकेपूरे जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर करने में सहायक होते हैं।

जीवन के हरकार्य में विनय और विवेक होना चाहिए, जिससे वह कार्य सम्यक परिणाम देने वालाहोता है। जीवन की सच्ची सफलता प्राप्त करना है तो हमें जीवन में दुर्व्यसनों से दूररहना चाहिए। शासन दीपिका अर्चनाश्रीजी,मल्लिप्रज्ञाश्रीजी, प्रतिष्ठाश्रीजी, रुचिताश्रीजी ने 5 दिवसीय समता संस्कार शिविर परिज्ञा शिविरमें लगभग 180 शिविरार्थियों को सार्थक जीवन जीने का मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया।इसपंच दिवसीय शिविर का समापन समारोह पंच परमेष्ठी वंदना मंगलाचरण से प्रारंभहुआ। शिविरार्थियों ने अपने सीखे गये ज्ञान की संक्षिप्त झलकियों की आकर्षकप्रस्तुतियां दी। व्यवस्थापकों ने शिविर की विस्तृत जानकारी सबके समक्ष प्रस्तुतकी। समारोह में विल्सनगार्डन संघ के संरक्षक शांतिलाल सांड, देवीचंदबोहरा, प्रकाशचंद बम्ब, धर्मीचंद खारीवाल, चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंदभंसाली, मंत्री सज्जनराज बोहरा, श्री साधुमार्गी जैन संघ बेंगलूरु के मार्गदर्शक कमलसिपानी, अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी आदि की उपस्थिति रही।

गणगौर महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज की शाखा अग्रवाल महिला मंडल ने राज-राजीनगर स्थित मेरियट होटल के सभागार में रविवार को गणगौर महोत्सव का आयोजन किया। इस महोत्सव का शुभारंभ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रतन लाल सिंघल, सचिव सतीश गोयल एवं महिला मंडल की अध्यक्षा अंजू अग्रवाल, नीरू तायल, पुष्पा अग्रवाल, सुशीला गोयल, सुरेन्द्र गोयल ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात महिलाओं के राजस्थानी परम्परा के साथ गणगौर गीतों की प्रस्तुति के साथ नृत्य ने सभी को भावविभोर किया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ने सुंदर आयोजन के लिए महिला मंडल को बधाई दी।

इस मौके पर संजय अग्रवाल, संजय तायल, रवि तायल, मदनलाल, अंकित मोदी, गणेश मित्तल, विमल दबरीवाल भी उपस्थित रहे।

होली स्नेह मिलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीदासर परिषद बेंगलूरु द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन अर्हम भवन विजयनगर में बड़े ही धूम-धाम से किया गया। नूतन बैंगानी-ग्रुप तथा परिषद सदस्यों ने चंग की धमाल पर होली के गीतों द्वारा सभी का मन मोह लिया।

धमाल पर दर्शक तथा गायक मंडल के सदस्य अपने पैरों पर काबू नहीं रख पा रहे थे। झूमते नाचते हुए सदस्यों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। उपस्थित महिलाओं व बच्चों ने भी भरपूर आनंद लिया। विशेष प्रस्तुति जादूगर सत्यमूर्ति द्वारा दी गई, जिसमें उन्होंने अनेक तरह के जादू दिखाये जिसका सभी ने आनंद लिया। साथ ही परिषद द्वारा बहुत ही स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। जिसका आनंद सभी परिवारजनों ने लिया। अध्यक्ष रितेश दुगड़ ने सभी का अभिनंदन व स्वागत किया। उपाध्यक्ष ओम दुगड़ एवं विनोद दुगड़, मंत्री कमल सिंघी, कोषाध्यक्ष प्रवीण सिंघी, सहमंत्री दीपक सेठिया एवं अंशुल गोलेछा, संगठन मंत्री बिकास छाजेड़, पूर्व अध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंघी, संस्थापक अध्यक्ष कन्हैयालाल गिड़िया, वरिष्ठ सलाहकार मोहनलाल दुगड़, शोभाचन्द दुगड़, प्रताप सेखाणी, मनोज डागा, राकेश छाजेड़, बुधमल बैंगाणी, कनक सेखाणी, बिमल बरडिया व अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री औरमांड्या लोकसभा उम्मीदवार एच.डी. कुमारस्वामी, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्रीडॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, पूर्व मंत्री जी.टी.देवेगौड़ा, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने बुधवार कोविजयनगर में आदिचुंचनगरी मठ का दौरा किया और डॉ. निर्मलानन्द स्वामीजीका आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *महादेव गौ सेवक मंडल के सदस्यों ने नववर्ष के उपलक्ष मेंमंगलवार को हसरघट्टा स्थित महाकालेश्वर गौशाला में गौमाता का पूजन कर गौमाता को एक ट्रॉली हरा चारा खिलाकर धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर संस्था केमाधुराम, मुकेश, थानाराम, जगदीश, निर्मल, हरीश, रतन, सुरेश समेत महादेव गौसेवक मंडलके अनेक सदस्य उपस्थित रहे।*

आश्रित बच्चों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद ने तेयुप राजाजीनगर के सदस्य राहुल चावत की दादी स्व. गेहरी बाई की 22वीं पुण्य स्मृति में परिवार के सदस्यों के सहयोग से श्रीरामपुरम में स्थित सरकारी कन्या आश्रय के बच्चों को भोजन कराया। परिषद परिवार द्वारा सामुहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया गया। कन्या आश्रय की वार्डन रूपा ने बताया कि यहां पर अभी 95 बच्चे रह रहे हैं। उन्होंने सहायता के लिए परिषद परिवार का धन्यवाद व्यक्त किया। प्रायोजक परिवार कमलाबाई, रोशनलाल, अशोक कुमार, राहुल कुमार, विनोद कुमार, आदित्य, जीनू, शिवांश चावत राजाजीनगर रहे। तेयुप राजाजीनगर मंत्री कमलेश चौरडिया ने चावत परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप से सुनील मेहता, जयंतीलाल गांधी, एवं अजिंक्या चौधरी मौजूद थे।

भव्य जिनालय और दादावाड़ी का भूमि शुद्धिकरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी खरतरगच्छ पेढ़ी के तत्वावधान में परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति, अवंति तीर्थोद्धारक गुरुदेव आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वरजी की पावन प्रेरणा एवं आज्ञा से 9 अप्रैल को नव वर्ष की मंगल प्रभात में पूज्य पन्यास श्री परम हंस विजय जी की निश्रा में एवं सैकड़ों भक्तों की उपस्तिथि में अंतरिक्ष जी महातीर्थ की पावन धरा पर भव्य जिनालय और दादावाड़ी का भूमि शुद्धिकरण आयोजित हुआ। श्री जिनदत्त कुशल सूरी खरतर-गच्छ पेढ़ी के तत्वावधान में जल्द ही भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह आयोजित कर भव्य जिनालय, दादावाड़ी, पुस्तकालय, संग्रहालय, धर्मशाला, भोजनशाला और भी विविध आयामों का आगाज होगा। बेंगलूरु से कार्यक्रम में पेढ़ी के ट्रस्टी कुशलराज गु-लेच्छा सपरिवार उपस्थित रहे और अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुदेव के सपने को हमें साकार करना है। मुंबई से प्रदीप श्रीश्रीमाल सपरिवार पधारे और कहा कि सभी प्राचीन तीर्थो में दादावाड़ी होती ही थी और अंतरिक्षजी तीर्थ में भी 400 वर्ष प्राचीन दादावाड़ी थी। लेकिन अब नही है इसीलिए गुरुदेव की आज्ञा और प्रेरणा पाकर ही बड़ी भूमि संपादित की गई, ताकि दादा गुरुदेव के भक्त दर्शन वंदन से वंचित न रहे। बेंगलूरु संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि आज सोने में सुहागा हुआ कि हाड़ेचा के बाल मुमुक्षु रत्न श्री विदित भाई सुमेरमल मेहता और उनके पूरे परिवार ने कार्यक्रम में पधारकर शोभा बढ़ाई। मुमुक्षु रत्न, पिताजी और माताजी का पेढ़ी की ओर से अभिनंदन किया गया और मुमुक्षु द्वारा दीक्षा पर पधारने का निवेदन किया गया। कार्यक्रम में सूरत, नागपुर, नंदूरबार, बीकानेर सहित स्थानीय अकोला, परभणी, वाशिम, शिरपुर और पूरे देशभर से कई लोग उपस्थित रहे। भूमि शुद्धिकरण में परमात्मा के अभिषेक से पूरे परिसर को मंत्रोच्चार से गुंजायमान किया गया और उपस्थित सभी महानुभावों द्वारा भावोल्लास से भूमि शुद्धिकरण किया गया। पेढ़ी द्वारा इस प्रोजेक्ट हेतु भारतभर से ट्रस्टी बनाए जायेंगे। अंत में बडी शांति और मांगलिक का पाठ कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा-जेडीएस की जीत निश्चित: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि हमारा लक्ष्य गुलबर्गा सहित 28 मेंसे 28 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा-जेडीएस को जीत दिलाना है। इसे पूरा कियाजायेगा। अफजलपुर के नेता नितिन गुट्टेदार बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालयजगन्नाथ भवन में समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। उनको पार्टी मेंशामिल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे गौरवान्वित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेपिछले 10 वर्षों में जो कहा वह करके दिखाया है। उन्होंने बताया कि घोषणापत्र में घोषित विचारों को क्रियान्वित किया गया है। 10 साल के शासन के बादभी नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। हम एक बार फिर मोदी कोजीताने के संकल्प के साथ सक्रिय हैं। मोदी एक दिन भी बिना रुके काम कररहे हैं।

उन्होंने न केवल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्पलिया, बल्कि कार्यकर्ताओं से एकाधिकारवादियों और उनके समर्थकों के प्रतिसम्मान के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने कहा मैं नितिन गुट्टेदारका भाजपा में हार्दिक स्वागत करता हूं। उनके शामिल होने से गुलबर्गा लोकसभाक्षेत्र में बड़ा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनके शामिल होने सेपार्टी में काफी ऊर्जा आई है। बीजेपी-जेडीएस को एक परिवार की तरहकाम करना होगा। उन्होंने पार्टी उम्मीदवार जाधव को बड़े अंतर सेजिताने की अपील की। नितिन गुत्तेदार ने कहा, बीजेपी से जुड़ने औरसंगठित होने का मौका मिला है। मैं मोदी के लिए काम करूंगा। उन्होंनेकहा कि कलबुर्गी जिले में बीजेपी जीतेगी और कर्नाटक में अच्छा संदेश देगी।इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, पूर्वमंत्री अरगा ज्ञानेंद्र, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी, कलबुर्गी जिला अध्यक्षचंद्रू पाटिल, शिवराज पाटिल और अन्य लोग मौजूद थे।

कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीटें जीतेंगे, पीएम मोदी को उपहार के रूप में देंगे: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

र्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड समिति के सदस्य बी.एस.येदियुरप्पा ने कहा कि हम राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतेंगे और इसे प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए येदियुरप्पा ने कहा, शीर्ष नेतृत्व ने 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि मैं राज्य से सभी 28 उम्मीदवारों को निर्वाचित कराऊंगा और उन्हें नई दिल्ली भेजूंगा। मुझे इस पर पूरा भरोसा है। यही बात मैंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी कही है। इस बार निश्चित रूप से, हम यहां सभी सीटें जीतेंगे और इसे प्रधान मंत्री मोदी को उपहार के रूप में पेश करेंगे। सबकुछ हमारे पक्ष में है। हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 14 अप्रैल को तटीय शहर मेंगलूरु और राजधानी बेंगलूरु में चुनाव प्रचार करने पर विचार कर रहे हैं। कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाना है। भाजपा में टिकट आवंटन के दौरान जो बगावत और असंतोष सामने आया था, उस पर काबू पा लिया गया है और अब सब कुछ ठीक है। मैंने सभी को घर बुलाया, चर्चा की और एकजुट होकर चलने को कहा। अब, कोई मतभेद नहीं हैं। कांग्रेस ने सभी 28 सीटें जीतने के हमारे दावे पर सवाल उठाया है। पार्टी इसे सपना बता रही है। लेकिन, उस पार्टी से कोई क्या उम्मीद कर सकता है?

जेडीएस कर्नाटक में एक भी सीट नहीं जीतेगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान जद-एस राज्य में एक भी सीट नहीं जीतेगी। शिवकुमार ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार के रूप में जद-एस के तीन उम्मीदवार चुनाव हार जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने बेंगलूरु में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि बेंगलूरु ग्रामीण भाजपा उम्मीदवार सीएन मंजूनाथ भी हार जाएंगे। उन्होंने कहा कि मांड्या, हासन, कोलार और बेंगलूरु ग्रामीण में कांग्रेस जीतेगी।

उन्होंने कहा भाजपा की जीत की भविष्यवाणी करने वाले विशेषज्ञ अब अपनी भविष्यवाणियों से झिझक रहे हैं। जद-एस के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी मांड्या से चुनाव लड़ रहे हैं जबकि कांग्रेस

ने इस सीट से उद्योगपति वेंकटरमण गौड़ा उर्फ स्टार चंद्रू को मैदान में उतारा है। कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात पर उपमुख्यमंत्री ने कहा मैंने उनको एक रिपोर्ट दी है कि राज्य में चीजें कैसी हो रही हैं। हमने राहुल गांधी की कर्नाटक यात्राओं पर भी चर्चा की है। उन्होंने कहा कि खड़गे नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए 12 अप्रैल को कलबुर्गी जाएंगे। खड़गे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि कलबुर्गी सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि धारवाड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार नहीं बदला जाएगा। हमारे मन में दिंगलेश्वर स्वामीजी के प्रति बहुत सम्मान है जिन्होंने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। यदि उन्होंने पहले निर्णय लिया होता और हमसे संपर्क किया होता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। अब, पार्टी के युवा उम्मीदवार अच्छे से प्रचार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी धारवाड़ सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं।

कांग्रेस का चुनाव आयोग से आग्रह

केंद्र को कर्नाटक को सूखा राहत राशि तुरंत जारी करने का निर्देश देने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव आयोग को एक याचिका सौंपी, जिसमें केंद्र सरकार को राज्य को 4,663 करोड़ रुपये का सूखा राहत कोष और 18,171 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड तुरंत जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार द्वारा हस्ताक्षरित याचिका को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से चुनाव आयोग को सौंपा गया। कांग्रेस आयोग का ध्यान आकर्षित करना चाहती है, क्योंकि कर्नाटक में 240 तालुकों में से 224 तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। इसमें 34 लाख किसानों की 37,000 करोड़ रुपये से अधिक

की खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 6 अप्रैल को बेंगलूरु में बीजेपी द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बयान देते हुए कहा था कि केंद्र सरकार ने 28 मार्च को चुनाव आयोग को पत्र लिखकर उच्च बैठक आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। जिसमें सूखा राहत समेत आपदा राहत के कई प्रस्तावों को मंजूरी मिलेगी। याचिका में तर्क दिया गया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने यह कारण बताकर सूखा राहत जारी करने में देरी को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि चुनाव आयोग ने उच्च-शक्ति समिति की बैठक आयोजित करने की अनुमति नहीं दी है। जबकि उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के लोगों को इससे परेशानी हो रही है।

अधिकार के तौर पर, जब भी संबंधित राज्य में कोई आपदा आती है, तो राज्य केंद्र सरकार से एनडीआरएफ और अन्य फंड पाने के हकदार हैं।

यहां तक कि कानून के प्रावधान और चुनाव 2024 की आदर्श आचार संहिता भी इसमें आड़े नहीं आएगी। राज्य को सूखा राहत कोष जारी करने के मामले में केंद्र सरकार ने गलत तर्क दिया है कि चुनाव आयोग को कर्नाटक को सूखा राहत कोष जारी करने के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक की अनुमति देनी होगी। कांग्रेस ने मांग की कि केंद्र के बहाने से निपटने के लिए, चुनाव आयोग उसे तुरंत राहत कोष जारी करने के लिए आवश्यक बैठक आयोजित करने का निर्देश दे ताकि राज्य के लोगों के हित में, राज्य गंभीर सूखे की स्थिति से युद्ध स्तर पर निपट सके।

लोकसभा चुनाव में जीत का भरोसा: के एस ईश्वरप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैं लोकसभा चुनाव लड़ूंगा। मैं वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र केविभिन्न स्थानों का दौरा और प्रचार कर रहा हूं। यह स्पष्ट है कि आम लोगमेरा समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। कांग्रेस और जेडीएस दोनोंनेताओं को अपने सवालों का सामना करना पड़ा है। वरिष्ठ प्रचारकोंसहित राज्य में हिंदुत्व के समर्थकों ने मेरी उम्मीदवारी को इतना जबरदस्त समर्थन दियाहै कि मैं जीत के प्रति आश्वस्त हूं। यह बात बीजेपी के बागी और स्वतंत्र लोकसभाउम्मीदवार केएस ईश्वरप्पा ने बुधवार को कुंडापुर में एक संवाददाता सम्मेलन केदौरान कही। उन्होंने आगे कहा, हिंदुत्व प्रचारक सी टी रवि, प्रताप सिम्हाऔर बसवन गौड़ा पाटिल यतनाल को राज्य में चुनौतियों का सामना करनापड़ा है, जिससे पार्टी कार्यकर्ता निराश हो गए हैं। मैंने इन चिंताओं सेअमित शाह

को फोन पर अवगत कराया और उन्होंने दिल्ली में बैठक का सुझावदिया। उनकी शिकायतों के बावजूद, अमित शाह से मेरी मुलाकात न हो पाने काकारण मेरे प्रति उनका असंतोष नहीं है। मेरा मानना है कि मोदी और अमित शाहने चर्चा की होगी और फैसला किया होगा कि मुझे चुनाव जीतना चाहिए।येदियुरप्पा ने दिल्ली का दौरा किया और संगोळ्ळी रायन्ना ब्रिगेड के गठन परआपत्ति जताई। मुझे भी दिल्ली बुलाया गया, जहां तीन घंटे तक चर्चा चली।मैंने ब्रिगेड में पिछड़े वर्ग के लोगों को शामिल करने पर जोर दिया,जिसका येदियुरप्पा ने विरोध किया। पिछले चुनावों के दौरान, उन्होंनेहावेरी में कांतेश को टिकट देने का वादा करते हुए मुझसे चुनाव नलड़ने का आग्रह किया, जो कभी पूरा नहीं हुआ। भाजपा इस समय पिता-पुत्रकी जोड़ी के नियंत्रण में है, जिसके खिलाफ मैं चुनाव लड़ रहा हूं। क्यामोदी की तस्वीर का इस्तेमाल केवल राघवेंद्र तक ही सीमित रहना चाहिए? अगर कोईआपत्ति है तो उन्हें मामले को अदालत में ले जाने दें। हम अदालत के फैसले कापालन करेंगे। येदियुरप्पा ने झूठ बोलकर धोखा दिया है। मेरी निष्ठाहिंदुत्व के अभियान के साथ है। मैं हिंदुत्व के लिए और परिवार-केंद्रित राजनीतिके खिलाफ चुनाव लड़ रहा हूं, जिससे पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओंको निराशा हुई है। सिद्धांतोंपर बनी पार्टी परिवार के प्रभुत्व के आगे झुक रही है और मैं उन सिद्धांतों कोबरकरार रखने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। जब येदियुरप्पा ने केजेपीपार्टी का गठन किया था, तब मैंने उन्हें सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने इसेनजरअंदाज कर दिया। इसकी विफलता के बाद, वह एक नए येदियुरप्पा का वादाकरके भाजपा में लौट आए। क्या यह वही नए येदियुरप्पा हैं जिसका हमसे वादाकिया गया था? केंद्र में भाजपा के नेता सच्चाई से अनजान हैं। इसलिए मैं चुनावलडूंगा। मेरी जीत मोदी के नेतृत्व को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा राघवेंद्रको मंदिर में शपथ लेने दें और घोषणा करें कि उनके पिता ने मुझे चुनावटिकट देने का वादा करके धोखा नहीं दिया। मैं ऐसा करने के लिए अयोध्याजाने के लिए तैयार हूं।

गुरुदर्शन यात्रा संघ के तहत आचार्य श्री महाश्रमण के दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा 51 सदस्यीय गुरुदर्शन यात्रा संघ शनिवार को बेंगलूरु से पुणे पहुंचा। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने प्रवचन के दौरान समय प्रबंधन को जीवन में उतारने की विशेष प्रेरणा दी। 51 सदस्यीय गुरु दर्शन यात्रा संघ को आचार्य महाश्रमण जी ने भावना अनुसार त्याग प्रत्याख्यान (संकल्प पत्र) करवाए। इस अवसर पर अभातेयूप अध्यक्ष रमेश डागा ने तेयुप विजयनगर को लगातार सेवा संस्कार और संगठन में उल्लेखनीय कार्य करने वाली परिषद बताया।

अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने तेयुप विजयनगर द्वारा संचालित एटीडीसी, प्रज्ञा केंद्र, हॉस्टल, मेडिकल स्टोर आदि गतिविधियों की जानकारी दी। विमल कटारिया ने गुरुदेव को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने का निवेदन किया। बेंगलूरु संभाग प्रमुख एवं संघ यात्रा संयोजक अमित दक ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष राकेश ने अपने आप को भाग्यशाली बताते हुए सम्पूर्ण परिषद परिवार की तरफ से कृतज्ञता के भाव अर्पित किए। बढ़ते कदम पुस्तिका भी गुरुदेव को निवेदित की। विजय स्वर संगम और प्रबंध मंडल ने नवरचित जोशीले गीत तेरापंथ का परचम लहरा दो का संगान किया।

मनोहर लाल, राकेश, मुकेश, दर्शन, चिरायु एवं बाबेल परिवार की संघ निष्ठा की सबने सराहना की। इसके पूर्व तेयुप परिवार ने मिलकर आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन कर विहार सेवा में भाग लिया। 51 सदस्यीय दल ने लगभग 7 किमी का लगभग विहार किया।

यात्रा संघ पुणे पहुंच कर प्रातः साध्वी प्रमुखा विश्रुत प्रभा जी के दर्शन कर सेवा का लाभ लिया। साध्वी प्रमुखा जी ने सबको नवकार महामंत्र की महत्ता बताते हुए प्रतिदिन कम से कम 1 माला फेरने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने साध्वी प्रमुखा जी के उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना करते हुए परिषद की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। दोपहर में संघ में मुख्य मुनि के दर्शन सेवा का लाभ लिया। राकेश पोखरणा, पवन मांडोत, विमल कटारिया, सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने परिषद , परिषद के कार्यकर्ताओं की सरहाना की। मुख्य मुनि ने युवाओं को संघ में जुड़े रहते हुए अच्छे संस्कारों को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। आचार्य भारमल के लिए गीत का मधुर संगान किया। संगोष्ठी का संचालन मंत्री कमलेश चोपड़ा ने किया। गुरुदर्शन यात्रा संघ में तेयुप विजयनगर के प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, प्रवीण गन्ना, संजय भटेवरा, रौनक चौरडिया, अशोक मारू, पवन बैद, निवर्तमान अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, पूर्व अध्यक्ष राजेश छाजेड, राकेश दुधोडिया, महेंद्र टेबा, संपत चावत, अभिषेक कावड़िया, महावीर टेबा, परामर्शक गण, परिषद साथी की उपस्थिति रही।

भाजपा-जेडीएस प्रायोजित बदमाशों द्वारा फर्जी खबरों से सांप्रदायिक भावना भड़का रही: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन द्वाराप्रायोजित शरारती तत्वों ने एक समाचार पत्र के समान फर्जी खबर बनाई है, इसे लोगोंकी सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाली खबरों से भर दिया है और इसेसोशल मीडिया पर प्रसारित किया है। उन्होंने पहले ही पुलिस विभाग में शिकायतदर्ज करा दी है और कहा है कि उन्हें इसके पीछे की बुरी ताकत के बारे मेंजानकारी है और वे जल्द से जल्द उन्हें न्याय के कटघरे में लाएंगे। यह भाजपाऔर जद (एस) के बौद्धिक

दिवालियेपन को दर्शाता है कि वे अपने राजनीतिकविरोधियों का निष्पक्ष तरीके से सामना करने में सक्षम हुए बिना इस तरह के तरीकोंसे चुनाव जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने दस साल तक देशपर शासन किया, उसे चुनाव जीतने के लिए फर्जी खबरों का सहारा नहीं लेना चाहिएथा। फर्जी खबरों पर विश्वास करने और साझा करने से पहले सावधान रहें।मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि फेक न्यूज बनाने वालों और पीठ पीछेउनका समर्थन करने वालों को कानून के जरिए जड़ से खत्म कर दिया जाएगा।

महिला ने दो बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी, गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में एक चौंकाने वाली घटना में एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है कि उसने अपने बच्चों की हत्या क्यों की। मृतकों की पहचान नौ वर्षीय लक्ष्मी और सात वर्षीय गौतम के रूप में की गई है। यह घटना मंगलवार देर रात बेंगलूरु के जलाहल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हुई। आरोपी मां की पहचान गंगादेवी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ितों का परिवार आंध्र प्रदेश का रहने वाला है और आरोपी मां एक निजी कंपनी के मार्केटिंग डिवीजन में काम करती थी।

आरोपी महिला का पति पॉक्सो मामले में गिरफ्तार होने के बाद जेल में है। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि गंगादेवी ने अपने बच्चों की तकिए से मुंह दबाकर हत्या की है। आगे की जांच जारी है।

जम्मू में विशाल जनसभा में बोले योगी आदित्यनाथ

एक्सीडेंटल हिंदू राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर रहे थे: योगी

कठुआ, 10 अप्रैल (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार करने पहली बार योगी आदित्यनाथ जम्मू पहुंचे। बुधवार को योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री, उधमपुर से सांसद व भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने यहां मोदी सरकार के कार्यों का जिक्र किया तो विपक्षी पार्टियों को खूब खरी खोटी सुनाई। सीएम ने जम्मू वासियों को वासंतिक नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्हें जम्मू की धरती को आराध्य देवों, ऋषि मुनियों की साधना स्थली, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए बलिदान करने वालों की भूमि बताया।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर का निर्माण नहीं कर पाती। कांग्रेस ने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। इन लोगों ने राम-कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर हमारे आराध्य देवों को नकारने का प्रयास किया। एक्सीडेंटल हिंदुओं ने राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर दिए थे, लेकिन आज अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण भी हो गया। आप आइए, अयोध्या में लगेगा कि साक्षात त्रेतायुग के दर्शन हो रहे हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया है। पहले संकरी गली थी, बमुश्किल पांच लोग जा पाते थे पर आज एक साथ 50 हजार श्रद्धालु भी आ जाएं तो कोई समस्या नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद की जड़ धारा-370 को समाप्त कर साबित कर दिया कि दिल्ली का लाल किला हो या जम्मू का लाल चौक, चारों ओर उत्साह है।

क्योंकि यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। जब जम्मू-कश्मीर की बात आती है तो भारत का मुकुट हर व्यक्ति गर्व से देखना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सत्तालोलुपता ने आजादी के एक दिन पहले देश का विभाजन करा दिया, लेकिन हमने स्वतंत्र भारत में हमेशा एक ही धर्म माना, वह है राष्ट्रधर्म। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। मेरी व्यक्तिगत आस्था कुछ भी होगी, यदि वह राष्ट्र के मार्ग में बाधक है तो उसे दरकिनार कर दिया जाएगा। मेरे लिए देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता व अखंडता सर्वोपरि है।

सीएम योगी ने कहा कि 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। अगले पांच वर्ष तक यह सुविधा मिलेगी तो दूसरी तरफ 1947 में भारत से अलग हुआ पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया के अंदर भीख मांगता दिखाई दे रहा है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का आज दुनिया में सम्मान है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि पाकिस्तानी घुसपैठ करके हमारी सुरक्षा में सेंध लगाएगा। अब पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। उसे मालूम है कि कुछ हो गया तो लेने के देने पड़ेंगे। मजबूत सरकार होती है तो सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होती है।

सीएम ने कहा कि पहले लोग खुद को हिंदू बोलने में भी संकोच करते थे। अयोध्या का नाम लेने में लोग डरते थे। 2017 में जब मैं उप्र का मुख्यमंत्री बना तो अयोध्या गया। अचरज होकर लोगों ने कहा कि यह क्या कर रहे हैं, कुछ लोग नाराज हो जाएंगे। मैंने कहा कि हो जाएंगे तो होने दो।

मैं जनआस्था के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। वोट बैंक के लिए यह नहीं हो सकता। अयोध्या में भव्य दीपोत्सव की तैयारी करो। अच्छी सरकार बनती है तो 500 वर्षों का इंतजार भी समाप्त हो जाता है।

सीएम ने कहा कि मोदी जी को देश की बागडोर सौंपने का श्रेय आपको जाता है। यदि जनता वोट नहीं देती तो हम देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को नहीं संभाल पाते। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान परस्त आतंकवादी तबाही मचाए थे तो यूपी में सत्ता के संरक्षण में अराजकता होती थी। वहां महीनों कर्फ्यू रहता था पर सात वर्ष में एक भी दंगा नहीं हुआ। वहां के लोग कर्फ्यू भूल गए। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां धर्मस्थलों से माइक उतर गया। वहां माइक की आवाज नहीं होती, लोग विकास पर विश्वास कर रहे हैं। सीएम ने जम्मूवासियों से अयोध्या आने का आग्रह भी किया। संकोच न कीजिए, सात-दस वर्ष पहले की अयोध्या बदल गई है। हमने अयोध्या के अंदर भी एक्सप्रेस बना दिया है।

सीएम ने कहा कि देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। हम यूपी में कोई संकोच नहीं करते हैं। यूपी में कोई दंगा करता है तो उल्टा लटकाकर टांग देते हैं। बहुत ज्यादा कोई बकबक करता है तो नीचे से मिर्च का झोंका लगा दिया जाता है, सारी भो-भो ठीक हो जाती है। सीएम ने कहा कि लोग क्षेत्र, जाति, भाषा आदि वाद की बात करने आएंगे पर हमें किसी वाद में नहीं फंसना है। बहुत खोया है, अब पाने का समय आया है। देश को मजबूत करने का समय आया है। कठुआ को विकासधारा से जोड़कर वर्तमान व भावी पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य देना है। पहले जम्मू-कश्मीर को लोगों ने भगवान भरोसे छोड़ दिया था पर दस वर्ष में यहां एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, प्रौद्योगिकी संस्थान बन गए हैं। देश के साथ यह लोग गलत व्यवहार करते थे। जब भी देश पर संकट आता था तो यह लोग बाहर भाग जाते थे। डोडा का नरसंहार भी सबने देखा था।

योगी ने बदली यूपी की तकदीर: डॉ. जितेंद्र सिंह

जम्मू, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब तारीफ की। कहा कि हमें मोदी जी के साथ योगी जी का भी आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यहां के लोग योगी जी को आदर्श मानते हैं। योगी जी के प्रति यहां के लोगों में श्रद्धा है। योगी जी ने जिस तरह यूपी की तकदीर व तस्वीर बदली है, उसका सभी उदाहरण देते हैं। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा का उल्लेख किया जाता है। मोदी जी ने महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए, योगी जी ने उसे यूपी में इज्जतघर का नाम दिया। महिलाओं को सुविधा के साथ स्वास्थ्य व सम्मान भी दिया। यही कारण है कि नारी शक्ति में मोदी-योगी को लेकर उत्साह है।

दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री थे। इस्तीफे पर राजकुमार आनंद ने कहा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कनेक्शन इसलिए हुआ, क्योंकि उन्होंने कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा। आज राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं।

आनंद ने कहा, मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। मेरे लिए मंत्री पद पर काम करना मुश्किल हो गया है। मैंने मंत्री पद से और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मैं इस भ्रष्टाचार से अपना नाम नहीं जोड़ सकता। राजकुमार आनंद ने कहा, मैं समाज का बदला चुकाने के लिए मंत्री बना हूं। मैं ऐसी पार्टी का हिस्सा नहीं बनना चाहता जो पीछे हटती हो। जब दलित प्रतिनिधित्व की बात हो रही है तो मैं किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं।

सेंटियागो मार्टिन के खिलाफ धनशोधन मामले में सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने फैसले में लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ जारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई पर रोक लगा दी है। मार्टिन ने केरल की विशेष पीएमएलए कोर्ट के 16 मार्च के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयन की पीठ ने मार्टिन को राहत देते हुए नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील आदित्य सोंधी और रोहिणी मूसा ने सैंटियागो मार्टिन का पक्ष रखा। मार्टिन के वकीलों ने दलील दी कि विशेष अदालत को यह विचार करना चाहिए था कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा, पहले से मार्टिन के खिलाफ चल रहे मुकदमे के खत्म होने के बाद ही शुरू हो सकता था। दरअसल मार्टिन ने केरल की विशेष अदालत में याचिका देकर मांग की थी कि उन्हें मुकदमे की सुनवाई में शामिल होने से छूट दी जाए क्योंकि उनके खिलाफ लॉटरी घोटाले में पहले से ही सुनवाई चल रही है।

चुनाव मैदान में उतरने से कतरा रहे हैं गुलाम नबी आजाद

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 10 अप्रैल।

अपने 47 साल के राजनीतिक जीवन में मात्र तीन बार प्रदेश से किस्मत आजमाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री और डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद पार्टी द्वारा उनकी अनंतनाग सीट से उम्मीदवारी घोषित किए जाने के बावजूद वे चुनाव मैदान में उतरने से कतरा रहे हैं। वे विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा कर

भाजपा के सहारे मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने इसके प्रति संकेत भी दिया है। कहा यही जा रहा है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद अपनी पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद आगामी आम चुनाव नहीं लड़ सकते हैं, भले ही उनके नाम की घोषणा उनके द्वारा स्थापित पार्टी द्वारा की गई है। आजाद की पार्टी, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी या डीपीएपी ने अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की है। पर आजाद ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अभी तक यह तय नहीं करना है कि मैं चुनाव लड़ूंगा या नहीं। मेरी पार्टी ने इसकी घोषणा कर दी है लेकिन मैंने अंतिम फैसला नहीं लिया है।

और अगर वे मैदान में उतरते हैं तो 2022 में कांग्रेस छोड़ने के बाद से अनंतनाग में चुनाव जम्मू कश्मीर में उनकी लोकप्रियता की पहली परीक्षा होने की उम्मीद है। अनंतनाग सीट से, जो नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच एक विवादित सीट बन चुकी है, अगर आजाद मैदान में शामिल होते हैं तो त्रिकोणीय मुकाबला हो जाएगा। आजाद, जो जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं, ने मतदाताओं की प्रतिक्रियाएं जानने के लिए पहले कई सार्वजनिक बैठकें की थीं। उन्होंने कहा था कि बहुत से लोग मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं। मेरी संसद में रहने की मांग है। लेकिन ऐसी आवाजें भी हैं जो चाहती हैं कि मैं विधानसभा चुनाव लड़ूं।

जानकारी के लिए अभी तक राज्य से मात्र एक बार विधानसभा का चुनाव जीत पाने वाले गुलाम नबी आजाद कई सालों तक राज्यसभा का सदस्य रहे हैं। अपने 47 साल के राजनीतिक करियर में उन्होंने राज्य में मात्र तीन बार ही किस्मत आजमाई थी। हालांकि 1977 में पहली बार जमानत जब्त करवाने वाले गुलाम नबी आजाद ने 30 सालों के बाद वोट पाने का रिकॉर्ड तो बनाया था लेकिन अब सवाल यह है कि क्या वे अब कश्मीर से लोकसभा चुनाव में अगर किस्मत आजमाते हैं तो वे जीत सकेंगे या नहीं क्योंकि एक बार 2014 में वे लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं। वैसे 1977 में उन्होंने अपने गृह जिले डोडा से विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश में मैदान में छलांग मारी थी मगर वे उसमें कामयाब नहीं हो पाए थे। फिर वे केंद्रीय राजनीति की ओर ऐसे गए कि पीछे मुड़ कर उन्होंने कभी नहीं देखा। यहां तक की उन्होंने कभी लोकसभा का चुनाव भी लड़ने की नहीं सोची।

फिर गुलाम नबी आजाद ने 27 अप्रैल 2006 को उस मिथ्य को तोड़ा था जो उनके प्रति कहा जाता था कि वे राज्य से कोई चुनाव नहीं जीत सकते। अपने गृह कस्बे से चुनाव जीतना उनका एक सपना था। वह 27 अप्रैल 2006 को पूरा हुआ था। इस सपने के पूरा होने की कई खास बातें भी थीं और कई रिकॉर्ड भी। अगर 30 साल पहले इसी चुनाव मैदान में आजाद की जमानत जब्त हो गई थी तो अब वे एक नए रिकॉर्ड से जीत दर्ज कर पाए थे। तब गुलाम नबी आजाद ने 58515 मतों की जीत के अंतर से यह चुनाव जीता था। यह अपने आप में एक रिकार्ड था क्योंकि जम्मू कश्मीर में अभी तक किसी भी नेता या मुख्यमंत्री पद के दावेदार किसी उम्मीदवार को इतनी संख्या में वोट नहीं मिले थे। अभी तक का रिकॉर्ड पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला का रहा था जिन्होंने 1977 के विधानसभा चुनाव में गंदरबल सीट से चुनाव जीता तो था लेकिन जीत का अंतर 26162 ही था।

अदालतों में नहीं टिकीं केजरीवाल की दलीलें

सबूत पुख्ता तो बचाव कहां टिकता!

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिलहाल कोई राहत नहीं है। मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। अब केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने मामले में तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया है।

इससे पहले अदालत में प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देने का कड़ा विरोध किया। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी की और उन्हें राहत देने की मांग की। सिंघवी ने लोकसभा चुनाव से जोड़ते हुए आप नेता की गिरफ्तारी के समय पर भी सवाल उठाए। सिंघवी ने अदालत के सामने तर्क दिया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय सीधे तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में समान अवसर यानी लेवल प्लेइंग फील्ड को प्रभावित करता है। सिंघवी ने आगे तर्क दिया कि समान अवसर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का हिस्सा है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय सीधे तौर पर पूरे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के समान अवसर को बाधित करता है क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल यानी आम आदमी पार्टी के सदस्य हैं। उनकी गिरफ्तारी सीधे तौर पर आगामी लोकसभा चुनावों में प्रचार करने के उनके अधिकार का उल्लंघन करती है। इसके अलावा गिरफ्तारी का समय यह सुनिश्चित करता है कि केजरीवाल लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते हैं। मतदान से पहले ही उनकी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सिंघवी ने तर्क दिया कि ईडी द्वारा केजरीवाल के खिलाफ जारी किया गया पहला समन अक्टूबर 2023 में था और उन्हें 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया। यह दुर्भावना से भरा है और यह सीधे बुनियादी ढांचे और समान अवसर को नुकसान पहुंचाता है। अदालत ने सिंघवी की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा ने अपने आदेश में कि याचिकाकर्ता (अरविंद केजरीवाल) को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया है और उन्हें विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। चुनाव के समय के बावजूद गिरफ्तारी की जांच न्यायालय को करनी है। ईडी की ओर से किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण मंशा के अभाव में इस तर्क को स्वीकार करने का मतलब यह होगा कि यदि केजरीवाल को अक्टूबर 2023 में ही गिरफ्तार किया गया होता तो उनकी गिरफ्तारी को दुर्भावनापूर्ण आधार पर चुनौती नहीं दी जाती क्योंकि उस समय चुनाव घोषित नहीं हुए थे।

केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से भी लगा झटका

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने वकीलों से हफ्ते में पांच बार मुलाकात करने की मांग की थी। फिलहाल सीएम हफ्ते में दो बार अपने वकीलों से मुलाकात कर सकते हैं। इससे पहले हाईकोर्ट ने मंगलवार को केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सीबीआई और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि राहत देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। ईडी ने केजरीवाल की अर्जी का विरोध करते हुए कहा था कि सिर्फ इसलिए उन्हें विशेषाधिकार नहीं दिया जा सकता क्योंकि वह जेल के अंदर से सरकार चलाना चाहते हैं। केजरीवाल को 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति 2021 से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अपनी याचिका में केजरीवाल ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एक गैर-स्तरीय खेल का मैदान बनाने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का दुरुपयोग कर रही है जिसके तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया था। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी प्रक्रिया को केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) के पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है, जो वित्त मंत्रालय के माध्यम से ईडी को नियंत्रित करती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि यदि इस तर्क को मानता है तो यह स्वीकार करना होगा कि यदि कोई व्यक्ति जांच एजेंसी के समक्ष खुद को पेश करने में देरी करता है तो वह इसका फायदा उठा सकता है और बाद में दुर्भावनापूर्ण होने का बहाना बना सकता है। अदालत ने कहा कि केजरीवाल को आगामी लोकसभा चुनाव तारीखों के बारे में भी पता होना चाहिए था जो मार्च 2024 के महीने में घोषित होने की संभावना थी। इसका जिक्र आप नेता ने समन के अपने जवाबों में भी किया है। केजरीवाल को यह भी पता होगा कि लोकसभा चुनाव घोषित होने के बाद वे पहले से कहीं ज्यादा व्यस्त हो जाएंगे और जांच में शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके बावजूद उन्होंने न तो पीएमएलए की धारा 50 के तहत जारी समन को चुनौती दी और न ही अक्तूबर 2023 से जांच में शामिल हुए। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि पता होगा कि जांच में शामिल न होने के क्या परिणाम हो सकते हैं और यह कहां तक पहुंच सकता है।

सिंघवी ने तर्क दिया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय इस मामले में बहुत अहम है और याचिकाकर्ता को उनके द्वारा किए गए किसी अपराध के लिए नहीं, बल्कि केवल विपक्षी दल का नेता होने के कारण गिरफ्तार किया गया है। सिंघवी ने इस बात पर भी जोर दिया कि वर्तमान मामले में 2022 से जांच किए जाने के बावजूद केजरीवाल को जानबूझकर 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया ताकि वह आम चुनाव 2024 में भाग न सकें। इससे न केवल उनके व्यक्तिगत अधिकार का उल्लंघन हुआ, बल्कि निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनाव कराने के बड़े मुद्दे को भी खतरा हुआ।

इन दलीलों पर न्यायालय ने कहा कि कि केजरीवाल ने गिरफ्तारी के समय यानी 2024 के आम चुनावों की शुरुआत से ठीक पहले अपनी गिरफ्तारी को भी चुनौती दी है। इसलिए सबसे पहले इस मामले में जांच के दौरान अरविंद केजरीवाल के आचरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा। अदालत ने कहा कि केजरीवाल को आम चुनावों की घोषणा के बाद या आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पहली बार नहीं बुलाया गया था, बल्कि पहला समन उन्हें अक्टूबर 2023 में भेजा गया था। यह अरविंद केजरीवाल खुद ही थे जिन्होंने जांच में शामिल नहीं होने का फैसला किया था, लेकिन उन्होंने सभी समन का जवाब भेजा था। न्यायालय ने इसे जांच एजेंसी के साथ आप नेता का असहयोग बताया और कहा कि जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि वह नौ समन दिए जाने के बावजूद जांच में शामिल होने में विफल रहे।

जन्मोत्सव पर किरणें करेंगी राम लला का सूर्य तिलक

अयोध्या, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। इस वर्ष की रामनवमी कई मायनों में खास होने वाली है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला नवरात्रि है। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम नवमी की खास तैयारी की है। रामनवमी को राम जन्मोत्सव के दिन रामलला का सूर्य तिलक भी किया जाएगा। 17 अप्रैल को दोपहर में ठीक 12:00 बजे राम लला का सूर्य अभिषेक किया जाएगा। इसके लिए खास तैयारी की गई है। सूर्य तिलक का ट्रायल भी सफल हो चुका है।

सूर्य तिलक के लिए आईआईटी रुड़की सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक खास ऑप्टो मैकेनिकल सिस्टम तैयार किया है। इसमें मंदिर के सबसे ऊपरी तल (तीसरे तल) पर लगे दर्पण पर ठीक दोपहर 12 बजे सूर्य की किरणें पडेंग़ी। दर्पण से 90 डिग्री पर परावर्तित होकर ये किरणे एक पीतल के पाइप में जाएंगी। पाइप के छोर पर एक दूसरा दर्पण लगा है। इस दर्पण से सूर्य किरणें एक बार फिर से परावर्तित होंगी और पीतल की पाइप के साथ 90 डिग्री पर मुड़ जाएंगी।

दूसरी बार परावर्तित होने के बाद सूर्य किरणें लंबवत दिशा में नीचे की ओर चलेंगी। किरणों के इस रास्ते में एक के बाद एक तीन लेंस पड़ेंगे, जिनसे इनकी तीव्रता और बढ़ जाएगी। लंबवत पाइप जाती है।

लंबवत पाइप के दूसरे छोर पर एक और दर्पण लगा है। बढ़ी हुई तीव्रता के साथ किरणें इस दर्पण पर पड़ेंगी और पुन: 90 डिग्री पर मुड़ जाएंगी। 90 डिग्री पर मुड़ी ये किरणें सीधे राम लला के मस्तक पर पड़ेंगी। इस तरह से राम लला का सूर्य तिलक पूरा होगा।

सूर्य किरणों का यह तिलक 75 मिमी का गोलाकार रूप में होगा। दोपहर 12 बजे सूर्य किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी।

नरंतर चार मिनट तक किरणें रामलला के मुख मंडल को प्रकाशमान करेंगी। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रीराम लला का सूर्य तिलक करने की तैयारी संपूर्ण परिश्रम से हो रही है। संभव है कि राम नवमी पर वैज्ञानिकों का प्रयास फलीभूत हो जाए। तकरीबन 100 एलईडी स्क्रीन के माध्यम से इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

सूर्य तिलक तय समय पर हो इसके लिए इस सिस्टम में 19 गियर लगाए गए हैं। ये गियर्स सेकंडों में दर्पण और लेंस पर किरणों की चाल बदलेंगे। ये पूरा सिस्टम बिना बिजली के काम करेगा। विशेष सूर्य तिलक के निर्माण में सूर्य के पथ को लेकर तकनीकी मदद बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) से ली गई है। बेंगलुरु की कंपनी ऑप्टिका के एमडी राजेंद्र कोटारिया ने लेंस और ग्रास ट्यूब तैयार किया है। उन्होंने ही इसे इंस्टॉल भी किया। सीबीआरआई की टीम का नेतृत्व डॉ. एसके पाणिग्रही के साथ डॉ आरएस बिष्ट, कांति लाल सोलंकी, वी चक्रधर, दिनेश और समीर ने किया है।

सूर्य तिलक मैकेनिज्म का उपयोग पहले से ही कुछ जैन मंदिरों और कोणार्क के सूर्य मंदिर में किया जा रहा है। हालांकि, उनमें अलग तरह की इंजीनियरिंग का प्रयोग किया गया है। राम मंदिर में भी मेकेनिज्म वही है, लेकिन इंजीनियरिंग बिलकुल अलग है। निर्धारित समय पर तिलक करना बड़ी चुनौती थी। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन रामलला के वस्त्र बदले गए। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुताबिक 22 जनवरी को हुई प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार प्रभु के वस्त्रों की शैली को बदला गया है। भगवान के नए वस्त्र मयूर व अन्य वैष्णव चिह्नों को रंग-बिरंगे रेशम के साथ-साथ असली तारों से काढ़ा गया है। यह वस्त्र खादी कॉटन से निर्मित है। इन पर असली चांदी और सोने की हस्त-छपाई की गई है। छपाई में प्रयोग किए हुए सभी चिह्न वैष्णव पद्धति के हैं।

समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र जारी

मुफ्त की रेवड़ी बांटने में आगे निकलने की कोशिश

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। घोषणा पत्र के जरिए सपा ने जनता के बीच मुफ्त की रेवड़ी बांटने की प्रतियोगिता में आगे निकलने की कोशिश की है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के सुझाव पर विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है।

सपा के घोषणापत्र में किए गए बड़े वादों में मनरेगा में मजदूरी बढ़ाने का वादा भी शामिल है। सपा ने मनरेगा में मजदूरी बढ़ाकर 450 रुपए करने का वादा किया है। सपा ने मनरेगा के तहत कार्य दिवस की संख्या बढ़ाने का वादा भी किया है।

सत्ता में आने पर मनरेगा के तहत कार्य दिवस के दिन 150 तक किए जाएंगे। घोषणा पत्र में सपा ने सभी सरकारी विभागों में खाली पड़े पद तत्काल भरने का वादा किया है। घोषणा पत्र के अनुसार, सभी के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति और मिशन रोजगार स्थापित होगा। घोषणा पत्र में सपा के युवाओं के लिए लैपटॉप वितरण योजना पूरे देश में लागू करने का भी वादा किया है। सपा ने पुलिस समेत सभी सरकारी विभागों की नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का वादा भी किया है। सपा ने लड़कियों के लिए बड़ा ऐलान किया है।

घोषणा पत्र के अनुसार, सपा की सरकार बनने पर केजी से पीजी तक लड़कियों को फ्री शिक्षा मिलेगी। संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने का वादा भी सपा ने किया है। सपा ने महिलाओं को डायरेक्ट कैश बेनिफिट का वादा भी किया है। सत्ता में आने पर गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को 3000 रुपए प्रति महीने तक की मासिक पेंशन मिलेगी। सपा ने जातिगत जनगणना कराने का वादा किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि इसमें देर नहीं होनी चाहिए। सत्ता में आने पर साल 2025 तक जातीय जनगणना कराई जाएगी।

मुफ्त राशन योजना में मिलने वाले गेहूं की जगह आटा देने का सपा ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया है। यह आटा पोष्टिकता और गुणवत्ता के मामले में अच्छा होगा। गुणवत्ता के मामले में आटा देश की सबसे अच्छी कंपनियों के मुकाबले का रहेगा। सपा ने एक और बड़ा वादा किया है। घोषणा पत्र के अनुसार, सत्ता में आने पर राशन कार्ड धारक हर फैमिली को 500 रुपए का मोबाइल डेटा मुफ्त भी मिलेगा। मुफ्त डेटा से डिजिटल सम्पन्न बनाम डिजिटल विपन्न में डिजिटल डिवाइड का अंतर नहीं रहेगा।

मतभेद और मनभेद सुलझाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। करीब एक दशक बाद भाजपा कार्यकर्ताओं फिर से विरोधी तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। कहीं टिकट वितरण को लेकर, तो कहीं उपेक्षा को लेकर नाराजगी है। अपनों के मतभेद और मनभेद सुलझाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है।

वर्षों से पार्टी के लिए जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं में सरकार बनाने को लेकर उत्साह तो है, पर कुछ बातों को लेकर मलाल भी है। जो वजहें सामने आ रही हैं, उसके मुताबिक जब भी आगे बढ़ने का मौका आता है, तो उन्हें पीछे धकेल दिया जाता है। हाल ही में बरेली और घोसी में हुआ वाकया ताजा उदाहरण है। यहां आपसी अंतर्कलह का खुलासा तो खुद प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार ने ही सार्वजनिक रूप से कर दिया। वहीं, घोसी में भाजपा स्थानीय पदाधिकारियों ने सहयो सुभासपा के प्रत्याशी अरविंद राजभर खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्हें मनाने के लिए राजभर को घुटनों पर आकर माफी मांगनी पड़ी। अंतर्कलह की आग सिर्फ इन्हीं दो सीटों पर ही सुलग रही है ऐसा भी नहीं है। कई सीटों पर कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। टिकट कटने से खफा सांसद और उनके समर्थक उनकी नाराजगी को हवा दे रहे हैं।

कई जगहों पर टिकट वितरण में उपेक्षा से आहत जातीय संगठन भी संकट खड़ा करने में जुटे हुए हैं। वहीं, मुजफ्फरनगर में पार्टी के ही विधायक भाजपा प्रत्याशों का विरोध कर रहे हैं। ऐसे ही मेरठ, गाजियाबाद, फतेहपुर सीकरी, पीलीभीत, चंदौली, गाजीपुर, बाराबंकी जैसी कई सीटों पर अंतर्कलह की बातें सामने आ रही हैं। वहीं, पीलीभीत में वरुण गांधी का टिकट कटने से सिख समुदाय खुलेआम नाराजगी जाहिर कर चुका है।

अभी तक भाजपा ने अपने कोटे की 75 सीटों में से 63 पर ही प्रत्याशी उतारे हैं। इनमें से गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, पीलीभीत, कानपुर, बदायूं, बाराबंकी, हाथरस और बहराइच के सांसदों के टिकट कटे हैं। हालांकि बहराइच सीट से सांसद अक्षयबर लाल गोंड का टिकट काटा तो उनके बेटे को ही मैदान में उतार दिया। पर, बाकी आठ सीटों पर टिकट कटने से नाराज समर्थक विरोधी स्वर को हवा दे रहे हैं। वहीं, 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारने में हो रही देरी के पीछे भी अंदरूनी खींचतान को ही वजह बताया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी के बीज प्रदेश संगठन के पुनर्गठन के समय ही पड़ गए थे। राज्य, क्षेत्र और जिला स्तर पर हुई पदाधिकारियों की नियुक्ति में अपनी अनद-ेखी से पुराने कार्यकर्ता तभी से नाराज बैठे हैं। ये लोग चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

सिपाही भर्ती पेपर लीक कांड का दूसरा मास्टरमाइंड भी गिरफ्तार

यूपी एसटीएफ ने रवि अत्री को धर दबोचा

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक कांड के दूसरे मास्टरमाइंड रवि अत्री को यूपी एसटीएफ की टीम ने बुधवार को गौतमबुद्धनगर के थाना जेवर के बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ को उसके पास से तीन प्रश्न पत्र, एक मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव और एक मेट्रो पास बरामद हुआ है। रवि अत्री ने सिपाही भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्रों को ट्रंक बॉक्स खोलकर उसमें से पेपर निकालकर लीक किया था।

सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने परीक्षा निरस्त कर दी थी और पूरे मामले की जांच यूपी एसटीएफ को सौंपी गई थीं। मामले में अब तक कई गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। मुख्य आरोपी राजीव नयन मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि मामले का मुख्य आरोपी रवि अत्री जेवर थाना क्षेत्र के बस स्टेशन पर आने वाला है। इस पर एसटीएफ की टीम ने आवश्यक बल प्रयोग कर उसे बस स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

रवि अत्री ने एसटीएफ को बताया कि वर्ष 2006 में गौतमबुद्धनगर के एक इंटर कॉलेज से 12वीं की परीक्षा में पास होने के बाद वह मेडिकल की तैयारी के लिए कोटा, राजस्थान गया था और वहीं परीक्षा माफियाओं के संपर्क में आ गया और विभिन्न परीक्षाओं में सॉल्वर बनकर बैठने लगा। वर्ष 2012 में नीट पीजी की परीक्षा का पेपर लीक करने के मामले में दरियागंज क्राइम ब्रांच दिल्ली से वह जेल भेजा गया था और इसी वर्ष एसबीआई की परीक्षा का पेपर आउट कराने में थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली से जेल गया था। वर्ष 2015 में वह एआईपीएमटी का पेपर आउट कराने में थाना पीजीआईएमएस रोहतक, हरियाणा से अपने साथियों के साथ जेल गया था।

राममंदिर में सोने की अनोखी रामायण के भी होंगे दर्शन

अयोध्या, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। राम मंदिर में श्रद्धालु अब सोने की अनोखी रामायण के भी दर्शन कर सकेंगे। गर्भगृह में इस रामायण को विधि विधान पूर्वक स्थापित कर दिया गया है। ये खास रामायण मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस सुब्रमण्यम लक्ष्मीनारायणन और उनकी पत्नी सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट की है। मंगलवार को नवरात्र के प्रथम दिन इस रामायण की स्थापना के दौरान लक्ष्मी नारायण अपनी पत्नी के साथ मौजूद रहे।

इसका निर्माण चेन्नई के प्रसिद्ध वुममिडी बंगारू ज्वेलर्स ने किया है। रामायण को गर्भगृह में

रामलला की मूर्ति से सिर्फ 15 फीट की दूरी पर एक पत्थर के आसन पर रखा गया है। इसके शीर्ष पर चांदी से बना राम का पट्टाभिषेक है। इस दौरान राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव, पुजारी प्रेमचंद त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

इस विशेष प्रतिकृति का प्रत्येक पृष्ठ तांबे से बना 14 गुणे 12 इंच आकार का है। जिस पर राम चरित मानस के श्लोक अंकित हैं। 10,902 छंदों वाले इस महाकाव्य के प्रत्येक पृष्ठ पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ी है। गोल्डन प्रतिकृति में लगभग 480-500 पृष्ठ हैं और यह 151 किलोग्राम तांबे और 3-4 किलोग्राम सोने से बनी है। प्रत्येक पृष्ठ तीन किलोग्राम तांबे का है। धातु से बनी इस रामायण का वजन 1.5 क्विंटल से अधिक है।

भाजपा ने सात सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

नोएडा, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की 10वीं लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में नौ प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। चंडीगढ़ के अलावा उत्तर प्रदेश की सात और पश्चिम बंगाल की एक लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

यूपी की चर्चित सीटों में से एक मैनपुरी से भी भाजपा ने प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने इस सीट से योगी सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ठाकुर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उनका सीधा मुकाबला सपा सांसद और प्रत्याशी डिंपल यादव से होगा। 2022 के विधानसभा

चुनाव में जयवीर ने मैनपुरी की सदर विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। वर्तमान में वह योगी सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री हैं।

प्रयागराज की दोनों सीटों पर भाजपा ने नए उम्मीदवारों को मौका दिया है। इलाहाबाद सीट से मौजूदा सांसद रीता बहुगुणा जोशी का टिकट काट दिया गया है। उनकी जगह इलाहाबाद सीट से नीरज त्रिपाठी को भाजपा ने टिकट दिया है। नीरज त्रिपाठी पूर्व राज्यपाल और यूपी विधानसभा के अध्यक्ष रहे केशरी नाथ के पुत्र हैं। इसके अलावा फूलपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद केसरी देवी पटेल का टिकट भी कट गया है। उनकी जगह प्रवीण पटेल को भाजपा ने मैदान में उतारा है। प्रवीण पटेल अभी फूलपुर सीट से विधायक हैं।

इसके अलावा, कौशांबी लोकसभा सीट से भाजपा ने एक बार फिर विनोद सोनकर पर भरोसा जताया है। भाजपा ने मौजूदा सांसद सोनकर को टिकट दिया है। इसके अलावा मछलीशहर से बीडी सोनकर को टिकट दिया है। गाजीपुर सीट से माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल के सामने भाजपा ने पारस नाथ राय को उतारा है। अफजाल अंसारी मौजूदा सांसद हैं, इस उन्हें सपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने यूपी की सात सीटों पर जिन उम्मीदवारों का ऐलान किया है उनमें मैनपुरी लोकसभा सीट से जयवीर ठाकुर, फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल, इलाहाबाद लोकसभा सीट से नीरज त्रिपाठी, कौशाम्बी लोकसभा सीट से विनोद सोनकर, बलिया सीट से नीरज शेखर, मछलीशहर सीट से बीपी सरोज और गाजीपुर सीट से पारसनाथ राय शामिल हैं।

नेचर्स गिफ्ट

बिना साइड इफेक्ट उठाएं अर्जुन के पेड़ के लाभ...

अर्जुन का पेड़ आयुर्वेद में काफी ज्यादा प्रयोग होता है। इसमें कई तरह के गुण होते हैं, जिसकी वजह से इसे दवाइयों में डाला जाता है। अर्जुन के पेड़, फल, पत्तियों और जड़ों को कई बीमारियों को दूर करने के लिये प्रयोग करते हैं। इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है, इसलिये इसे आजमाने में हिचकिचाएं नहीं।

मुंह की बीमारियां दूर करे: यदि अर्जुन के पेड़ की छाल के पावडर को तिल के तेल के साथ मिला कर रोज़ कुल्ला किया जाए, तो मुंह के फोड़े और अल्सर ठीक हो जाते हैं। इससे कैविटी, मसूड़ों की समस्या, संक्रमण, ब्लीडिंग, दांत दर्द और मुंह की बदबू दूर होती है।

चेहरे की झाइयां मिटाए: अर्जुन के छाल के पावडर में थोड़ा सा शहद लगाएं और हफ्ते भर तक चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा बिल्कुल साफ नजर आती है।

दिल की धड़कन होगी नार्मल: 1 चम्मच अर्जुन के छाल के पावडर को 1 गिलास टमाटर के जूस में डालें और पी लें। इससे यदि दिल की धड़कने तेज हैं, तो वो नॉर्मल हो जाएंगी।

रक्तपित्त: सुबह अर्जुन की छाल क काढ़ा बनाकर पीने से रक्तपित्त दूर हो जाता है। यदि हड्डी टूट जाए तो, 1 कप दूध में 1 चम्मच अर्जुन के छाल का पावडर मिला कर दिन में तीन बार पियें। इससे हड्डियों में ताकत आती है और जल्द ही हड्डी जुड़ जाती है। आप चाहें तो छाल के पावडर को घी के साथ मिक्स कर के जहां हड्डी टूटी हैं, वहां पर लगा कर बैंडेज बांध सकते हैं। रोजाना 40 एम एल अर्जुन के छाल का काढ़ा पियें। इस काढ़े से पेशाब की रुकावट दूर हो जाती है।

हेल्थ नॉलेज

मलेरिया से सुरक्षा करता है एनीमिया...

एनीमिया आपके बच्चे की मलेरिया से सुरक्षा कर सकता है, ये बात एक नई स्टडी में सामने आई है। इस स्टडी के मुताबिक एनीमिया से पीड़ित बच्चे का आयरन सप्लीमेंट्स से इलाज आयरन की कमी के इस सुरक्षात्मक प्रभाव को खत्म कर सकता है। रिसर्चर्स ने साबित किया कि आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया वास्तव में बच्चों की प्लाजमोडियम फैल्सीपेरम मलेरिया के ब्लड-स्टेज से सुरक्षा करता है और एनीमिया का आयरन सप्लीमेंट्स से इलाज इस सुरक्षात्मक प्रभाव को खत्म करता है। रिसर्चर्स ने मिलकर गैम्बिया के मलेरिया महामारी वाले क्षेत्र के 6 से लेकर 24 महीने के बच्चों में एनीमिया पीड़ित 135 बच्चों में लाल रक्त कोशिकाओं (रेड ब्लड सेल) का अध्ययन किया।

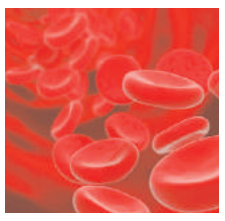

माइक्रोन्यूट्रिएंट पाउडर: बच्चों को 84 दिनों तक आयरन सप्लीनेंटेशन ट्रायल के तहत माइक्रोन्यूट्रिएंट पाउडर द्वारा 84 दिनों तक आयरन दिया गया। उनकी लाल रक्त कोशिकाओं का विश्लेषण 49वें और 84वें दिन किया गया। हमारे नतीजों की एनीमिया ब्लड-स्टेज मलेरिया के खिलाफ प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करता है से हमें ये दिलचस्प परिकल्पना करने का मौका मिला कि अफ्रीकी मूल के लोगों में एनीमिया का व्यापक प्रसार मलेरिया का एक जेनेटिक लक्षण हैं।

एनीमिया, आयरन सप्लीमेंटेशन: ये नई रिसर्च इस बात का प्रमाण है कि आयरन सप्लीमेंटेशन पी फैल्सीपेरम मलेरिया के खतरे को बढ़ाती है और आयरन सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम द्वारा मलेरिया रोगनिरोध के प्रयोग के लिए समर्थन प्रदान करता है। खासकर गंभीर स्टेज में, लाल रक्त कोशिका संबंधी रिकवरी के शुरुआती चरण में। ये स्टडी एनीमिया, आयरन सप्लीमेंटेशन और मलेरिया के खतरों के संबंधों पर रोशनी डालती है।

इसलिए जरूरी है ब्रश करना

सुबह बिस्तर छोड़ते ही हमारा सबसे पहला काम ब्रश करना ही होता है। बचपन से लेकर बुढ़ापे तक दांतों की सफाई व ताजगी के लिए ब्रश करना हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। यादाश्त को दुरुस्त रखने में भी दांतों की सफाई जरूरी है।

रिश्तों में अपेक्षाएं

अपेक्षाओं का दायरा: आपकी अपेक्षाएं कितनी हैं और कितनी रियल स्टिक हैं, इस बात पर ध्यान जरूर दें। अपनी परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति व अपने रिश्तों की सीमाएं पहचानें और उन्हीं के आधार पर अपनी अपेक्षाएं रखें।

2)दूसरों को देखकर अपनी हदें तय न करें: कभी भी दूसरों की जिंदगी के आधार पर अपनी अपेक्षाएं न बढ़ाए । हमें दूसरों की जिंदगी आकर्षक लगती है, लेकिन सबकी जिंदगी में अपनी-अपनी परेशानियां व सबके अपने- अपने दायरे होते हैं।

3)दूसरों की भी अपेक्षाओं का ख्याल रखें: हमें क्या चाहिए, हमसे लोग कैसा व्यवहार करते हैं, हमें लोग क्या देते हैं। ऐसी बहुत-सी बातें हैं। जिन पर हमारा ध्यान अधिक रहता है बजाय इसके कि हमने क्या दिया, हमने कैसा व्यवहार किया या हम दूसरों की अपेक्षाओं पर कितने खरे उतरते हैं। जिस तरह के व्यवहार की अपेक्षा हम दूसरों से करते हैं, हमें खुद भी उनके साथ उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि जिस तरह हम उनसे अपेक्षाएं रखते हैं, उसी तरह वो भी हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। क्या हम अपने कंफर्ट जोन से निकलकर अपनों के लिए कुछ एक्स्ट्रा करते हैं? अगर नहीं, तो इस पर हमें सोचना होगा।

4)कुछ एक्स्ट्रा करें: रिश्तों में गर्माहट बनी रहे, आपस में प्यार-मुहब्बत बना रहे, इसके लिए जरूरी है थोड़ा एक्स्ट्रा एफर्ट। अपनों के लिए कभी-कभार उनकी अपेक्षाओं से कुछ अधिक भी कर दिया करें. इससे उन्हें खुशी मिलेगी। अनपेक्षित रूप से जब कुछ मिल जाता है, तो उसकी खुशी भी अलग ही होती है।

5)अपेक्षाओं के ओवरडोज से बचें: कुछ एक्स्ट्रा करके अपनों की अपेक्षाएं अक्सर बढ़ने लगती हैं, लेकिन यह ध्यान रखें कि आप इसकी आदत न डालें, वरना उस एक्स्ट्रा एफर्ट को लोग आपकी ड्यूटी समझने लगेंगे और जब कभी आप इसे पूरा करने में चूकेंगे, तो उन्हें लगेगा कि आप अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। इसी तरह से आप भी अपनी अपेक्षाओं का दायरा थोड़ा-सा सीमित ही रखें, यदि कोई आपके लिए एक्स्ट्रा एफर्ट लेकर कुछ कर रहा है, तो हमेशा उससे यही उम्मीद न लगाकर बैठें,अगर किन्हीं कारणों से कोई आपकी अपेक्षाओं पर उतना खरा नहीं उतर पा रहा, तो उसकी परेशानियों व परिस्थितियों को समझने का प्रयास करें। खुद को उसकी जगह पर रखकर सोचें, इस तरह रिश्ते हमेशा सकारात्मक बने रहेंगे और उनमें तकरार की संभावनाएं भी कम होंगी।

औरतों से ज्यादा इन कामों में परफैक्ट हैं मर्द

औरतों को पुरूषों का काम अलग-अलग होता है। शुरू से ही यहीं माना जाता है कि महिलाएं ही घर को आसनी से संभाल सकती हैं। ऐसा नहीं है कि मर्द घर का काम नहीं कर सकते बल्कि वह औरतों से भी अच्छा काम करते हैं। आपकी पत्नी भी अगर इस बात को लेकर अक्सर ताने देती है तो ये जान लें कि आपने कामों से किस तरह उसको खुश कर सकते हैं।

1. सोच समझ कर करें खर्च

बीवी को होम मिनिस्टर का खिताब दिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि कम पैसों में घर का खर्च सिर्फ औरतें ही कर सकती हैं। आपको ज्यादा जेब खर्ची की आदत है तो थोड़ा संभल जाएं। आप पत्नी से बड़ी यह खिताब जीत सकते हैं।

2. शॉपिंग में पति करते हैं बचत

आप शॉपिंग के मामले में खुद को स्मार्ट समझ ही है तो जरा पति देव की खरीदारी पर भी ध्यान दें। मर्द हमेशा सोच समझ कर खरीदारी करते हैं।

3. पैकिंग

कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो सूटकेस पैक करने का काम पति को सौंपे। ज्यादातर महिलाएं यह मानती हैं कि उनके पति बेहतर तरीके से सामान पैक करते हैं।

4. अच्छे शैफ भी हैं पति

किचन में पत्नी तो रोज खाना बनाती हैं लेकिन जिस दिन लजीजदार खाना खाने का मन करे तो पति से कुकिंग की फरमाइश करें। आप खुद हैरान रह जाएंगी कि रसोई के काम में वो आपको भी मात दे सकते हैं।

हेल्थ सीक्रेट

दांतों से टार्टर की परत हटाने के घरेलू नुस्खे...

शराब, गुटका, पान, तम्बाकू, सिगरेट आदि जैसी गलत चीजों और चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स के ज्यादा सेवन से दांत खराब हो जाते हैं और डेंटन पर एक परत जम जाती है। यह टार्टर की लेयर दांतों की चमक कम करने के साथ-साथ कई रोगों का कारण भी बन सकती है और दांतों की जड़ को कमजोर कर देती है। यहां तक उम्र के साथ कई बार दांतों पर इनेमल की परत जमती चली जाती है जिसके कारण दांत पीले हो जाते हैं। अगर आपके दांतो में टार्टर की लेयर आ गई है, और उसे हटाने के लिए आप डेंटिस्ट के पास जाने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताएंगे जिससे आप अपने घर पर खुद ही डेंटिस्ट बन कर टार्टर को हटा सकते हैं।

मुंह के बैक्टीरिया

इसके अलावा आमतौर पर हमारे मुंह में बैक्टीरिया रहते हैं, जब हम खाना खाते हैं और खाने के बाद कुल्ला या ब्रश नहीं करते तो खाने के कुछ कण मुंह में रह जाते हैं। ऐसे में खाने के 20 मिनटों के अंदर ही बैक्टीरिया खाने के कणों खासकर मीठी या स्टार्च वाली चीजों को एसिड में बदल देते हैं। बैक्टीरिया वाला यह एसिड और मुंह की लार मिलकर एक चिपचिपा पदार्थ प्लाक बनाते हैं। यह कुछ दांतों पर चिपक जाता है। अगर काफी दिनों तक उन दांतों की ढंग से सफाई न की जाये तो यह प्लाक सख्त होकर टार्टर बन जाता है और दांतों व मसूड़ों को खराब करने लगता है। वैसे तो आज-कल डेंटल चिकित्सा ने काफी तरक्की कर ली है और डेंटल ब्लीचिंग से टार्टर को हटाया जा सकता है। लेकिन जब घर में ही मौजूद चीजों से इसे हटाया जा सकता है तो फिर डेंटिस्ट के पास जाने की क्या जरूरत है।

घरेलू नुस्खे की सामग्री

- बेकिंग सोडा
- हाइड्रोजन पेरोक्साइड
- टूथ ब्रश
- डेंटल पिक
- पानी
- नमक
- माउथ वॉश

इस्तेमाल करने की विधि

एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा चम्मच नमक को मिक्स करके, इस पेस्ट को ब्रश पर लगाकर 5 मिनट तक अच्छी तरह से दांतों पर ब्रश करें। फिर एक कप हाइड्रोजन और आधा कप गुनगुना पानी मिक्स करें और इस पेस्ट से 1 मिनट तक माउथ वॉश करें। अब डेंटल पिक से दांतों के टार्टर को अच्छी तरह से रब करें। लेकिन ध्यान रहें कि आप अपने मसूड़ों को न रगड़ें। रोजाना इस उपाय को दूर करने के लिए आपके दांतों से टार्टर की लेयर हट जाएगी और आपको डेंटिस्ट के पास जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी! तो देर किस बात की आज ही ट्राई करें। दांतों से टार्टर की लेयर हटाने के लिए भी बेकिंग सोडा एक कारगर प्रोडक्ट है। लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल से बचना चाहिए। 2008 में जर्नल ऑफ क्लीनीकल डेंटिसिट्री में छपे एक शोध के अनुसार, इसमें अल्काइन सब्सटेंस में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मौजूद होते हैं।

साइटिका पेन से छुटकारा दिलाएगा लहसुन का दूध...

साइटिका एक ऐसा दर्द है जो अधिकांश लोंगो को हो जाता है। इसमें कमर से ले कर पैर की नसों तक दर्द होता है, जिसे सियाटिक नर्व कहते हैं। कभी कभी तो यह दर्द पैरों तक चला जाता है। साइटिका का दर्द किसी को भी हो सकता है। अच्छी बात तो यह है कि इस बीमारी का एक घरेलू उपचार उपलब्ध है, जिसकी रेसिपी काफी पुरानी है। साइटिका के दर्द को दूर करने के लिये लहसुन का दूध एक आम उपचार माना गया है। इस उपचार से सियाटिक नसों में आई हुई सूजन और दर्द कम होगी और आराम मिलेगा। आज इस आर्टिकल में हम आपको इसके गुणों के बारे में बताएंगे और सिखाएंगे कि आप इसे घर पर कैसे बना सकते हैं।

भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट

साइटिका के दर्द को दूर करने के लिये गार्लिक मिल्क पीने का फायदा लहसुन का दूध एक प्राकृतिक पेय है, जो कई सालों से आंत के परजीवी को मारने तथा वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण से लड़ने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। यह पेय नसों के दर्द में भी आराम दिलाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। गार्लिक के दूध में जरुरी पोषण जैसे, विटामिन मिनरल, पॉलीसैक्राइड्स, प्रोटीन, फ्लेवोनॉइड्स और एंजाइम्स होते हैं। इन फायदों से शरीर में बैक्टीरिया द्वारा हुए असंतुलन से जो सूजन आई हुई होती है, उसका उपचार किया जाता है।

बनाने का तरीका

आइये जानते हैं लहसुन का दूध तैयार कैसे किया जाता है लहसुन की बड़ी बड़ी कलियां लें और उसे या तो पीस लें या फिर उसे छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर उसे एक गिलास दूध में उबाल लें। इससे लहसुन का अर्क दूध में मिल जाएगा। आप चाहें तो दूध में थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं, लेकिन इससे दूध का स्वाद नहीं बदलेगा। काफी सारे लोग गाय के दूध का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप को दूध पीने से गैस बनती है या अन्य तकलीफ होती है, तो आप चावल, बादाम या सोया मिल्क का भी प्रयोग कर सकते हैं। सामग्री- 5 लहसुन की कलियां 1 कप (250 द्रव्य) दूध 2 चम्मच (50 द्र) शहद बनाने की विधि - सबसे पहले लहसुन को छील कर पीस लें या फिर बारीक काट लें। फिर दूध में लहसुन मिलाएं और 15 मिनट तक पकाएं। यदि आप लहसुन को उबालना नहीं चाहते तो, दूध गरम कर के उसमें पिसी लहसुन को मिला दें और 2 घंटे के लिये उसी में रहने दें। इससे लहसुन अपना अर्क दूध में छोड देगा। कैसे पियें- साइटिका के दर्द से तुरंत राहत चाहिये तो इसे रोज़ एक कप (250 एम एल) पियें। अगर यह आपके लिये बहुत ज्यादा हो तो, पेय को बांट लें और थोड़ी थोड़ी देर पर पियें। इसे तब तक पियें जब तक कि दर्द से राहत ना मिल जाए।

घर संसार

कॉकरोच ने कर रखा है परेशान तो करें ये उपाय

गर्मिया शुरू होते ही घर में कॉकरोच आने शुरू हो जाते है। इनसे साफ-सुथरा घर इतना गंधा और कीटाणुओं से भर जाता है कि बीमारियों के फैलने की आंशका बढ़ जाती है। इन्हें दूर भगाने के लिए बाजार में महंगे से महंगे स्प्रे और चॉक मिलते हैं लेकिन इन चीजों के इस्तेमाल से भी यह घर से बाहर नहीं निकलते। यह परेशानी आपको हर घर में आम देखने को मिलेगी। इस परेशानी को दूर करने के लिए आपको कुछ ज्यादा करने की जरूरत नहीं बल्कि आप अपनी किचन की ही इस्तेमाल करने वाली चीजों से इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

1. लौंग : तेज गंध वाला लौंग भी कॉकरोचों को भगाने के लिए एक अच्छा उपाय है। किचन के ड्राजरों और स्टोर रूम की अलमारियों में लौंग की कुछ कलियों को रख देने से कॉकरोच भाग जाते हैं।

2.पुदीना : ताजा पुदीने की पत्तियों को एक पालीबैग में डाले। अब उन्हें उस जगह पर रखे जहाँ आपको ज्यादा कॉकरोच दिखाई देते है। कुछ दिनों एक बाद इन पत्तो को बदलते रहे।

3. बेकिंग पाउडर और चीनी : एक कटोरे में बराबर मात्रा में बेकिंग पाउडर और चीनी मिलाएं और उस कटोरे को वहां पर रखें यहां पर कॉकरोच अधिक मात्रा में हो।10-15 दिनों में इस सोडे को बदलती रहें क्योंकि नमी की वजह से इसकी महक चली जाएगी।

4.अण्डे केछिलके : अगर आप अण्डा खाते हैं तो अण्डा खाने के बाद उसके छिलके को ना फेंकें क्योंकि यह कॉकरोच को भगाने के काम आ सकते हैं। खाली अण्डे के छिलको को किचन कैबिनेट या शैल्फ पर रख दें, इससे कॉकरोच किचन में नहीं आएंगे।

5. केरोसिन ऑयल : केरोसिन ऑयल के इस्तेमाल से भी कॉकरोच भाग जाते हैं लेकिन इसकी बदबू बहुत तेज होती है। सोच समझकर ही इसका इस्तेमाल करें।

6.रेडवाइन :यहां पर कॉकरोच सबसे ज्यादा रहते हों वहां पर एक कटोरी में 1/3 रेड वाइन डालकर रख दीजिए।

7. खीरा : गर्मियों में खीरे का खूब इस्तेमाल होता है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि खीरे की गंध कॉकरोचों को दूर भगाती है।

8.कॉफी : कॉकरोच भगाने का यह काफी असरदार तरीका है। बस छोटी-छोटी प्लेट्स या कटोरी में कॉफी के दाने घर के कोनों में रख दें।

रेसिपी

तवा पुलाव

सम्रागी

500 ग्राम चावल (उबले हुए), 4 टमाटर (बारीक कटे हुए), 2 उबले आलू (कटे हुए), 2 प्याज (बारीक कटा हुआ), 50 ग्राम हरी मटर, 1 शिमला मिर्च (बारीक कटा हुआ), 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1 छोटा चम्मच जीरा, 4 बड़े चम्मच तेल, 1/3 हरा धनिया (बारीक कटा हुआ), 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादनुसार

विधि

सबसे पहले एक बड़े तवे में तेल गरम करें। उसके बाद इसमें जीरा और प्याज डाल कर इसे अच्छी तरह भूनें। प्याज के लाल होने के बाद अदरक लहसुन का पेस्ट भी डाल दें। मिश्रण को 1 से 2 मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें मटर और शिमला मिर्च डाल कर इस दोबारा भूनें। इसके बाद इसमें टामटर डाल कर मिश्रण को अच्छी तरह 2-3 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें लाल मिर्च, हल्दी और आलू डालकर इसे 2 से 3 मिनट के लिए और पकाएं। अब पाव भाजी मसाला डाल कर 2 मिनट के लिए ढककन से ढाक दें। इसके बाद इसमें चावल और नमक डालकर पूरे मिश्रण को अच्छी से मिला लें। आखिरी में गरम मसाला और हरा धनिया डाल कर चावल को 2 से 3 मिनट के लिए पकने दें ताकि गरम मसाला का टेस्ट चावल में अच्छी तरह आ जाए। आपका गरमा गरम तवा पुलाव तैयार है।

वैनिला स्पोंज केक

सामग्री

1 1/4 कप मैदा, 1 1/2 टी-स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 टी-स्पून बेकिंग सोडा, 3/4 कप कन्डेन्स्ड मिल्क, 4 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्ख़न, 1 टी-स्पून वैनिला ऐसेन्स, पिघला हुआ मक्ख़न , चुपड़ने के लिए, मैदा, डस्ट करने के लिए

विधि

मैदा, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा को मिलाकर छान लें। एक तरफ रख दें। एक 175 मिमी (7) व्यास के केक टिन को पिघले हुए मक्ख़न से चुपड़ लें, मैदा से डस्ट कर लें और आटे को अच्छी तरह फैला लें। हिलाकर अत्यधिक आटा निकाल लें। कन्डेन्स्ड मिल्क, पिघले हुए मक्ख़न और वैनिला ऐसेन्स् को एक गहरे बाउल में स्पैच्यूला का प्रयोग कर अच्छी तरह मिला लें। छाना हुआ आटे का मिश्रण और 5 टेबल-स्पून पानी डालकर, स्पैच्यूला का प्रयोग कर हल्के हाथों मिला लें। घोल टपटने जितना गाढ़ा होना चाहिए। इस घोल को छुपड़े और डस्ट किये हुए 175 मिमी (7) व्यास के केक टिन में डालें। पहले से गरम अवन में 180°C (360°f) के तापमान पर 25 मिनट के लिए बेक कर लें। जब केक टिन के किनारे छोड़ दे और छुने पर स्प्रिंग जैसा लगे, इसका मतलब की आपका केक तैयार है। टिन को रैक के उपर पलटाकर थपथपाते हुए केक निकाल लें। ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें और ज़रुरत अनुसार प्रयोग करें।

संपादकीय

किसके हाथ, किसका खून

चुनाव में हिमाचली चरित्र फिर फंसा- फिर धंसा नजर आ रहा है, तो इसकी वजह छोटे राज्य की तासीर में पार्टियों के नेतृत्व में आ रहा खोट है। इस बार चरित्र का नया जाल बुनकर राजनीति कुछ गुनाह कर चुकी है और कई चुनावों की ओट में चल रहे हैं। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच भी संगठन की चारित्रिक पृष्ठभूमि का अंतर स्पष्ट है। बेशक भाजपा के हाथ कांग्रेस के खून से रंगे देखे जा सकते हैं, लेकिन जब घाव ही खुद किए हों तो लहू का रिसना कत्ल नहीं। सत्ता का चरित्र हिमाचल के आचरण से कहीं भिन्न होता जा रहा है, यह हम पिछली कुछ सरकारों के दौर से निरंतर देख रहे हैं, लेकिन इस बार बेडियां पहनाकर कत्ल हुए जिसकी जागीर में, वही कह रहा कि कानून को लूट लिया लुटेरों ने। सरकार के कठघरे में पहली बार कांग्रेस के ही बीज नजर आए, जो अब उगे तो खड़पतवार बन गए। सवाल छह विधायकों की जमीर का हमेशा रहेगा, इसलिए खरीद-फरोख्त की तोहमतें उछल रही हैं। हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे। दूसरी ओर पंद्रह करोड़ की राशि से अगर कोई विधायक बिक सकता है, तो यह वक्तव्य आगे चलकर घमासान मचा सकता है। इसे साबित करने की नौबत दिखाई देती है। क्या इन्हीं मुद्दों पर हिमाचल अब आगे बढ़ेगा या यह मान लिया जाए कि सियासत में यही चलेगा। कम से कम प्रचार के पहले चरण में ही कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री के बावजूद कहीं जख्म रिस रहे हैं। दर्द छह विधायक खोने का न भी हो, उपचुनावों में ताली बजाने का भी हो सकता है। आश्चर्य यह कि पक्ष का पहला विरोधी पक्ष कभी पार्टी के जिगर में तो रहा ही है। कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते छह विधायकों को कोस कर पार्टी कम से कम भाजपा को तो नहीं कोस रही। प्रहार का सारा मैदान अगर छह बागियों के चक्कर में खत्म हो गया, तो भाजपा 'तेरी खैर नहीं' कब कहा जाएगा। जो भी हो जनता में राजनीतिक घटनाक्रम से खिन्नता जरूर बढ़ रही है। अगर सरकार साबित कर दे कि 15 करोड़ में कोई बंदा बिका है, तो जनता की सजा तय है, लेकिन दूसरी ओर अदालती पचड़ों में बात आगे बढ़ती है, तो भी राज्य को झेलना पड़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में राज्य का चरित्र चौराहे पर है और आम नागरिक अपने ही मत पर अविश्वास प्रकट कर सकता है। जनता ने इसलिए कांग्रेस को जनादेश नहीं दिया था कि चरित्रहनन की तोहमतें उसे परेशान करें, बल्कि बदलाव, नए प्रयोग, सुशासन, चारित्रिक आश्वासन और सुखद भविष्य के लिए सत्ता पार्टी को सौंपी थी। जनादेश की प्रतिबद्धता यह छूट नहीं देती कि सत्ता से कुछ लोगों को खारिज करके शाबाशी ली जाए या एक दूसरे के ऊपर अंगुली उठाकर मनोरंजन किया जाए। हिमाचल आहत है कि कांग्रेस का बेपर्दा आचरण भ्रम पैदा कर रहा है। राजनीति में देवता तो आएंगे नहीं, लेकिन दायित्व भी अगर सूली पर टंगा नजर आए, तो किसके भरोसे राज्य की तस्वीर बदलेगी। हमें नहीं मालूम कौन बिका, कितने का बिका और किसलिए बिका, लेकिन कांग्रेस के भीतर आरपार की लड़ाई का हर तर्क परेशान करता है। हिमाचली संघर्ष हमेशा केंद्र की परिपाटी में अपना पसीना देखता है, लेकिन यहां तो खुद ही खरी खोटी सुनाने पर आमदा सियासत यह बता रही है कि हम सियासत के कुएं को बेहद गंदा कर चुके हैं। निर्लज्जता से भरा घटनाक्रम और कितना नीचे गिरेगा, अब यही सवाल प्रत्येक हिमाचली के दर्पण पर खड़ा है। गिरने की कोई सीमा नहीं और यह धीरे-धीरे साबित होने लगा है।

> हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया

नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

दवाओं में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह आवश्यक है कि दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल के भरोसेमंद एवं सख्त नियम बनाए जाये। इन नियमों के दायरे में निर्यात होने वाली दवाएं भी आनी चाहिए और देश में बिकने वाली दवाएं भी, क्योंकि जहां नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं निर्यात होने से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होती है, वहीं इनका उपयोग देश में होने से

> भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

लोगों का जीवन खतरे में आ जाता है। यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं अप्रामाणिकता बेचैन करने वाली है। मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है। दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन्न हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस फार्मूले का तात्कालिक प्रभाव भले ही चमत्कारी लगे किंतु दूरगामी परिणाम घातक हैं। इसका यकृत, गुर्दा तथा पेट के अन्य अंगों पर स्थाई दुष्प्रभाव हो सकता है। पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा।

दृष्टि कोण

क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

21 मार्च, 2024 को दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं। यह शराब नीति क्या है : केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य

सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से 'शराब खरीदने का सुखद अनुभव' मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं। थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन : केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई।

कुछ अलग

इतिहास के गुमनाम नायक

वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया के साहस की प्रशंसा का गीत है : 'किला पठानिया खूब लधाय्या, बल्ली पठानिया खूब लधाय्या, डाली दिया धारा दफाली जो बजड़ी, कुमनी बज्जय तामूर...।' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के भूले हुए नायकों को याद करते हुए देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हमें मुख्यधारा के हिस्से के रूप में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी के भूले हुए नायकों के आख्यानों को गले लगाने की आवश्यकता है। चाहे जितनी तरह से कही जाए और जितनी बार, आजादी की कहानी से कुछ छूट ही जाता है, चाहे कितने भी तरीके और कितनी बार कहा जाए, जब स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों की बात आती है तो कुछ बातें हमेशा अनकही रह जाती हैं। यह सच है कि इतिहास 'जो हुआ उसका आख्यान' है, लेकिन यह तय नहीं है, यह लगातार विकसित होता है। जब समुदाय जागरूक और मुखर हो जाते हैं, तो वे अपने अनसुने इतिहास का पता लगाते हैं और मुख्यधारा के आख्यानों पर दावा करते हैं। इस प्रकार, जागरूक समुदायों का इतिहास दो तरह से उभरता है : अकादमिक इतिहास के रूप में और सार्वजनिक इतिहास के रूप में। स्वतंत्रता सेनानी वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया (1824-1849) का नाम महान सपूतों में गिना जाता है। उन्होंने मु_ी भर साथियों के साथ अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाकर रख दी थी। उस वक्त वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया की उम्र महज 24 साल थी। इस वीर सपूत का जन्म नूरपुर रियासत के वजीर श्याम सिंह के घर 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के वजीर थे। अंग्रेजों को भी पता था कि वो वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया को आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने प्लान बनाया और जब वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया पूजा-पाठ कर रहे थे, तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, आजीवन कारावास की सजा सुनाकर कालापानी भेज दिया और बाद में उन्हें रंगून भेजा गया। 11 नवंबर 1849 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए मात्र 24 साल की उम्र में वीरगति को प्राप्त हो गए। राजपूत राम सिंह पठानिया एक किशोर राजपूत अंग्रेजों के खिलाफ उत्प्रेरक बन गया। बहादुरी के कुछ कृत्यों को पदक या प्रशंसा से सम्मानित किया जाता है, और लोग कुछ को सदियों तक याद करते हैं, लेकिन शायद ही कभी बहादुरी के कार्य की पूजा की जाती है। वजीर राम सिंह पठानिया ने इतना त्रुटिहीन काम किया कि लोगों ने उनके लिए एक मंदिर समर्पित किया। उनकी बहादुरी ने उन्हें भगवान की स्थिति तक पहुंचा दिया। राजपूत राम सिंह पठानिया भारतीयों के लिए तत्काल स्वतंत्रता नहीं लाए, लेकिन यह भारतीय लोगों में एकता लाए और ब्रिटिश सरकार के कब्जे के प्रतिरोध के लिए उत्प्रेरक बन गए। राजनीति, वैचारिक और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के चलते इतिहासकारों ने कई महानायक बना दिए, यहां तक कि कई ऐसे भी जो इस लायक नहीं थे। इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, उन लोगों को जिन्होंने देश पर अपनी जान बलिदान कर दी, लेकिन लोग उन्हें जानते तक नहीं। यह लेख उन गुमनाम नायकों में से एक राजपूत राम सिंह पठानिया के बारे में है जिनको भारतीय इतिहास की किताबों में वो जगह नहीं मिली जिसके कि वो हकदार थे। यहां तक कि उनका योगदान आप जिनको महानायक कहते हैं, उनसे भी ज्यादा था। हर एक व्यक्ति देश पर अपनी जान बलिदान कर फांसी चढने वाले भगत सिंह को तो जानता है, लेकिन क्या किसी को पता है एक भारतीय युवा राजपूत राम सिंह पठानिया ने पूर्व तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर रॉबर्ट पील के भतीजे ब्रिटिश अधिकारी जॉन पील को तलवार से मौत के घाट उतारा था? 1857 का विद्रोह, जिसने ब्रिटिश सरकार को मूल रूप से हिला दिया था।

देश दुनिया से

'लाठी के जोर पर लोकतंत्र' कायम रखना चाहती हैं सीएम ममता बनर्जी

लोकसभा की 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में चुनावी कोलाहल कुछ ज्यादा ही सुनाई पड़ रहा है। छोटा संदेशखाली कहे जा रहे पूर्व मिदनापुर के भूपतिनगर में छह अप्रैल को एनआईए की टीम पर हमले ने साफ कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की मशीनरी किस तरह ध्वस्त हो गई है। वर्ष 2022 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक तृणमूल नेता के घर बम विस्फोट हुआ और तीन लोगों के चीथड़े उड़ गए। दो घायल फरार हो गए थे। एनआईए को तभी से उन दोनों की तलाश थी। एनआईए को जांच का जिम्मा कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया था। कई बार समन भेजने के बावजूद ये आरोपी हाजिर नहीं हो रहे थे। सफाई देते हुए पांच अप्रैल की सभा में ममता ने उस विस्फोट को पटाखे का विस्फोट बताया। सवाल है कि क्या पटाखा फटने से शरीर के अंग डेढ़ किलोमीटर दूर जा सकते हैं। हद तो तब हो गई, जब मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि लोगों ने वही किया, जो करना चाहिए था। बंगाल पुलिस ने तो एनआईए की टीम पर ही महिलाओं से छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया। संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है। ममता सरकार ने संदेशखाली में कैंप लगाकर जिन लोगों की हड़पी गई जमीनें वापस लौटाईं, उन पर शाहजहां की गिरोह के दूसरे लेयर के उपद्रवी कब्जा नहीं करने दे रहे। आज भी पुलिस के असहयोग का आलम यह है कि बलात्कार पीड़ति महिलाएं घूंघट में आकर कलकत्ता हाईकोर्ट में बयान दर्ज करा रही हैं। कई कारणों से सिर्फ बशीरहाट सीट का जनादेश पूरे बंगाल का भविष्य इंगित करेगा। इसी निर्वाचन क्षेत्र में संदेशखाली है, जहां की डरावनी कहानियां झकझोर देती हैं। हिंदी में ठीक-ठाक बात करने में सक्षम रेखा पात्रा को तृणमूल ने बाहरी मान लिया है। वैसे, तृणमूल हिंदी बोलने वालों को बाहरी ही कहती रही है। कुछ साल पहले आसनसोल में एक चुनावी सभा में ममता ने हिंदी भाषियों को अतिथि कहा था। ऐसे माहौल में, भाजपा ने सही दांव चलते हुए संदेशखाली की पीड़िताओं को एकजुट करने वाली रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, ताकि पूरे चुनाव में महिला सम्मान का विमर्श जिंदा रहे। ममता की बड़ी ताकत राज्य की 49 प्रतिशत महिला वोटर हैं। इस सीट पर तृणमूल ने मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक बार सांसद रह चुके हाजी नुरुल इस्लाम को टिकट दिया है, जिन पर वर्ष 2010 में इसी इलाके में दंगे भड़काने का आरोप लगा था। अभी चार अप्रैल को उत्तर बंगाल की चुनावी सभा में ममता ने लोगों से कहा कि वे दंगा न करें, और दंगा न होने दें। रामनवमी से ठीक पहले यह संदेश जारी करने की क्या जरूरत थी? बशीरहाट का बड़ा हिस्सा सुंदरबन के जंगलों व टापुओं पर बनी बस्तियों से घिरा है। यहां साढ़े 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें करीब 87 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 46.3 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अनुसूचित जाति के करीब 25.4 प्रतिशत लोग हैं और रेखा पात्रा इसी समुदाय से हैं। पिछले दो महीनों से इलाके की महिलाओं के लक्ष्मी भंडार के रुपये खातों में नहीं आ रहे हैं। इन महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए पूछा कि क्या यह राशि तृणमूल दे रही है? इन मेहनतकश महिलाओं के प्रति किसी की ममता अगर नहीं छलकती है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? सात अप्रैल को उत्तरबंगाल के धूपगुड़ी में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि अपराधियों को बचाने के लिए तृणमूल सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर हमले करवा रही है। मुख्यमंत्री होकर राष्ट्र से लड़ने का दुस्साहस दीदी को भारी पड़ सकता है। कई बार शक होता है कि कहीं ममता खुद ही राज्य को राष्ट्रपति शासन की ओर तो नहीं ले जा रही हैं, ताकि क्षेत्रीयता का बवंडर उठाया जा सके? हालांकि भाजपा ऐसा 'मौका' नहीं देने के पक्ष में है।

> संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है।

आप का नजरिया

क्या महाशक्ति-सा जीवन स्तर?

चूंकि आम चुनाव का मौसम उफान पर है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी देश को जो गारंटी दे रहे हैं, वह यह है कि उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। प्रधानमंत्री देश को आश्वस्त कर रहे हैं कि 2047 में 'विकसित भारत' का संकल्प पूरा करने को वह 24 घंटे, सातों दिन काम में जुटे रहते हैं। फिलहाल भारत अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीका की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था है। भारत का जीडीपी 3.8 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जबकि जापान और जर्मनी का जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है। भारतीय जीडीपी की आर्थिक विकास दर जिस गति से आगे बढ़ रही है, उसके मद्देनजर 2028 तक वह जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। भारत यूपीए सरकार के दौरान विश्व की 10वीं अर्थव्यवस्था था। वहां से छलांग लगाकर वह 5वीं महाशक्ति बना है, यह एक महान उपलब्धि है। भारत के नागरिकों और उद्योगों ने ही यह खूबसूरत, गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है। 2014-15 में हमारी औसत विकास दर 5.9 फीसदी रही थी, जबकि 2023-24 के दौरान यह 6.8 फीसदी से भी कम रही है। हम विभिन्न सरकारों के कार्यकालों में विकास दर की तुलना नहीं करना चाहते। यह परिस्थितिजन्य भी होता है कि विकास दर कम-ज्यादा होती रहती है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर डूब कर नकारात्मक हो गई थी। भारत उन परिस्थितियों से भी बाहर निकल कर 5वीं महाशक्ति पर अडिग रहा है। यदि जापान और जर्मनी की विकास दरें मौजूदा स्तर के करीब ही रहीं, तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान जल्दी भी हासिल कर सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विस्तार की तरह यह मुद्दा भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत का औसत जीवन-स्तर कैसा है? क्या औसत भारतीय का जीवन-स्तर एक महाशक्ति जैसा है? भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2500 डॉलर है, जो चीन की 13,000 डॉलर से बहुत कम है। 1990 के हालात और संदर्भों का आकलन करें, तो भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 369 डॉलर थी, जबकि चीन 348 डॉलर के साथ हमारी तुलना में पीछे था। आज चीन की अर्थव्यवस्था इतनी आगे है कि भारत उसे छूने की कल्पना भी नहीं कर सकता। आखिर तीन दशकों के दौरान चीन हमसे इतनी आगे कैसे निकल गया, यह एक बेहद विचारणीय सवाल है। सिर्फ 'विकसित भारत' के नारे उछालने से ही लक्ष्य हासिल नहीं होगा। 2047 में कौन-सा प्रधानमंत्री देश के प्रति जवाबदेह होगा? क्या वह मौजूदा प्रधानमंत्री की वैचारिक लकीर को ही आगे बढ़ाएगा? यदि भिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधि हुआ, तो कोई जरूरी नहीं कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मान्यता दे।

देश में चार साल में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। इसके बावजूद भारत ने दुनियाभर ने यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र होने का रुतबा कायम रखा है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप कंपनियों को यूनिकॉर्न कहा जाता है।

हुरुन की जारी वैश्विक यूनिकॉर्न सूचकांक-2024 के मुताबिक, ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम11 भारत की सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका मूल्यांकन आठ-आठ अरब डॉलर है। इनके बाद रेजरपे का स्थान आता है, जिसका मूल्यांकन 7.5 अरब डॉलर है। हालांकि, भारत की दो अग्रणी यूनिकॉर्न स्विगी और ड्रीम11 वैश्विक स्तर पर सूची में 83वें स्थान हैं। शीर्ष वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में रेजरपे 94वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 703 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज चीन में 340 यूनिकॉर्न हैं। यूके 53 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया में चौथे स्थान पर है।

बायजू श्रेणी से बाहर, मूल्यांकन में भारी गिरावट - शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू अब यूनिकॉर्न की श्रेणी से बाहर हो गई है। एक साल पहले उसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से अधिक था, जो अब भारी गिरावट के साथ एक अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। बायजू के मूल्यांकन में आई इस कमी ने उसे दुनिया के किसी भी स्टार्टअप के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट वाली फर्म बना दिया है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा, कुछ स्टार्टअप वास्तव में नाकाम हो जाते हैं। इस दौरान वे बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। हालांकि, ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति - भारत ने अपना पहला एआई यूनिकॉर्न क्रूटिम खड़ा किया है। एआई इनोवेशन में भारत अब भी अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। अमेरिका में 60 और चीन में 37 एआई यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, यह स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी - जुनैद ने कहा, 1,453 यूनिकॉर्न की सूची में भारतीय कंपनियों की संख्या में कुल गिरावट शेयर सूचकांकों पर अच्छे लाभ के बावजूद स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, देश के बाहर कंपनी शुरू करने की प्रवृत्ति ने भी भारत के लिए संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। भारत के फर्म संस्थापकों ने विदेश में 109 यूनिकॉर्न शुरू किए, जबकि देश के भीतर उनकी संख्या 67 है।

45 फीसदी बढ़ा मूल्यांकन - दुनिया के शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में से आठ चीन और अमेरिका से हैं। ऑस्ट्रेलिया और माल्टा से एक-एक यूनिकॉर्न इस सूची में शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

थार से मुकाबला के लिए जीप उतारेगी नई कार, ऑफ-रोडिंग में देगी तगड़ा मुकाबला

नई दिल्ली । स्वदेशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा ने एक से बढ़कर एक एसयूवी पेश कर मार्केट में अपनी धाक जमाई है। महिंद्रा थार एक ऐसी एसयूवी है जिसने न सिर्फ अपने आइकॉनिक डिजाईन, बल्कि अपनी जबरदस्त ऑफ रोड क्षमताओं की बदौलत भी मार्केट में अपने पैर जमा लिए हैं। मारुती जिम्नी और फोर्स गुरखा के आने के बाद भी महिंद्रा थार का जलवा कम नहीं हुआ है। लेकिन अमेरिकन कार निर्माता कंपनी जीप ने फैसला किया है कि वो थार का मुकाबला करने के लिए अपनी नई कार पेश करेगी। जीप की ऑफ रोड एसयूवी रैंगलर को दुनिया भर में काफी पसंद किया जाता है। रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी अपनी इस दमदार ऑफ रोड एसयूवी का मिनी वेरिएंट भारत में पेश कर सकती है। जीप की इस नई कार में आपको रैंगलर से मिलता-जुलता ही डिजाईन देखने को मिलेगा। जीप की मिनी रैंगलर में आपको दमदार ऑफ-रोड फीचर्स भी देखने को मिलेंगे। जीप की मिनी रैंगलर भी थार की तरह ही बॉडी ऑन फ्रेम चेसिस पर आधारित होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो जीप की मिनी रैंगलर पेट्रोल के साथ-साथ डीजल वेरिएंट में भी पेश की जाएगी। जीप की मिनी रैंगलर में आपको 4 व्हील ड्राइव ऑप्शन भी मिलेगा और साथ ही बेहतर ऑफ रोड प्रदर्शन के लिए कार में डिफरेन्शल लॉक का फीचर भी होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार थार का मुकाबला करने आ रही जीप रैंगलर को एक पारिवारिक कार के तौर पर प्लान किया जा रहा है। इसका सीधा मतलब ये है कि कार में आपको कम्फर्ट से संबंधित काफी आकर्षक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। जीप की मिनी रैंगलर में आपको बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ-साथ वायरलेस चार्जिंग, इलेक्ट्रिक एडजस्ट सीट, सीट वेंटिलेशन, पैनारोमिक सनरूफ और ड्यूल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल एसी जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं। बता दें कि भारत में पिछले कुछ समय के दौरान एसयूवी की मांग काफी तेजी से बढ़ी है।

बाबा रामदेव-आचार्य बालकृष्ण ने फिर मांगी माफी, भ्रामक विज्ञापन मामले में दायर किया हलफनामा

नई दिल्ली । योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत में दायर दो अलग-अलग हलफनामों में, रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए भी माफी मांगी है।

अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा

गौरतलब है कि 21 नवंबर, 2023 के आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से पतंजलि द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग से संबंधित और इसके अलावा, औषधीय को लेकर दावा करने वाला या चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। मुझे अपनी गलती पर अफसोस है- बाबा रामदेव आश्वासन का पालन न करने और उसके बाद के मीडिया बयानों ने शीर्ष अदालत को नाराज कर दिया, जिसने बाद में उन्हें कारण बताने के लिए नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए। शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में, रामदेव ने कहा कि मैं विज्ञापनों के मुद्दे के संबंध में बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, मुझे इस गलती पर अफसोस है और मैं अदालत को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसे दोहराया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आदेश का अनुपालन किया जाएगा और इस तरह का कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। क्या है आईएमए का आरोप आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था। इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए। खास तरह की बीमारियों को ठीक करने के झूठे दावे करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने की संभावना जाहिर की।

टिकटों की मांग बढ़ने से हवाई किराये 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़े, क्या यह विस्तारा संकट का असर है

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हवाई यात्रियों को गर्मियों में घरेलू उड़ानों के लिए अधिकद किराये भुगतान करना होगा। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और यात्री मांग में मजबूती बने रहने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी है। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां तक कि घरेलू मार्गों पर बड़े विमानों का उपयोग भी कर रहा है। इस दौरान टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की सौ से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है।

पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के एक विश्लेषण से पता चला है कि एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

विश्लेषण के मुताबिक, दिल्ली-मुंबई उड़ान सेवाओं के मामले में किराया वृद्धि 12 प्रतिशत और मुंबई-दिल्ली सेवाओं के मामले में आठ प्रतिशत थी। ट्रैवल पोर्टल यात्रा ऑनलाइन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विमान एवं होटल कारोबार) भरत मलिक ने कहा कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन उड़ान कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों को शामिल करते हुए अनुमानित औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने का अनुमान है। मलिक ने कहा, विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के फैसले ने प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकट की कीमतों को प्रभावित किया है। हमने किराये में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। दिल्ली-गोवा, दिल्ली-कोच्चि, दिल्ली-जम्मू और दिल्ली-श्रीनगर जैसे प्रमुख मार्गों पर कीमतें लगभग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए हवाई किराये का एक प्रमुख कारण विस्तारा की ओर से उड़ान संचालन में कटौती है। इसके अलावा ईंधन की बढ़ती लागत के साथ ग्रीष्मकालीन यात्रा की बढ़ती मांग ने भी किराया बढ़ाने में भूमिका निभाई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स में वरिष्ठ निदेशक और वैश्विक प्रमुख (परिवहन एवं लॉजिस्टिक) जगन नारायण पद्मनाभन ने कहा, ''व्यस्त मौसम आते ही किराया पांच-सात प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

सीमेंट की कीमत बढ़ने से सस्ते मकानों की घट सकती है मांग इन्फ्रा प्रोजेक्ट भी होंगे प्रभावित

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

देशभर में सीमेंट की कीमतें बढ़ने से किफायती यानी सस्ते मकानों के निर्माण में बाधा आ सकती है। साथ ही, ग्राहकों को आवासीय संपत्तियां खरीदने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। इससे मकानों की बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है। रियल एस्टेट उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किफायती मकानों के निर्माण में पहले से ही धीमापन है। अब सीमेंट के दाम बढ़ने से खुदरा ग्राहकों की खरीदारी, बड़े पैमाने पर निर्माणपरियोजनाएं और बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। आने वाले समय में इसका असर रियल एस्टेट उद्योग पर दिखेगा। सीमेंट की कीमतें पिछले सप्ताह उत्तरी भारत में 10-15 रुपये, मध्य भारत में 30-40 रुपये और पश्चिमी भारत में 20 रुपये प्रति बोरी की दर से बढ़ी हैं। उद्योग के मुताबिक, कमजोर मांग से पिछले पांच महीने में सीमेंट की कीमतें घटीं थीं। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा, सस्ते मकानों की मांग पहले से ही कमजोर है। सीमेंट के दाम बढ़ने से यह लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगा। अन्य लागतें भी बढ़ जाएंगी।

बिल्डर कर सकते हैं बजट का पुनर्मूल्यांकन

सीमेंट की कीमतें बढ़ने से बिल्डरों को अपने बजट का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि दाम बढ़ने से निर्माण लागत पर 4 से 5 रुपये का असर पड़ता है। ऐसे में वे अपने प्रोजेक्ट की संभावित कीमत में इसे जोड़ सकते हैं।

भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वैश्विक स्थापित क्षमता में इसका हिस्सा 8 फीसदी से अधिक है। क्रिसिल रेटिंग के मुताबिक, मकानों और इन्फ्रा गतिविधियों पर खर्च से घरेलू सीमेंट उद्योग ने 2023-24 में 8 करोड़ टन सीमेंट की क्षमता जोड़ी है। यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2027 तक सीमेंट खपत 45 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। देश में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में मूल्य के लिहाज से मकानों की बिक्री 68 फीसदी बढ़कर करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में 66,155 करोड़ रुपये के मकान बिके थे।

पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल उच्चतम स्तर पर, फाडा ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

वित्त वर्ष 2024 में भारत में थोक बिक्री की तरह ही पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल भी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया शीर्ष पर रही। टाटा मोटर्स अपनी बाजार हिस्सेदारी में सुधार किया और हुंडई मोटर इंडिया के साथ अंतर को कम करने में सक्षम रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने विकास पथ पर आगे बढ़ना जारी रखा। उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पीवी रिटेल सालाना 8.45प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 3,948,143 यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 3,640,399 यूनिट थी। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि एफवाय24 पीवी सेगमेंट के लिए एक मील का पत्थर वर्ष था। बढ़ी हुई आपूर्ति गतिशीलता, रणनीतिक विपणन प्रयास, लगातार बढ़ती गुणवत्ता वाली सड़क बुनियादी ढांचे और एसयूवी सेगमेंट में मजबूत मांग, जो अब 50प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है, ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान

दिया। मारुति ने वित्त वर्ष 2023 में 1,490,202 इकाइयों के मुकाबले वित्त वर्ष 24 में 1,605,264 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। हालाँकि कंपनी की बिक्री में वृद्धि हुई, लेकिन इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में 40.94 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 40.66प्रतिशत हो गई। वहीं हयूदै ने रिटेल सेल में 561,371 यूनिट्स बेचीं और टाटा ने एफवाय24 में 538,264 यूनिट्स की बिक्री की। एफवाय23 में हुंडई ने टाटा द्वारा 492,122 इकाइयों की तुलना में 527,481 इकाइयों की खुदरा बिक्री की।

इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट, गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया में पहली तिमाही में इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर मार्च तक इलेक्ट्रिक व्हीकल का रजिस्ट्रेशन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 34,186 से गिरकर 25,550 तक आ गया। ऐसा पहली बार हुआ है जब इलेक्टिक व्हिकल की बिक्री में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, पहली तिमाही में गैसोलीन हाइब्रिड वाहन की बिक्री एक साल पहले के 68,249 से बढ़कर 99,832 इकाई हो गई। हालांकि मार्च तिमाही में गैसोलीन से चलने वाले वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 2,41,742 से 19

प्रतिशत गिरकर 1,96,472 इकाई रह गई।वहीं, डीजल कारों की मांग में भी गिरावट देखने को मिली है। डीजल कार की बिक्री में 56 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि ऊंची कीमतों की वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री पूरे वर्ष सुस्त बनी रह सकती है। हाल ही में इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के मामलों से लोग घबराए हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरिया में साल 2020 और 2021 के दौरान पार्किंग या चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के कई मामले सामने आए थे। कुछ महीने पहले, हुंडई मोटर ने 13 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर वाहनों में आग लगने के बाद वैश्विक स्तर पर बेची गई 77,000 से अधिक कोना ईवी को वापस बुला लिया था। हुंडई और उसके बैटरी आपूर्तिकर्ता एलजी केम वापस बुलाने के कारणों को लेकर मतभेद में थे।

हालांकि, बैटरी सेल निर्माता ने बैटरियों में गड़बड़ी से साफ़ इंकार कर दिया था। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की कमी भी बड़ी मुसीबत बन रही है। इलेक्ट्रिक कारों की अधिक कीमत और वाहन लोन पर बढ़ती ब्याज दरें भी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में बाधा बन रही हैं।

एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर अपने ग्राहकों के लिए लेकर आया है जोरदार एंटरटेनमेंट का धमाका ऑफर

नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मनोरंजन और मानव समाज का नाता बहुत ही पुराना रहा है। आदिकाल से ही लोग अपने व्यस्तता भरे जीवन में से कुछ पल मनोरंजन के लिए निकाल ही लेते थे, ताकि वो समाज में उपलब्ध मनोरंजन के साधनों का लाभ उठाकर अपने जीवन को सुंदर, सुरस और आनंदमय बना सकें।

बीते कई वर्षों में भले ही मनोरंजन के साधनों में बदलाव आए हैं, लेकिन इस बदलाव के बीच मानव और उसका मनोरंजन के प्रति लगाव काफी बढ़ा है।

बदलते मॉर्डन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ लोगों की जीवनशैली भी काफी तेजी से बदल रही है। समय में वो हाई स्पीड इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करते हुए, मनोरंजन के लिए उपलब्ध कई सारे शानदार विकल्पों का लाभ उठा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के चलते लोगों को अपनी पसंद का कोई ना कोई साधन मिल ही जाता है। जिस वजह से लोग कई तरह के ओटीटी प्लेटफार्म के सब्सक्रिप्शन लेने के लिए भी काफी सजग रहते है।

लोगों की इसी दिलचस्पी को समझते

हुए एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर लेकर आया है एक शानदार ऑफर, जिसमें लोगों को बेहतरीन हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा के साथ मिलता है अनलिमिटेड मनोरंजन का शानदार ऑफर, जिसमें उन्हें 20 से ज्यादा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और 350+ टीवी चैनल्स का सब्सक्रिप्शन पैकेज मिलता है। जिसके तहत आप घर बैठे आनंद ले सकते हैं, अपने फेवरेट मूवीज, टीवी शोज का।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर मिलते हैं ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर का सब्सक्रिप्शन लेने पर आपको नेटफ्लिक्स, प्राइम, हॉटस्टार, शॉर्ट्सटीवी, डॉक्यूबे, हंगामाप्ले, सोशल स्वैग और चौपाल का एक्सेस मिलता है।

इस एक्सेस के जरिए अब आप नेटफ्लिक्स की मर्डर मुबारक हो या सोनीलिव का बहुचर्चित शो स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी आदि का लुफ्त उठा सकते हैं। क्या है एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान

एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान अपने ग्राहकों को 1 जीबीपीएस तक की बेहतरीन इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। साथ ही इस प्लान के तहत ग्राहकों को अनलिमिटेड वॉयस कॉल, विंक म्यूजिक, डिज्नी प्लस हॉटस्टार, अमेजन प्राइम, अपोलो , सब्सक्रिप्शन, वीआईपी सेवा और एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम की सदस्यता भी मिलती हैं।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम ब्रॉडबैंड प्लान की शुरुआत 699 रुपए से होती हैं, इस प्लान में ग्राहकों को मैक्सिमम 40एमबीपीएस की इंटरनेट स्पीड की सुविधा मिलती है। इसके अलावा लैंडलाइन पर अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा मिलती है। इस प्लान के ग्राहकों को डीटीएच पर 300 से ज्यादा चैनल्स के साथ-साथ ओटीटी सदस्यता और एयरटेल एक्सस्ट्रीम का सब्सक्रिप्शन ऑफर किया जाएगा और इसकी वैधता 30 दिनों की हैं। तो क्या आप भी एयरटेल एक्सस्ट्रीम के साथ जोरदार एंटरटेनमेंट का लाभ उठाने के लिए तैयार है!

बांग्लादेश पर श्रीलंका की सीरीज जीत के बाद मेंडिस, मैथ्यूज टेस्ट रैंकिंग में आगे बढ़े

दुबई,10 अप्रैल (एजेंसियां) । श्रीलंका की हरफनमौला जोड़ी कामिंदु मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश पर मेहमान टीम की 2-0 से सीरीज जीत में योगदान देने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग के हालिया अपडेट के अनुसार आगे बढ़ गए हैं। चटगांव में दूसरे टेस्ट में श्रीलंका की 192 रनों की जीत के दौरान, मेंडिस के नाबाद 92 और नौ रनों के परिणामस्वरूप वह बल्लेबाजों की सूची में 18 स्थान की छलांग लगाकर 46वें स्थान पर पहुंच गए। मेंडिस, जिन्होंने मार्च 2024 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार भी जीता, ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट लिए, जिससे उन्हें 46 स्थान का फायदा हुआ और वह गेंदबाजों के बीच 117वें स्थान पर पहुंच गए।

मैथ्यूज, जिन्होंने अगस्त 2014 में करियर की सर्वोच्च तीसरी रैंक हासिल की थी, 23 और 56 के स्कोर के बाद दो पायदान ऊपर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज के लिए एक और उल्लेखनीय उछाल में, कुसल मेंडिस पहली पारी में 93 रन की स्कोरिंग के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने अंक तालिका में एक स्थान गिरकर आठवें स्थान पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 859 अंकों के साथ शीर्ष क्रम के टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट (824 अंक) पर 35 अंकों का अंतर बनाए रखा है, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम और डेरिल मिशेल (768) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में, तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद सात स्थान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो मैच में तीन विकेट लेकर 43वें से 41वें स्थान पर हैं, जबकि तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा चटगांव में छह विकेट लेकर 46वें से 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन, जिन्होंने 54 और 19 रन बनाए, टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज दूसरी पारी में नाबाद 81 रनों की शानदार पारी के बाद 99वें से 88वें स्थान पर हैं। बल्लेबाज मोमिनुल हक को चार स्थान का फायदा हुआ है और वह अपनी दो पारियों में 83 रन बनाकर 46वें स्थान पर हैं। नवोदित तेज गेंदबाज हसन महमूद ने मैच में छह विकेट लेने के बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 95वें स्थान पर प्रवेश किया है।

अब तक, भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (870) टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, उनके हमवतन और तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड 847 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जड़ेजा (444 अंक) अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखने के लिए अश्विन (322 अंक) से काफी आगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत को सिंधु, लक्ष्य ओर प्रणय से रहेंगी उम्मीदें

मुम्बई । चीन में होने वाले बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय भी पदक दावेदार होंगे। इस टूर्नामेंट में सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ियों की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उन्हें कई बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भाग नहीं लेगी। ऐसे में भारत को पदक की उम्मीदें सिंधु के अलावा लक्ष्य और प्रियांशु राजावत पर रहेंगी। सिंधु को इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन यूफेई, ताइ जु यिंग, अकाने यामागुची और ही बिंगजियाओ जैसी शीर्ष खिलाड़ियों से खेलने का अवसर मिलेगा। सिधु अपना पहला मुकाबला मलेशिया की विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ करेंगी। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने पर उन्हें चीन की छठी वरीय हेन युई से खेलना पड़ेगा। वहीं तीसरे दौर में सिंधु का मुकाबला जापान की यामागुची या थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से हो सकता है। वहीं भारत की ही आकर्षी कश्यप को पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से खेलना है। वहीं पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में शीर्ष वरीय शी युकी से खेलना है जबकि सातवें वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय अपना अभियान ल्यू गुआंग झू के खिलाफ शुरू करेंगे। इसके अलावा विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का मुकाबला विश्व दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय एंथोनी गिनटिंग से होगाहै। युवा भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से भिड़ना है। युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा कृष्ण प्रसाद गारगा और साई प्रतीक के पुरुष युगल में चुनौती पेश करेंगे। महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को फेब्रियाना ब्रिपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रतिवी की इंडोनेशिया की जोड़ी से खेलना है।

बेंगलुरु । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा ने कहा है कि विराट कोहली को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। लारा ने कहा कि विराट को धीमे स्ट्राइक-रेट के नाम पर बाहर किये जाने की जो बातें की जा रही हैं। उनका कोई मतलग मुझे नजर नहीं आता है क्योंकि स्ट्राइक-रेट ही सब कुछ नहीं है। विराट की उपयोगित उससे बढ़कर है। वह अंत तक बल्लेबाजी कर रन बनाने के साथ ही पारी को संभालने में सक्षम हैं। विराट पर आईपीएल में धीमें स्ट्राइक-रेट के आरोप लगे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक बनाया। लारा ने कहा कि स्ट्राइक-रेट बल्लेबाजी क्रम पर पर निर्भर करता है, और एक सलामी बल्लेबाज के लिए 130-140 का स्ट्राइक-रेट खराब नहीं कहा जा सकता है। वहीं अगर आप मध्यक्रम में आ रहे हैं तो आपको 150 या 160 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की जरुरत होती है। जैसा कि आपने आईपीएल के इस सत्र में देखा है।

8 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें: मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में, पर्स की रकम बढ़ाने की मांग

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग टीमों के मालिकों की एक बैठक बुलाई है, जो 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। मीटिंग में इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन और प्लेयर रिटेंशन नंबर पर चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन में रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस पर आईपीएल टीम मालिकों के अलग-अलग विचार हैं। नंबर पर कोई स्पष्ट सहमति नहीं है और माना जा रहा है कि बीसीसीआई इस पर बातचीत करना चाहता है। चीजें अभी शुरुआती स्टेज पर हैं। बीसीसीआई लीग को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इसमें प्लेयर रिटेंशन अहम है। ज्यादातर टीम मालिक इस फैसले के समर्थन में हैं कि वह मेगा ऑक्शन से पहले 8 प्लेयर्स को रिटेन कर पाएं। क्या है खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम अभी नीलामी के लिए रिटेन के नियम के मुताबिक एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं एक खिलाड़ी को राइट टु मैच कार्ड के साथ अपने साथ जोड़ा जा सकता था।

रोमांचक मैच में गुजरात ने दर्ज की जीत राजस्थान को तीन विकेट से हराया

जयपुर, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 24वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 3 विकेट से हराया। गुजरात ने दो मुकाबले हारने के बाद जीत हासिल की है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार को गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया और राशिद खान की जोड़ी ने आखिरी 12 ओवर में 35 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 72 रन बनाए। जबकि साई सुदर्शन ने 29 बॉल पर 35 रन का योगदान दिया। कुलदीप सेन ने 3 विकेट झटके, जबकि युजवेंद्र चहल को दो सफलतां मिलीं।

आरआर से रियान पराग ने 48 बॉल पर 76 रन बनाए, जबकि कप्तान संजू सैमसन 38 बॉल पर 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 78 बॉल पर 130 रन की शतकीय साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। उमेश यादव, राशिद खान और मोहित शर्मा को एक-एक विकेट मिला। 19वां ओवर डालने आए कुलदीप सेन के चौथे ओवर में 20 रन आए। दो चौके पड़े और अतिरिक्त के 5 रन भी आए। 18वें ओवर में गुजरात का छठा विकेट गिरा। आवेश खान ने ओवर की तीसरी बॉल पर शाहरुख खान को एलबीडब्ल्यू कर दिया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 162/6 रहा। 16वें ओवर की दूसरी बॉल पर गुजरात का 5वां विकेट गिरा। इस बॉल पर युजवेंद्र चहल ने शुभमन गिल को सैमसन के हाथों स्टंप कराया। गिल 72 रन बनाकर आउट हुए। जबकि चहल ने दूसरा विकेट लिया। 16 ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 138/5 रहा। 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर गुजरात का चौथा विकेट गिरा। ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने विजय शंकर को बोल्ड कर दिया। विजय 16 रन बनाकर आउट हुए। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 111/4 रहा। 13वें ओवर में गुजरात ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। कुलदीप सेन के ओवर की चौथी बॉल पर गिल ने दो रन लेकर स्कोर 100 पार पहुंचाया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 102/3 रहा। 11वें ओवर में कुलदीप सेन ने गुजरात को दो झटके दिए। उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर मैथ्यू वेड और चौथी बॉल पर अभिनव मनोहर को बोल्ड कर दिया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 83/3 रहा। 9वें ओवर में गुजरात को पहला झटका लगा। कुलदीप सेन ने ओवर की दूसरी बॉल पर साई सुदर्शन को एलबीडब्ल्यू कर दिया। साई 35 रन बनाकर आउट हुए। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 67/1 रहा।

गुजरात की पारी के 8वें ओवर में युजवेंद्र चहल से साई सुदर्शन का कैच छूट गया। ओवर की तीसरी बॉल पर साई ने बॉलर की दिशा में खेला, जो चहल के पास तेजी से आई, लेकिन चहल बॉल फेंकने के बाद फॉलो-थ्रू पर कैच पकड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 63/0 रहा। 7वें ओवर में गुजरात के ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 51/0 हो गया। छठे ओवर में शुभमन गिल ने टी-20 करियर में 4 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने आवेश खान के ओवर में एक चौका और एक छक्का जमाया। इस ओवर में 14 रन बने और पावरप्ले में गुजरात का स्कोर 44/0 हो गया। साई सुदर्शन ने पारी का पहला ओवर डालने आए ट्रेंट बोल्ट की बॉल पर चौका जमाते हुए गुजरात का खाता खोला।

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा, विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली,10 अप्रैल । दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड - रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया।

क्यों हुआ विवाद - मैच के अंतिम क्षणों में जब अल नासर की टीम बराबरी करने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन टीम को इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। मैच के 86वें मिनट में रोनाल्डो ने अल हिलाल के डिफेंडर अली अल बुलाही को कोहनी मार दी जिससे विवाद बढ़ गया। रोनाल्डो की इस हरकत पर अल हिलाल के खिलाड़ियों ने रेफरी से कार्रवाई करने की अपील की। 39 साल का यह दिग्गज खिलाड़ी रेफरी का मजाक उड़ाते भी नजर आया। माना जा रहा है कि इसके लिए रोनाल्डो पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने किए हैं सर्वाधिक गोल - रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेल चुके रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस लीग में 29 गोल किए हैं। अल हिलाल के एलेक्सांद्र मित्रोविच रोनाल्डो से सात गोल पीछे हैं।

अल नासर के अहम खिलाड़ी हैं रोनाल्डो - रोनाल्डो अपनी टीम अल नासर के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। वह अब तक टीम के लिए 37 मैचों में 36 गोल कर चुके हैं और 12 बार गोल करने में सहायता की है। यह रोनाल्डो के करियर में 12वीं बार था जब उन्हें मैच में रेड कार्ड मिला है।

गुकेश और प्रगनानंदा का अब तक का सफर रहा शानदार, आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो,10 अप्रैल (एजेंसियां) । भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरुआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं।

प्रगनानंदा के साथ मौजूद हैं उनकी मां

पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं।

हंपी दौड़ से बाहर नहीं

देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिव्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

भारतीय तिकड़ी के पास मौका

देश के तीसरे ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने कहा- नाकामुरा अपने आपको प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते भारतीय तिकड़ी और नेपोमनियाच्ची, कारुआना के पास मौका है।

पूर्व क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अध्यक्ष जैक क्लार्क का 70 वर्ष की आयु में निधन

मेलबर्न,10 अप्रैल (एजेंसियां) । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पूर्व अध्यक्ष जैक क्लार्क का एडिलेड में 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, शासी निकाय ने बुधवार को यह जानकारी दी। क्लार्क 1999 में निदेशक के रूप में सीए बोर्ड में शामिल हुए और 2008 से 2011 तक इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) में निदेशक के रूप में भी 21 साल बिताए और 2012 में उन्हें एसएसीए का मानद आजीवन सदस्य बनाया गया। सीए अध्यक्ष के रूप में, क्लार्क ने कई महत्वपूर्ण पदों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें प्रशासन और उच्च प्रदर्शन में कमीशनिंग रिपोर्ट शामिल थीं। जिसने इन क्षेत्रों में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की प्रथाओं को आकार देने और आधुनिकीकरण करने और बिग बैश लीग के शुभारंभ में मदद की।

सीए के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, जैक ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और एसएसीए के साथ अपनी प्रमुख भूमिकाओं में ऑस्ट्रेलियाई, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान दिया था और पूरे खेल में उन्हें जानने वाले सभी लोग उन्हें बहुत पसंद करते थे।

प्रशासन और उच्च प्रदर्शन सहित महत्वड्डपूर्ण क्षेत्रों में जैक का नेतृत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय था। उस समय के दौरान जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खेल के प्रति जैक का जुनून तुरंत किसी को भी दिखाई देने लगा जिसने उसके साथ क्रिकेट में एक दिन का आनंद लिया। बेयर्ड ने कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से, मैं जैक की पत्नी सू, उनकी बेटियों जॉर्जी और लुसी, उनके विस्तारित परिवार और कई दोस्तों, उन सभी भाग्यशाली लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं जो उन्हें जानते हैं। 1954 में रेनमार्क में जन्मे क्लार्क ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्लेनेल्ग क्रिकेट क्लब के लिए खेला, इसके बाद एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया। क्लार्क केरी पैकर क्रिकेट फाउंडेशन के निदेशक, लॉर्ड्स टैवर्नर्स क्लब के सदस्य और दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई ब्रैडमैन लाइब्रेरी अपील समिति के सदस्य भी थे। सभी स्तरों पर क्रिकेट के प्रति उनका विशाल उत्साह स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रशासन में उनके लंबे और सफल करियर के लिए प्रेरणा था, जिसमें आईसीसी में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना भी शामिल था। एसएसीए बोर्ड में जैक के 21 साल दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और खेल के प्रति उनका जुनून उन सभी के लिए स्पष्ट था जो उन्हें जानते थे। विल रेनर ने कहा, जैक खेल के सच्चे पात्रों में से एक था। उसकी हंसी और जीवन के प्रति उत्साह प्रभावशाली था और हम उसे बहुत याद करेंगे। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उसकी पत्नी सू और बेटियों जॉर्जी और लुसी के साथ हैं।

फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने, युगल में बोपन्ना के नाम है कीर्तिमान

मोंटे कार्लो (फ्रांस),10 अप्रैल (एजेंसियां) । नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं।

रिकॉर्ड 420वें सप्ताह नंबर एक बने नोवाक - जोकोविच नंबर एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं। फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक रहे थे। जोकोविच ओपन दौर में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। फेडरर ने पीट सेंप्रास के 14 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा था। राफेल नडाल ने फेडरर के 20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा और जोकोविच ने नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। जोकोविच मोंटे कार्लो में अपने नियमित कोच रहे गोरान इवानिसेविच के बिना पहली बार टेनिस कोर्ट पर उतरेंगे। महिलाओं में पोलैंड की इगा स्वियातेक नंबर एक की पदवी पर बरकरार हैं।

मैं और रोहन ओल्ड हैं पर गोल्ड हैं : जोकोविच - एटीपी पर वीडियो पोस्ट में बोपन्ना ने कहा कि अनुभव काफी मायने रखता है, लेकिन जोकोविच का मानना है कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र समर्पण है। बोपन्ना ने कहा कि अनुभव जीतता है और यह यहीं से उन्हें मिला है। जोकोविच ने कहा कि अनुभव के साथ समर्पण और निष्ठा भी मायने रखती है। उन्होंने बोपन्ना को घंटों जिम में फीजियो के साथ समय बिताते हुए देखा है। इतने वर्षों तक एटीपी टूर को आपके साथ साझा करना शानदार है। जोकोविच कहते हैं कि एकल और युगल दोनो में सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक होना अद्भुत है। यह सर्बिया और भारतीय टेनिस दोनों के लिए अच्छा है। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। टेनिस की भारत में अपार लोकप्रियता है और बोपन्ना इसमें सानिया, भूपति, पेस के साथ लगातार योगदान देते रहे हैं।

हेपेटाइटिस से हर दिन हजारों लोगों की मौत डब्लूएचओ की रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

संयुक्त राष्ट्र,10 अप्रैल (एजेंसियां) । विश्व हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें आगाह भी किया गया है कि यह बीमारी विश्व स्तर पर संक्रामक बीमारियों से होने वाली मौतों का दूसरा प्रमुख कारण है। प्रति वर्ष 13 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार यह बीमारी तपेदिक जैसी बीमारियों की श्रेणी में आती है, जिसे ज्यादातर संक्रामक मौतों का एक अन्य बड़ा कारण माना जाता है। स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा कि यह रिपोर्ट एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। हेपेटाइटिस संक्रमण रोकने में विश्व स्तर पर प्रगति होने के बावजूद मौतों की संख्या बढ़ रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि बहुत कम हेपेटाइटिस पीड़ितों के रोग का निदान व इलाज हो पा रहा है। विश्व हेपेटाइटिस शिखर सम्मेलन के दौरान जारी की गई इस रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि हालांकि, अब निदान एवं उपचार के लिए बेहतर उपकरण उपलब्ध हैं और उनकी कीमतें भी घट रही हैं, लेकिन परीक्षण तथा उपचार कवरेज दरें नहीं बढ़ पाई हैं। एजेंसी ने ये भी कही कि अगर तात्कालिक रूप से तेज कार्रवाई की जाए तो 2030 तक डब्ल्यूएचओ उन्मूलन लक्ष्य तक पहुंचना सम्भव हो सकता है। मौतों में वृद्धि रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में प्रत्येक दिन 6000 लोग हेपेटाइटिस से संक्रमित हो रहे हैं। 187 देशों के आंकड़ों से पता चलता है कि वायरल हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 2019 में 11 लाख से बढ़कर 2022 में 13 लाख हो गई है। इनमें से 83 प्रतिशत मौतें, हेपेटाइटिस बी के कारण और 17 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस सी के कारण हुईं। डब्ल्यूएचओ के नवीनतम अनुमान से संकेत मिलता है कि 2022 में 25.4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 5 करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी के साथ जी रहे थे। गम्भीर हेपेटाइटिस बी और सी से आधे से ज्यादा संक्रमित लोग 30 और 54 आयु वर्ग से है, जिनमें 12 प्रतिशत बच्चे हैं। सभी मामलों में 58 प्रतिशत पीड़ित पुरुष हैं।

निदान व उपचार की कमी

सभी क्षेत्रों में तीव्र हेपेटाइटिस बी संक्रमण से पीड़ित केवल 13 प्रतिशत लोगों को उचित निदान प्राप्त हुआ और केवल तीन प्रतिशत, यानि 70 लाख लोगों को 2022 के अंत में एंटीवायरल थेरेपी प्राप्त हुई थी, जो 2030 तक क्रोनिक हेपेटाइटिस बी व हेपेटाइटिस सी से पीड़ित 80 प्रतिशत लोगों के इलाज के वैश्विक लक्ष्य से काफी कम है।

न्यूज ब्रीफ

आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने साइमन हैरिस, पीएम मोदी ने दी बधाई

डबलिन । आयरलैंड की तस्वीर अब बदल सकती है, क्योंकि यहां लियो वराडकर के इस्तीफे के बाद देश की कमान युवा हाथों में सौंपी जा रही है। सत्तारूढ़ फाइन गेल पार्टी ने भारतीय मूल के साइमन हैरिस को प्रधानमंत्री के रूप में चुना है। 37 साल के हैरिस देश के सबसे कम उम्र के पीएम बन गए हैं। इससे पहले भारतीय मूल के लियो वराडकर आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने पिछले महीने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि हैरिस पीएम बन सकते हैं और ऐसा ही हुआ। आयरलैंड की संसद में हैरिस के समर्थन में 88 वोट पड़े। उन्हें गठबंधन की साझेदार पार्टियों फिएना फेल और ग्रीन पार्टी के अलावा कई निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन मिला। भारत ने दी बधाई भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने पर साइमन हैरिस को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हम हमारे ऐतिहासिक संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं जो लोकतांत्रिक मूल्यों में साझा विश्वास पर आधारित हैं। भारत-आयरलैंड द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हूं। क्या है राजनीतिक अनुभव साइमन हैरिस पार्टी की युवा शाखा से स्नातक होने के बाद, कम उम्र से ही राजनीति में सक्रिय हैं। अपनी स्नातक की डिग्री पूरी न करने के बावजूद, उन्होंने जल्द ही खुद को एक समर्पित राजनेता के रूप में स्थापित कर लिया। उन्होंने पार्टी के अंदर विभिन्न भूमिकाएं निभाईं। इसके बाद उनके अनुभव की बात करें तो हैरिस ने 2016 से 2020 के मध्य तक एक महत्वपूर्ण अवधि के दौरान आयरलैंड के स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाली, जहां उन्होंने कोविड-19 महामारी के लिए देश की प्रतिक्रिया के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वराडकर की सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री का पद संभालते हुए, इन भूमिकाओं में उनके कार्यकाल ने उनकी नेतृत्व क्षमताओं और नीति विशेषज्ञता को आकार दिया है। करियर पर एक नजर हैरिस 16 साल की उम्र में फाइन गेल पार्टी से जुड़े थे। वह मात्र 22 साल की उम्र में काउंटी काउंसिल बने। 2011 में 24 साल की उम्र में वह सांसद चुने गए थ। 2016 में कैबिनेट में बतौर स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें 2020 में उच्च शिक्षा मंत्री बनाया गया।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने दी ईद की शुभकामनाएं, गाजा में फलस्तीनियों की स्थिति पर जताई चिंता

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश और दुनिया भर के मुस्लिमों को ईद की शुभकामनाएं दीं हैं। साथ ही उन्होंने गाजा में फलस्तीनियों की दुर्दशा पर भी दुख जताया है। उन्होंने कहा कि गाजा में जारी रक्तपात और पीड़ा असहनीय है। ब्रिटेन संघर्ष को समाप्त करने और बंधकों की रिहाई के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इजराइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इजराइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय के योगदान को याद किया सुनक ने एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि पूरे ब्रिटेन में मुस्लिम ईद का जश्न मना रहे हैं। देश और दुनिया के सभी मुस्लिमों को ईद की बधाई देते हुए उन्होंने ब्रिटेन के विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय के योगदान को याद किया। वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उपवास के एक महीने बाद मैं आप सभी को ईद की शुभकामनाएं देता हूं। मैं आप लोगों को न सिर्फ त्योहार के लिए बल्कि, विभिन्न क्षेत्रों में किए गए आपके योगदान के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। ब्रिटिश मुसलमान देश में सुरक्षित महसूस करें वीडियो संदेश में उन्होंने गाजा का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे पता है कि कई लोग विशेष रूप से गाजा के लोगों के बारे में सोच रहे होंगे। ब्रिटेन यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है कि ब्रिटिश मुसलमान देश में सुरक्षित महसूस करें। हम हेट क्राइम से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने मस्जिदों, स्कूल और आस्था की रक्षा में मदद करने के लिए अगले चार वर्षों तक हर साल 29 मिलियन पाउंड से अधिक खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटिश कंपनियों द्वारा इजराइल को बेचे जा रहे हथियारों को नहीं रोकेंगे वहीं, अमेरिका के वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि काफी चर्चाओं के बाद हमने फैसला किया है कि हम अपने निर्यात लाइसेंस पॉलिसी को फिलहाल नहीं बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम ब्रिटिश कंपनियों द्वारा इजराइल को बेचे जा रहे हथियारों को नहीं रोकेंगे। इजराइल को हथियारों की आपूर्ति की जाएगी। हम लगातार मामले की समीक्षा करते रहेंगे। हालांकि, कैमरन में कहा कि ब्रिटेन गाजा में मानवीय पहुंच के मुद्दे पर गंभीर है।

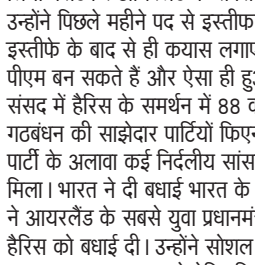

ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए तो बाइडन से लेंगे बदला ! संघीय जांच एजेंसियां जो के खिलाफ कर सकती हैं कार्रवाई

वॉशिंगटन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप अगर आगामी चुनाव में राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो इससे जो बाइडन की परेशानियां बढ़ सकती हैं। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन और उनके परिवार के खिलाफ चल रही संघीय जांच पर फोकस कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की प्रचार टीम के एक करीबी ने बताया कि जो भी बाइडन सरकार कर रही है, वही ट्रंप भी कर सकते हैं। ट्रंप के खिलाफ 44 मामलों में चल रही है संघीय जांच – डोनाल्ड ट्रंप के एक अन्य करीबी ने बताया कि जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय एजेंसियां जांच कर रही हैं, उसने एक मिसाल कायम कर दी है कि बाइडन को भी ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। उनका कहना है कि बाइडन ने जो किया है, वही उन्हें मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप अभी संघीय अपराध के 44 मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें से 40 मामले गोपनीय दस्तावेजों से संबंधित हैं और चार मामले 2020 के चुनाव में कथित धांधली से जुड़े हैं। हालांकि तमाम आरोपों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद के तगड़े दावेदार हैं और जो बाइडन के साथ उनकी कांटे की टक्कर की उम्मीद की जा रही है।

जो बाइडन के खिलाफ चल रहे मामलों पर फोकस करेंगे ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप अगर राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह अपने खिलाफ लगे संघीय आरोपों को खारिज कर सकते हैं, लेकिन राज्यों की तरफ से लगे आरोप, खासकर न्यूयॉर्क में उन्हें कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क की अपीलीय अदालत में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नागरिक मामलों जैसे टैक्स में धोखाधड़ी, मानहानि और दुष्कर्म जैसे मामलों की सुनवाई हो रही है। वहीं जो बाइडन भी गोपनीय दस्तावेजों से संबंधित मामलों को लेकर आरोपी हैं, लेकिन अभी तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रंप, राष्ट्रपति चुने जाने के बाद जो बाइडन के खिलाफ चल रहे मामलों में तेजी ला सकते हैं।

ट्रंप की राह आसान नहीं – डोनाल्ड ट्रंप भले ही राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बाइडन के खिलाफ कार्रवाई की योजना बना रहे हैं, लेकिन व्हाइट हाउस पहुंचना उनके लिए इतना भी आसान नहीं होगा। दरअसल जो बाइडन, ट्रंप को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बाइडन ने ट्रंप के मुकाबले चुनाव कैंपेन के लिए 9 करोड़ डॉलर ज्यादा हासिल किए हैं। इस तरह से चुनावी कैंपेन के लिए दोनों नेताओं में चुनावी कैंपेन के लिए चंदे का अंतर बढ़ता जा रहा है। जो बाइडन और उनकी पार्टी ने मार्च तक 19 करोड़ डॉलर का चंदा हासिल किया। वहीं इतने ही समय में डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को सिर्फ 9.3 करोड़ डॉलर का ही चंदा मिला है।

गाजा में नरसंहार को लेकर इजराइली सेना के खिलाफ सबूत नहीं, हमास से सवाल न पूछने पर अमेरिका का बयान

वॉशिंगटन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । हमास-इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक तरफ गाजा पर इजराइल द्वारा किए जा रहे हमले की कई देश आलोचना कर रहे हैं। वहीं अमेरिका लगातार अपने दोस्त देश का साथ दे रहा है। एक बार फिर अमेरिका ने इजराइल का बचाव किया है। उसने इजराइली सेना द्वारा गाजा में नरसंहार किए जाने के आरोपों को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आलोचना की अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमास को जवाबदेह ठहराने में असफल रहने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आलोचना की।

जबकि अमेरिकी रक्षा सचिव ऑस्टिन ने उन दावों से इनकार कर दिया, जिसमें इजराइल पर गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगा था। नरसंहार का कोई सबूत नहीं दोनों अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इजराइल को एन्क्लेव में मानवीय स्थिति में सुधार की गारंटी देनी चाहिए। इस दौरान ऑस्टिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नए बजट अनुरोध के संबंध में अमेरिकी सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के समक्ष गवाही में कहा कि हमारे पास नरसंहार का कोई सबूत नहीं है। बता दें, अमेरिका के रक्षा सचिव का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब डेमोक्रेटिक सीनेटर एलिजाबेथ वारेन ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा कर कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को इजराइल को नरसंहार का दोषी मानना चाहिए क्योंकि पर्याप्त सबूत हैं। इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

जैन आध्यात्मिक नेता को मिला अमेरिका में सम्मान गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार से नवाजा गया

वॉशिंगटन,10 अप्रैल (एजेंसियां) । भारत के जैन आध्यात्मिक नेता लोकेश मुनि को अमेरिका में सम्मानित किया गया है। उनको सार्वजनिक भलाई और मानवता में योगदान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार से नवाजा गया है।

अमेरिका में वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसद ब्रैड शेरमैन ने मंगलवार को भारत में अहिंसा विश्व भारती और वर्ल्ड पीस सेंटर के संस्थापक मुनि को राष्ट्रपति पुरस्कार गोल्डन शील्ड और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

जो बाइडन ने दी बधाई

राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर वाले पत्र में कहा गया है, मैं जनता की भलाई, देश और मानवता के लिए दिए योगदान के लिए आपको बधाई देता हूं। गौरतलब है, राष्ट्रपति के स्वयंसेवी सेवा पुरस्कार के विजेताओं का चयन अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी अमेरिकॉर्प्स द्वारा किया जाता है।

जिम्मेदारी बढ़ गई: मुनि

लोकेश मुनि ने कहा, अमेरिकन प्रेसिडेंशियल अवार्ड से सम्मानित होना गौरव की बात है किन्तु जिम्मेदारी अधिक बढ़ गई है। हम सभी पर निर्भर करती अमेरिका की कहानी

सांसद ब्रैड शेरमैन ने कहा, अमेरिका की कहानी हम में से किसी एक पर नहीं, हम में से कुछ पर नहीं, बल्कि हम सभी पर निर्भर करती है। मैं आपको जनता की भलाई में योगदान देने के लिए बधाई देता हूं और मुझे आपको राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस अवार्ड और देश के लिए आपकी 500 घंटे की सेवा देने के लिए गर्व है।

चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद कर रहे मुनि

उन्होंने आगे कहा, अपना समय और जुनून साझा करके, आप हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने और उन्हें सुलझाने में मदद कर रहे हैं। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जो आशा, प्रकाश और प्रेम की राह देखता है। आशा है कि हमारा भविष्य आगे बढ़ने और एक-दूसरे के लिए प्यार करने का रास्ता देखेगा।

गाजा में नरसंहार के लिए मदद देने का आरोप, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में जर्मनी ने दी ये दलील

बर्लिन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय (इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस) में निकारागुआ ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें निकारागुआ ने गाजा में नरसंहार के लिए जर्मनी और पश्चिमी देशों पर इजराइल को मदद देने का आरोप लगाया है। हालांकि जर्मनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के कानूनी सलाहकार तानिया वो उसलार ने कहा कि निकारागुआ द्वारा दर्ज मुकदमा जल्दबाजी और कमजोर सबूतों पर आधारित है। जर्मनी ने इस मुकदमे को खारिज करने की भी मांग की।

जर्मनी ने ये बताई इजराइल को समर्थन देने की वजह

तानिया वो उसलार ने कहा कि जर्मनी, इजराइल और फलस्तीनी लोगों दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। जर्मनी की प्राथमिकता इजराइल के प्रति इसलिए हैं क्योंकि यहूदियों पर खत्म करने का नाजियों का इतिहास है। जर्मनी के अटॉर्नी क्रिश्चियन ताम्स ने कहा कि 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद से जर्मनी द्वारा जो हथियार भेजे गए हैं, उनमें 98 प्रतिशत सिर्फ हेलमेट, दूरबीन और बुलेटप्रूफ जैकेट ही हैं।

ताम्स ने कहा कि जर्मनी को हथियारों की जो चार खेप भेजी गई हैं, उनमें से तीन खेप सिर्फ ट्रेनिंग के उद्देश्य वाले हथियारों की भेजी गई है न कि संघर्ष में इस्तेमाल होने वाले हथियारों की। इजराइल और हमास की लड़ाई को छह महीने का समय बीत चुका है। कई विरोध प्रदर्शनों, कोर्ट में दर्ज मामलों में और सामाजिक समूहों द्वारा दावा किया गया है कि इजराइल कई फलस्तीनी लोगों की हत्याएं कर रहा है और इसमें जर्मनी और पश्चिमी देश उसकी मदद कर रहे हैं।

आईडीएफ ने अब तक मारे 13 हजार से ज्यादा हमास लड़ाके

वहीं इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने लड़ाई को लेकर कुछ आंकड़े जारी किए हैं, जिनमें इजराइली सेना ने दावा किया है कि अब तक लड़ाई में 13 हजार और अन्य आतंकी समूहों से ज्यादा हमास लड़ाके मारे जा चुके हैं। साथ ही इजराइल में 7 अक्तूबर के हमले के दौरान करीब एक हजार आतंकी मारे गए थे, जब हमास के आतंकियों ने इजराइल में 1200 नागरिकों की हत्या कर दी थी। इजराइली सेना के आंकड़ों के अनुसार, वेस्ट बैंक में 3700 फलस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 1600 हमास से संबंधित हैं।

हमास से जंग के बीच सीरिया पर इजराइल की बड़ी कार्रवाई, हिज्बुल्ला के ठिकानों पर किया हमला

यरुशलम, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल आतंकवादी ग्रुप के ठिकानों को चुन-चुन का खत्म करने में लगा है। वह लगातार हमास को निशाना बना रहा है। इस बीच अब उसने सीरिया को निशाना बनाया है। बताया जा रहा है कि घुसपैठ की खबरों के बीच इजराइल ने लेबनानी समूह हिज्बुल्ला के ठिकानों पर बमबारी की है।

इजराइल कई बार चेतावनी दे चुका है कि वह हमास के साथ-साथ हिज्बुल्ला का सामना करने के लिए भी तैयार है। हाल के हफ्तों में सीरिया समेत कई जगह हमलों को तेज कर दिया है। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) का कहना है कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि सीरिया में सैन्य बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल हिज्बुल्ला आतंकवादी संगठन कर रहा है। सटीक जानकारी पर कार्रवाई करते हुए इसे निशाना बनाया।

सेना ने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है।

इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला

इजराइल की सेना ने साफ कह दिया है कि वह अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी गतिविधि के लिए सीरिया सरकार को जिम्मेदार मानती है। अगर उसके देश में हिज्बुल्ला घुसपैठ की कोशिश करता है तो वह शांति से नहीं बैठेगी। वहीं, सेना ने यह भी बताया कि पिछले कुछ घंटों में आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्ला के कई ठिकानों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया है। वहीं, दक्षिणी लेबनान में धायरा और तायर हर्फा के क्षेत्रों में खतरों को दूर करने के लिए हमला किया।

गोलान हाइट्स का लिया बदला

इजराइल ने बताया कि उसने यह हमले जवाबी कार्रवाई के तौर पर किए हैं। उसने कहा कि हिज्बुल्ला के युद्धक विमानों ने इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर दक्षिणी सीरिया से रॉकेट दागे, जिसके जवाब में उसने सीरियाई सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था।

ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजराइली विमानों ने सीरिया में हमले किए।

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की होती है पूजा

इस पूजाविधि और मंत्र से खुश हो पूरी करती हैं हर इच्छा

मां दुर्गा का तीसरा रूप चंद्रघंटा है। नवरात्र के तीसरे दिन माता चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। मां चंद्रघंटा का यह स्वरूप बेहद ही सुंदर, मोहक, अलौकिक, कल्याणकारी व शांतिदायक है। माता चंद्रघंटा के माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्रमां विराजमान है, जिस कारण इन्हें चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि मां अपने भक्तों से प्रसन्न होकर उन्हें शांति व समृद्धि प्रदान करती हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां चंद्रघंटा संसार में न्याय व अनुशासन स्थापित करती हैं। मां चंद्रघंटा देवी पार्वती का विवाहित रूप हैं। शिव जी से विवाह करने के बाद मां ने अपने मस्तक पर अर्धचंद्र सजाना शुरू कर दिया था, इसीलिए मां पार्वती को मां चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है।

मां चंद्रघंटा शेर पर सवार हैं। वो धर्म का प्रतीक हैं। उनका शरीर चमकीला सुनहरा है। मां चंद्रघंटा अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूरा करती हैं।

देवी चंद्रघंटा की पूजा से मिलती है आध्यात्मिक शक्ति

आचार्य पंडित उमाशंकर पांडेय ने बताया कि देवी चंद्रघंटा की पूजा और भक्ति करने से आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। बताया कि नवरात्रि के तीसरे दिन जो भी माता के तीसरे रूप मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना करता है, उन सभी को माता की कृपा प्राप्त होती है।

नवरात्रि के तीसरे दिन माता की पूजा के लिए सबसे पहले कलश की पूजा करके सभी देवी देवताओं और माता के परिवार के देवता, गणेश, लक्ष्मी, विजया, कार्तिकेय, देवी सरस्वती एवं जया नामक योगिनी की पूजा करें। इसके बाद फिर मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना करें।

इन मंत्रों का करें जाप

या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महयं चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

खीर का लगाएं भोग

नवरात्रि के तीसरे दिन माता की पूजा करते समय माता को दूध या दूध से बनी मिठाई और खीर का भोग लगाया जाता है। मां को भोग लगाने के बाद दूध का दान भी किया जा सकता है और ब्राह्मण को भोजन करवा कर दक्षिणा दान में दें। माता चंद्रघंटा को शहद का भोग भी लगाया जाता है।

नवरात्रि – असंतुलन से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का समय

अष्टाँग योग के पाँच नियमों में से एक नियम है 'तप' जिसका अर्थ है अपने शरीर को किसी भी रूप में कष्ट देकर तपाना। तप, एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो कि नकारात्मक कर्मों को निष्फल करने में और आत्मिक उत्थान में सहायक होती है। उपवास भी स्वयं को तपाने का एक माध्यम है। यही कारण है कि शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए, नवरात्रों में उपवास किए जाते हैं। देवी माँ के दस 'शक्ति'– रूप– शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रकान्ता, कुशमंदा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री तथा अपराजिता, इन नौ रातों और दस दिनों में समाये हुए हैं। इस प्रकार, नवरात्रों में, प्रत्येक रात की एक विशेष शक्ति है और उस शक्ति का एक विशेष उद्देश्य ।

इस अवधि के दौरान मौसम परिवर्तन होता है, अर्थात सृष्टि की विभिन्न शक्तियाँ एक असंतुलन से संतुलन की ओर बढ़ती हैं। चूँकि, हम इस सृष्टि के पूर्ण अंश हैं, तो इस समय में हमारी प्राण शक्ति भी सृष्टि की अन्य शक्तियों की तरह एक संतुलन, एक पुनः निर्माण की प्रक्रिया से होकर गुजरती है। इस समय शरीर को अल्प और सुपाच्य आहार के माध्यम से हल्का रखा जाता है तथा सम्पूर्ण विषहरण के लिए, उपवास के अलावा कुछ विशेष मन्त्रों का जाप भी किया जाता है।

नौ दिनों तक शरीर को पुनः संगठित किया जाता है और दसवें दिन एक नयी ऊर्जा, एक नयी शक्ति को ग्रहण किया जाता है। साधक की क्षमता व आवश्यकता अनुसार ही 'गुरु' उसके लिए उपवास व मन्त्र साधना निर्धारित करते हैं। बिना किसी निरिक्षण या वज़न घटाने के उद्देश्य से किए गए उपवास का शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो कि शरीर में असंतुलन पैदा करता है। किसी भी उपवास या साधना का परिणाम तभी फलित होता है जब वह वैराग्य भाव से किया जाता है। इसलिए किसी भी उपवास या साधना से पूर्व वैराग्य भाव अति आवश्यक है जो कि अष्टाँग योग और सनातन क्रिया के अभ्यास द्वारा सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। अश्विनी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्ग दर्शक हैं ।

–अश्विनी गुरुजी

हिंदू धर्म में क्या है अखंड पाठ का महत्व

जानें इसके नियम और लाभ

अखंड पाठ का अर्थ है किसी धार्मिक ग्रंथ का लगातार और बिना रुके पाठ करना। यह पाठ आमतौर पर 24 घंटे तक चलता है, लेकिन यह 7 दिन, 11 दिन, या 40 दिन तक भी किया जा सकता है। अखंड पाठ का आयोजन किसी विशेष अवसर पर, जैसे कि जन्मदिन, विवाह, या त्योहार के अवसर पर किया जाता है। इस प्रकार के पाठ का महत्व पावन ग्रंथों में विशेष रूप से उज्वल है। अखंड पाठ के द्वारा विशेष प्राणायाम, मंत्र, जाप या कोई धार्मिक पाठ किया जाता है, जिससे मन और आत्मा को शांति और ऊर्जा मिलती है। यह अनुष्ठान एकाग्रता को बढ़ाता है और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में सहायक होता है।

अखंड पाठ का प्रारंभ किसी विशेष मुहूर्त में किया जाता है, जैसे नवरात्रि, शिवरात्रि, जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा आदि। इन अवसरों पर धार्मिक ग्रंथों के पाठ का अखंडता से किया जाता है, जिससे उन्हें आशीर्वाद मिलता है और आत्मशक्ति बढ़ती है। अखंड पाठ के द्वारा समाज में सामूहिक भावना विकसित होती है और साथ ही संगठन और एकता की भावना को मजबूती मिलती है। यह सामाजिक समरसता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम होता है।

संगीत, भजन, कीर्तन, विचार और साहित्य सहित धार्मिक ग्रंथों का पाठ किया जाता है, जो समुदाय में एक साथ आत्मानुभूति और शांति की भावना को उत्पन्न करता है। अखंड पाठ से समुदाय के सदस्य एक-दूसरे के साथ सांझा करते हैं और साथ ही धार्मिक आदर्शों की पालना करते हैं। इससे सामाजिक सांस्कृतिक समृद्धि का भी विकास होता है।

अखंड पाठ के नियम–पाठ करने वाले व्यक्ति को शुद्ध और पवित्र होना चाहिए। इसका मतलब है कि उन्हें स्नान करना चाहिए, स्वच्छ कपड़े पहनने चाहिए, और मन को शांत रखना चाहिए। पाठ करने वाले व्यक्ति को एकाग्रता और भक्ति भावना के साथ पाठ करना चाहिए। उनका ध्यान पाठ पर होना चाहिए और उन्हें अन्य विचारों से दूर रहना चाहिए। पाठ करते समय कोई भी रुकावट नहीं आनी चाहिए। इसका मतलब है कि पाठ करने वाले व्यक्ति को बीच में रुकना नहीं चाहिए, और उन्हें सभी नियमों का पालन करना चाहिए। पाठ के दौरान सभी नियमों का पालन किया जाना चाहिए। व्यक्ति को एक निश्चित स्थान पर बैठना चाहिए। पाठ करते समय उन्हें दीपक जलाना चाहिए। अगरबत्ती जलाना चाहिए और उन्हें फूल चढ़ाना चाहिए।

अखंड पाठ के लाभ –मन को शांति और सुख प्राप्त होता है। अखंड पाठ करने से मन शांत होता है और सुख की प्राप्ति होती है। भक्ति भावना में वृद्धि होती है। अखंड पाठ करने से भक्ति भावना में वृद्धि होती है और भगवान के प्रति प्रेम बढ़ता है। नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। अखंड पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अखंड पाठ करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और भगवान की कृपा प्राप्त होती है। रोगों से मुक्ति मिलती है। अखंड पाठ करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य में सुधार होता है। धन-समृद्धि प्राप्त होती है। अखंड पाठ करने से धन-समृद्धि प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है। मोक्ष की प्राप्ति होती है। अखंड पाठ करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और आत्मा को मुक्ति मिलती है।

अखंड पाठ का आयोजन करने से पहले आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। पाठ करने वाले व्यक्ति का चुनाव करते समय ध्यान रखें कि वह शुद्ध और पवित्र हो, और उसे एकाग्रता और भक्ति भावना के साथ पाठ करने की क्षमता हो। पाठ की अवधि अपनी क्षमता और सुविधानुसार निर्धारित करें। पाठ की सामग्री अपनी पसंद और आवश्यकतानुसार निर्धारित करें। पाठ का स्थान शांत और पवित्र होना चाहिए। पाठ के लिए आवश्यक सामग्री, जैसे कि धार्मिक ग्रंथ, दीप, अगरबत्ती, आदि की व्यवस्था करें। अखंड पाठ का आयोजन करते समय सभी नियमों का पालन किया जाए। अखंड पाठ एक बहुत ही शक्तिशाली धार्मिक अनुष्ठान है। इसका आयोजन करने से आपको कई लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

हनुमान जी की पूजा करने से क्यों कम होता है साढ़े साती और ढैय्या का प्रभाव

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, साढ़े साती या फिर ढैय्या से प्रभावित लोगों को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि जो भी व्यक्ति हनुमान जी की आराधना करता है उसे शनि की पीढ़ा से काफी हद तक राहत मिल सकती है। लेकिन क्या आप इसका कारण जानते हैं। अगर नहीं, तो यहां पढ़ें पौराणिक कथा।

हनुमान जंयती शुभ मुहूर्त – चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ 23 अप्रैल, 2024 को प्रातः 03 बजकर 25 मिनट पर हो रहा है। वहीं यह तिथि 24 अप्रैल 2024 को सुबह 05 बजकर 18 मिनट तक रहने वाली है। ऐसे में हनुमान जयन्ती का पर्व 23 अप्रैल, मंगलवार के दिन मनाया जाएगा।

इसलिए नहीं सताती शनि की पीढ़ा–पौराणिक कथा के अनुसार, जब हनुमान जी, माता सीता की खोज में लंका पहुंचे, तो वहां उन्होंने पाया कि रावण ने कारागृह में शनिदेव को बंदी बनाया हुआ था। तब शनिदेव ने हनुमान जी को बताया कि रावण ने अपनी शक्ति के बल पर अन्य ग्रहों को भी बंदी बनाया हुआ है। इसके बाद हनुमान जी ने शनिदेव को मुक्त करवाया, जिससे शनिदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने हनुमान जी को कोई वरदान मांगने को कहा।

इसपर बजरंगबली ने कहा कि जो भी भक्त मेरी आराधना करेगा, उसपर आपके (शनिदेव) अशुभ फलों का प्रभाव नहीं पड़ेगा। तभी से यह माना जाता है कि जो भी भक्त हनुमान जी की आराधना करते हैं, उनपर शनिदेव की वक्र दृष्टि का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसलिए जो भक्त सच्चे मन से हनुमाज जी की पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें शनि की साढ़े साती और ढैय्या के कारण होने वाली समस्याओं से राहत मिल सकती है।

गौर-गौर गणपति-ईसर पूजै पार्वती

अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं आज रखेंगी गणगौर का व्रत

रवि, प्रीति और आयुष्मान योग में रखा जायेगा गणगौर व्रत

गणगौर पूजा हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। उस दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं, पूजा करती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गुरुवार 11 अप्रैल को गणगौर की पूजा होगी और गणगौर की सवारी निकलेगी।इस बार गणगौर के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं। इस व्रत की विशेषता यह है कि महिलाएं इसे गुप्त रूप से करती हैं। वे अपने पति को व्रत और पूजा के बारे में नहीं बताती हैं। यह व्रत और पूजा पति को बिना बताए की जाती है। गणगौर का व्रत और पूजन अविवाहित युवतियां भी करती हैं ताकि उनको मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त हो सके।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि गणगौर का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती से है। गण का अर्थ शिव और गौर का अर्थ गौरी है इसलिए इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। शिव और गौरी की पूजा करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य एवं सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

गणगौर पूजा तिथि– हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 अप्रैल को शाम 05:32 मिनट से प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 11 अप्रैल को दोपहर 03:03 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर देखा जाए तो इस साल गणगौर पूजा गुरुवार 11 अप्रैल को होगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

तीन शुभ योग– 11 अप्रैल को गणगौर पूजा के दिन रवि योग, प्रीति योग और आयुष्मान योग बना है। रवि योग प्रात:काल में 06:00 बजे से अगले दिन 12 अप्रैल को मध्य रात्रि 01:38 तक है। वहीं, प्रीति योग सुबह 07:19 तक है और उसके बाद से आयुष्मान योग लगेगा। जो 12 अप्रैल को प्रात: 04:30 तक रहेगा। फिर सौभाग्य योग बनेगा।

महिलाएं छिपाकर क्यों करती हैं गणगौर व्रत और पूजा

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए व्रत और पूजा की। लेकिन वो भोलेनाथ से इसके बारे में बताना नहीं चाहती थीं। शिव जी ने काफी प्रयास किया कि वे बता दें, लेकिन माता पार्वती ने उस बारे में कोई बात नहीं की। वे गुप्त रूप से वह व्रत करना चाहती थीं। इस वजह से हर साल महिलाएं गणगौर व्रत और पूजा अपने पति से छिपाकर करती हैं। यहां तक कि इस व्रत और पूजा में चढ़ाए गए प्रसाद को भी पति को खाने को नहीं देती हैं।

18 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व

राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 18 दिनों तक चलता है। 18 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

गणगौर पर्व का महत्व

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है।

इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

गणगौर पूजने का गीत

गौर-गौर गोमनी, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आला-गीला, गौर का सोना का टीका, टीका दे टमका दे रानी, व्रत करियो गौरा दे रानी।

करता-करता आस आयो, वास आयो। खेरे-खाण्डे लाडू ल्यायो, लाडू ले वीरा न दियो, वीरो ले मने चूंदड़ दीनी, चूंदड़ ले मने सुहाग दियो।

राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत का ट्रेलर आया सामने

मुंबई में हुए टी-सीरीज़ और चॉक एन चीज़ फिल्म्स की मचअवेटेड श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने के ट्रेलर लॉन्च इवेंट ने दर्शकों को प्रेरित महसूस कराया। लॉन्च के मौके पर नायक राजकुमार राव, शरद केलकर, निर्देशक तुषार हीरानंदानी और निर्माता भूषण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी मौजूद थे। वहीं ट्रेलर के रिलीज होने के बाद भी सोशल मीडिया पर फैंस तारीफें करते हुए नहीं थक रहे हैं। इसी बीच राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा ने ट्रेलर की तारीफ में एक स्पेशल पोस्ट शेयर किया है।

राजकुमार राव अभिनीत दृढ़ संकल्प, और विजय की एक असाधारण जर्नी को दर्शानेवाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' के ट्रेलर में बहुमुखी राजकुमार राव द्वारा श्रीकांत बोला की अदम्य भावना के उल्लेखनीय चित्रण की एक आकर्षक झलक पेश की गई। ट्रेलर न केवल एक दृष्टिबाधित व्यक्ति की यात्रा को दर्शाता है, बल्कि उसके अनूठे चरित्र और बुद्धिमत्ता की कहानी भी दिखाता है और कैसे वह अपनी दिव्यांगता को कमजोरी नहीं बल्कि अपनी ताकत बनाता है।

इसी ट्रेलर की तारीफ करते हुए राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, राज, क्या अमेजिंग ट्रेलर है। मैं आपके और आपके द्वारा निभाए गए इस अमेजिंग किरदार के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मैं बस इस किरदार के साथ आपकी यात्रा के बारे में कुछ शब्द लिखना चाहती हूं। यह सब आपके ब्लाइंड स्कूल जाने से शुरू हुआ, अगले ही सप्ताह आप लगभग टूटी हुई पसली के साथ घर आए, जब आप ब्लाइंट क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे थे तो आपने सोचा कि आंखें बंद करके खेल सकते हैं। मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह डरावना हिस्सा नहीं था। डरावना हिस्सा आपकी शूटिंग के कुछ दिनों के बाद शुरू हुआ जब मैंने देखा कि आपका कंधा नीचे गिर रहा था और आपका पोस्चर बदलने लगा था। मैं चिल्लाती रही कि तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। किसी समय मैंने सोचा था कि अपनी आंखों को आराम न देने से तुम अंधे हो जाओगे।। लेकिन मैं तुम्हें देखती हूं राजू, तुम जो करते हो उसमें सबसे अच्छे हो। आप अपने शरीर और आत्मा को चरित्र के प्रति समर्पित कर देते हैं। मैं आपके के पागलपन का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानती हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। लेकिन कभी कभी मेरी भी सुन लिया करना यार। इस पोस्ट पर सेलेब्स ने भी राजकुमार राव की तारीफ करते हुए कमेंट किया है। और अपना रिएक्शन दिया है।

जया बच्चन ने पहले दी दावत, फिर कहे छह शब्द

जिसके बाद हमेशा हमेशा के लिए टूट गया अमिताभ-रेखा का रिश्ता

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस और अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने एक से बढ़ कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी एक्टिंग के अलावा वो कभी मीडिया के साथ अपने बिहेवियर को लेकर सुर्खियों में रहती हैं तो कभी उनका गुस्सैल अंदाज सुर्खियां बटोरता है। वायरल वीडियो से क्रिएट हुई इमेज से परे जाकर देखें तो जया बच्चन एक सुलझी हुई और मजबूत इरादों वाली महिला दिखाई देंगी। जिन्होंने फिल्म इंड्स्ट्री में भी अपने दम पर अपना मुकाम बनाया और परिवार पर मुसीबत आई तो ढाल बनकर साथ खड़ी रहीं। अपना घर बचाने के लिए अमिताभ रेखा का रिश्ता भी उन्होंने अपने इन्हीं इरादों से खत्म किया था।

दावत के बाद कहे ये शब्द

ये उस वक्त की बात है जब अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी की शादी हो चुकी थी। उसके बाद अमिताभ बच्चन की रेखा के साथ कई फिल्में रिलीज हुईं और हिट भी हुईं। इसी बीच दोनों के अफेयर की खबरों ने भी खूब जोर पकड़ा। और, ये अटकलें तेज हो गईं कि दोनों कभी भी एक हो सकते हैं। इसी दौर का एक मशहूर किस्सा ये भी सुनाया जाता है कि जया बच्चन ने एक बार रेखा को अपने घर खाने पर बुलाया। रेखा इस बुलावे पर गईं जरूर लेकिन इस आशंका के साथ कि जया बच्चन उन्हें खूब बुरा भला बोलेंगी। इससे उलट जया बच्चन ने उनकी खूब खातिरदारी करी। जब दावत खत्म हुई और रेखा जाने लगीं तब जया बच्चन ने सिर्फ इतना कहा कि मैं अमित को कभी नहीं छोड़ूंगी। जया बच्चन के इन्हीं मजबूत इरादों के आगे रेखा और अमिताभ का रिश्ता कमजोर पड़ने लगा।

इस तरह निभाया साथ

इसके बाद परिवार जब भी मुसीबत में आया जया बच्चन इसी मजबूती से उसका सहारा बनती रहीं। जब अमिताभ बच्चन दिवालिया हो गए तब जया बच्चन उन्हें यही एहसास करवाती रहीं कि वो हर कदम पर उनके साथ हैं। इसके बाद मोहब्बतें फिल्म से अमिताभ बच्चन ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। और, धीरे धीरे सब ठीक चलने लगा।

ट्रांसपेरेंट साड़ी में कृति खरबंदा ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस कृति खरबंदा अपने फैशनेबल और स्टाइलिश अंदाज से फैंस को अपना दीवाना बनाती हैं।बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीर में कृति साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। इस साड़ी में खास बात यह है कि ये ट्रांसपेरेंट है। उन्होंने साड़ी के साथ हल्का मेकअप किया हुआ है और बालों को जूड़े में बांधा हुआ है। गले में उन्होंने एक हैवी ग्रीन नेकलेस पहना हुआ है। कृति के फैंस उनकी इस खूबसूरती को देखकर दीवाने हो गए हैं।देसी से लेकर वेस्टर्न हर लुक में कृति खरबंदा छा जाती हैं और इसका सबूत उनका नया लुक है जिसमें एक्ट्रेस ने ऑर्गेंजा साड़ी पर बिकिनी ब्लाउज पहना हुआ है। कृति ने ये लुक अर्पिता खान की ईद पारी में कैरी किया था और इसमें वह हुस्न की परी लग रही हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं है जब कृति ने अपने फैशनेबल और स्टाइलिश अंदाज से फैंस को अपना दीवाना बनाया है। इस ऑर्गेंजा फेब्रिक लुक में कृति का बिकिनी स्टाइल ब्लाउज अलग और शानदार लग रहा है। गर्मी में लाइटवेट आउटफिट के लिए ये बेस्ट ऑप्शन है। पीले रंग की साड़ी और और ब्लाउज पर पिंक कलर की लाइनिंग काफी जच रह है। एक्ट्रेस ने मेकअप में पिंक शेड लिपस्टिक और न्यूड स्टाइल को चूज किया है। फैशन क्वीन कृति न सिर्फ साड़ी बल्कि शरारा में भी बला की खूबसूरत लगती हैं। एक्ट्रेस ने इस लुक में परपल कलर का शरारा सेट पहना है जिसमें जरदोजी वर्क हो रखा है। इस चंदेरी सिल्क शरार पर हैवी एंब्रॉयडरी वर्क इसकी ब्यूटी में चार चांद लगा रहा है। वहीं दुप्पटे पर गोल्डन बॉर्डर के अलावा गले में ज्वैलरी कृति पर काफी जच रही है। तस्वीर पर अब तक हजारों लाइक्स और कई कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनकी तारीफ करते हुए कमेंट कर रहे हैं।

ला पिला दे शराब म्यूजिक वीडियो में विक्की के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव:अंकिता लोखंडे

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के पहले म्यूजिक वीडियो ला पिला दे शराब को दर्शक पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने पति के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा।अंकिता लोखंडे और विक्की जैन को मुंबई में रोहित वर्मा के नए कलेक्शन इंद्रधनुष की शूटिंग करते देखा गया। अंकिता ने रोहित के साथ काम करने, विक्की के साथ एक गाना करने और वीर सावरकर में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की।ला पिला दे शराब की शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंकिता ने कहा, मुझे लगता है कि विशाल ने गाना बहुत अच्छा गाया है। उनकी आवाज अद्भुत है। सौरभ एक शानदार अभिनेता हैं, उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हमें टी-सीरीज के साथ काम कर बहुत मजा आया। गाने की शूटिंग का अनुभव अद्भुत था। अपने पति के साथ काम करना हमेशा अलग और अनोखा होता है।वीर सावरकर में अपनी भूमिका के लिए मिल रही सराहना के बारे में अंकिता ने कहा, एक कलाकार सिल्वर स्क्रीन तक पहुंचने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करता है, मैंने टेलीविजन से अपनी यात्रा शुरू की और अब खुद को बड़े पर्दे पर देखने और इतनी सराहना पाने के लिए, मैं आभारी हूं।उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं आज जो कुछ भी हूं अपने दर्शकों और मीडिया की वजह से हूं। उन्होंने हमेशा बिना शर्त मेरा समर्थन किया है। मैंने 16 साल से लेकर 60 साल तक की जीवन यात्रा को चित्रित करने वाला एक किरदार निभाया है। एक कलाकार के तौर पर मैं बहुत खुश थी कि मुझे वह किरदार निभाने का मौका मिला। बहुत से कलाकारों को इस तरह की भूमिका निभाने का मौका नहीं मिलता। मैंने इस भूमिका को पूरे समर्पण के साथ निभाया है।रोहित वर्मा के नए प्रोजेक्ट इंद्रधनुष के बारे में बात करते हुए पवित्र रिश्ता की एक्ट्रेस ने कहा, मैं रोहित को वर्षों से जानती हूं। उनके सभी प्रोजेक्ट में हमेशा एक संदेश होता है। जब रोहित ने इसके बारे में हमसे बात की तो मैं बहुत उत्साहित थी। रोहित इसके जरिए लैंगिक समानता का संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। विक्की और मैं एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहते थे जो दर्शकों के बीच जागरूकता फैलाए। इसलिए हम इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं।

महेश बाबू की 'गुंटूर कारम' कर पछताए जगपति बाबू

कहा, शूटिंग पूरी करना भारी पड़ गया

तेलुगु एक्टर जगपति बाबू किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। फिल्म स्टार जगपति बाबू ने अपने फिल्मी करियर में बैक टू बैक कई धांसू फिल्में दी हैं। जिसकी वजह से एक्टर की पॉपुलेरिटी साउथ इंडिया से बाहर निकलकर नॉर्थ इंडिया तक फैल चुकी है। हाल ही में एक्टर जगपति बाबू ने एक मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ बातचीत करते हुए महेश बाबू स्टारर रिलीज हुई उनकी फिल्म 'गुंटूर कारम' को लेकर बात की। फिल्म स्टार जगपति बाबू ने इस बातचीत के दौरान इस फिल्म में काम करने पर निराशा जाहिर की। जगपति बाबू ने बताया कि इस फिल्म को निपटाना उनके लिए मुश्किल हो गया था।

आखिर महेश बाबू संग काम कर क्यों पछताए महेश बाबू?

एंटरटेनमेंट न्यूज में सामने आईं खबरों की मानें तो जगपति बाबू ने टाइम्स नाउ से बातचीत के दौरान कहा, 'मैं महेश बाबू के साथ काम करना हमेशा पसंद करूंगा। लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो मुझे गुंटूर कारम में बिल्कुल मजा नहीं आया।' उन्होंने कहा, 'क्योंकि ये काफी अलग तरह से बननी थी। किरदार में काफी लेयर थे। जिसकी वजह से ये बिल्कुल मैसी हो गया था। इसे पूरा करना भी भारी पड़ गया था। मैंने सिर्फ वही किया जो मुझे करना था।' जगपति बाबू से जब दोबारा महेश बाबू संग काम करने को लेकर सवाल किया गया तो एक्टर ने कहा कि वो महेश बाबू के साथ अपना कॉम्बिनेशन बेकार की फिल्में करके बर्बाद नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि अगर वो दोनों साथ ऑन स्क्रीन आएं तो ये एक बेस्ट मूवी होनी चाहिए।

फ्लॉप साबित हुई थी महेश बाबू की 'गुंटूर कारम'

टॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में महेश बाबू का भारी स्टारडम है। महेश बाबू तेलुगु सिनेमा के सलमान खान हैं। यही वजह है कि उनकी पिछली रिलीज मूवी 'गुंटूर कारम' को भारी बज मिला था। इस भयंकर क्रेज के बीच सिनेमाघर पहुंची महेश बाबू और जगपति बाबू स्टारर फिल्म 'गुंटूर कारम' को अच्छी ओपनिंग मिली थी। मगर फिर ये फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुजरेगी।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 11 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:05 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 01:38 तक
योग : प्रीति प्रातः 07:18 तक
करण : गर दोपहर 03:05 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रातः 08:40 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गणगौर , मन्वादि तिथि , श्री मत्स्य जयंती , भद्रा रात्रि 02:03 से , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कबाड़ के गोदाम में लगी आग हवा से दूसरी मंजिल तक पहुंची

अंदर रहते थे चार परिवार, सभी सुरक्षित

जोधपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के जोधपुर के तनावड़ा क्षेत्र में बुधवार दोपहर को एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। गर्मी और हवा के चलते गोदाम की दो मंजिल में पड़े कबाड़ ने आग पकड़ ली। वहीं, गोदाम में लगी आग का धुआं शहर में दूर तक नजर आया। कबाड़ के गोदाम में आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। फिर आग को काबू करने की कोशिश की।

फायर स्टेशन इंचार्ज प्रशांत सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 11:30 बजे तनावड़ा पेट्रोल पंप के सामने स्थित एक कबाड़ गोदाम में आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को भेजा गया था। इस गोदाम में चार परिवार भी रहते थे, जिन्हें आग बढ़ने से पहले ही सुरक्षित निकाल दिया गया था। उन्होंने बताया कि गोदाम में पड़े कबाड़ में कागज, गत्ते, प्लास्टिक और अन्य जल्दी जलने वाला सामान ज्यादा होने के कारण आग कुछ ही देर में पूरे गोदाम में फैल गई। विकराल आग को देखते हुए बासनी फायर स्टेशन से चार, शास्त्री से चार और रिको से तीन फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। इन सभी ने दो-दो फेरे किए और डेढ़ बजे के करीब आग पर काबू पा लिया।

थाने में जब्त माल में लगी आग

करीब 50 बाइक और अन्य सामान जला, विस्फोट भी हुआ

डीग,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के डीग जिले के जुरहरा थाने में जब्त की गई बाइकों और अन्य सामान में आग लग गई। इस दौरान विस्फोटक सामग्री में विस्फोट भी हो गया। इस घटना में सारा सामान जल गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया है। आग पर काबू पाने के लिए कामां और हरियाणा से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। अभी तक यह अंदाजा नहीं लगाया गया है कि आग से कितना आर्थिक नुकसान हुआ है।

डीग जिले के डीवाईएसपी सतीश यादव ने बताया कि जुरहरा थाने के पीछे अज्ञात कारणों से कबाड़ में आग लग गई। वहीं, पास में कुछ पटाखे रखे थे, जिसमें ब्लास्ट हो गया। उसके बाद आग बढ़ती चली गई। उसके बाद जुरहरा के स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आसपास के सभी कस्बों और हरियाणा के पुन्हाना से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि करीब आधे घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। जब्त किए गए सभी वाहन आग में पूरी तरह से जल गए। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने वहां से जब्त किए हुए समान को हटाया। पुलिसकर्मी आग से कुछ सामान ही बचा सके।

कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल भाजपा में शामिल

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कांग्रेस को बताया कोरोना

जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है। एक के बाद एक बड़े नेता कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा के कमल को थाम रहे हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को कांग्रेस को जयपुर में बड़ा झटका लगा है। विद्याधर नगर से कांग्रेस के दो बार प्रत्याशी रहे सीताराम अग्रवाल ने कई पार्षदों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी और ओंकार सिंह लखावत ने सीताराम अग्रवाल के साथ आए तीन सौ से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

इस दौरान सीताराम अग्रवाल ने कहा कि सुबह का भूला शाम को घर आ गया है, हालांकि आने में 10 साल लगे। लेकिन अब पीएम मोदी के 400 पार के नारे को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि जिस तरह से कोरोना से मुक्ति मिली है, वैसे ही जल्दी राजस्थान में कांग्रेस से भी मुक्ति मिलेगी।

'सुबह का भूला शाम को घर आया'

सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन का आज महत्वपूर्ण दिन है। आज मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, यह मेरे लिए इस तरह से है कि सुबह का भूला शाम को घर आए। मैं 10 साल पहले रास्ता भूल गया था, अब मुझे रास्ता मिल गया और मैं भाजपा परिवार में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि देर आए, लेकिन दुरुस्त आए। मैं लेट से आया हूं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के सपने को पूरा करने में कहीं पर भी पीछे नहीं रहूंगा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि जैसे ही मेरे भाजपा में शामिल होने की चर्चा सामने आई, उसके बाद से मेरे ऊपर लगातार काफी दबाव रहा। रात एक बजे तक मुझे दबाव में लेने की कोशिश की गई। इसलिए मुझे घर से बाहर तक रहना पड़ा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मैं सौगंध खाता हूं कि कभी बीजेपी को धोखा नहीं दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को हम सब मिलकर साकार करेंगे। राजस्थान में 25 की 25 सीट फिर से बीजेपी जीतेगी, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जीत तो राजस्थान में बीजेपी की सभी सीटों पर होनी है, लेकिन हमें और अधिक मार्जिन से जीतना है और इसी के लिए हम सब मिलकर आज से ही जुट जाएंगे।

कांग्रेस मुक्त हुआ विद्याधर नगर'

उधर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सीताराम अग्रवाल परिवार में शामिल हुए हैं। इनके साथ बड़ी संख्या में पार्षद और अन्य कांग्रेस नेता भी हैं। इन सभी का भारतीय जनता पार्टी परिवार में स्वागत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। देश में एक बार फिर मोदी सरकार और इस बार 400 पार के नारे को साकार करेंगे। दीया कुमारी ने कहा कि पिछली बार से ज्यादा मार्जिन से इस बार जनता पार्टी सभी सीटों पर जीते, इसके लिए आज से ही सब को मिलकर चुनाव अभियान में जुटना है। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस अफवाह फैला रही है कि वह जीत रही है, लेकिन एक भी सीट पर कांग्रेस की जीत नहीं होगी। कहीं पर भी कांग्रेस चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। आज विद्याधर नगर कांग्रेस मुक्त हुआ है, लेकिन जल्द ही राजस्थान भी कांग्रेस मुक्त होगा। इसके आगे दीया कुमारी ने कहा कि जिस तरह से कोरोना से मुक्ति मिली है, वैसे ही कांग्रेस से भी मुक्ति मिलेगी।

पूरा देश पीएम मोदी की गारंटी पर विश्वास दिखाएगा : विदेश मंत्री

आतंकवाद का देंगे मुंहतोड़ जवाब

बीकानेर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के बीकानेर में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हर कोई जानता है कि इस चुनाव में देश पीएम मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास दिखाएगा। अगर आप योजनाओं पर नजर डालें तो पीएम मोदी की गारंटी ने पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों का एक रिकॉर्ड बनाया है। हमें विश्वास है कि देश इन गारंटियों को आगे बढ़ाने में हमारा समर्थन करेगा। उन्होंने आगे कहा कि पहले, भारत सीमा पार से आतंकवाद को सहन करता था। वह समय अब खत्म हो गया है। 26/11 को मुंबई में जो हुआ वह पीएम मोदी के तहत देश में कभी नहीं हुआ। किसी भी आतंकवादी हमले पर हमारी प्रतिक्रिया बालाकोट और उरी जैसी ही होती है।

मासूम के ऊपर से गुजर गई कार

मौत के मुंह से वापस लौटा बच्चा, अस्पताल में इलाज जारी

जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के जयपुर में 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय' वाली कहावत एक बार फिर चरितार्थ हुई हैं। यहां चार साल के एक मासूम को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया, लेकिन फिर भी मौत के मुंह से बचकर वह बाहर आ गया। यह हादसा उउढत कैमरे में कैद हो चुका है, जिसकी फुटेज देखकर हर कोई दंग है। वहीं, बच्चे के हौसले के आगे मौत भी जंग हार गई।

दरअसल, घटना जयपुर के मानसरोवर स्थित रवि मार्ग की है, जहां बीते छह अप्रैल की देर शाम चार वर्षीय उज्ज्वल चौधरी घर के बाहर खेल रहा था। तभी तेज रफ्तार लग्जरी कार उसे रौंदते हुए चली गई। हादसे के तुरंत बाद पड़ोसी महिलाओं ने सड़क पर अचेत पड़े बच्चे को संभाला और कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। इसके बाद उज्ज्वल को अचेतावस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी हैं। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे के चेस्ट और कॉलर बोन में फैक्चर है। साथ ही लीवर में सूजन है। इधर, उज्ज्वल के पिता एडवोकेट वैभव चौधरी ने कहा कि बच्चे को उसकी चोट से ज्यादा पुलिस की लचर कार्यप्रणाली ज्यादा दर्द दे रही है, क्योंकि हादसे के तीन दिन बाद भी पुलिस ने लापरवाह कार चालक को अभी तक नहीं पकड़ा है। जबकि उउढत में कार के नंबर साफ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं, पुलिस में रिपोर्ट देने के बाद भी कार चालक ने उन्हें धमकी दी है। वहीं, पुलिस को रंजिश का भी अंदेशा है, जिसके चलते बच्चे को निशाना बनाया गया हो। हालांकि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रही कार के नंबरों के आधार पर चालक की पहचान की है, जो सांगानेर के अशोक नायक के नाम हैं। लेकिन हादसे के वक्त कार कौन ड्राइव कर रहा था, इसको लेकर पुलिस अभी तक जांच-पड़ताल ही कर रही है।

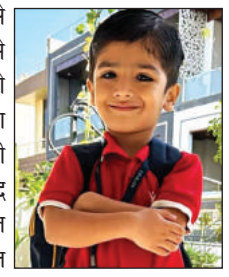

104 वर्षीय दुलीचंद ने निजी एप के खिलाफ निकाली बरात

थारा फूफा जिंदा है आंदोलन का कंटेंट चुराने का आरोप

रोहतक,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के रोहतक शहर में बुधवार को एक बार फिर 104 वर्षीय दुलीचंद ने बरात निकाली। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद के साथ बरात निकाल बुजुर्ग दुलीचंद ने निजी एप पर उनके आंदोलन का कंटेंट चुराने का आरोप लगाया। साथ ही अदालत से इस मामले में कार्रवाई की मांग की। एप संचालक कंपनी पर केस करने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा से कोर्ट तक यह बरात निकाली गई।

अपनी पेंशन काटे जाने के विरोध में 'थारा फूफा जिंदा है' आंदोलन करने वाले करीब 104 वर्षीय दादा दुलीचंद बुधवार को मानसरोवर पार्क स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के पास पहुंचे। यहां से रथ में सवार होकर रोहतक कोर्ट गए। रथ पर सारथी बनकर नवीन जयहिंद उनके साथ रहे। उनका आरोप है कि निजी एप संचालकों ने अपनी फिल्म में उनके आंदोलन का कंटेंट चुराया है। इस संबंध में कोर्ट में फिल्म के खिलाफ याचिका दायर की है।

नवीन जयहिंद ने कहा कि फैमिली आईडी में बुजुर्ग करीब 102 वर्षीय दुलीचंद की पेंशन काट दी गई थी। इसके बाद थारा फूफा जिंदा है के नाम से आंदोलन किया गया। इसके बाद कई बुजुर्गों व विधवाओं की पेंशन बनी। इस आंदोलन के ब्रांड एंबेस्डर दुलीचंद हैं। अब उसके नाम से एक फिल्म बनाई गई है। इसकी बुजुर्ग दुलीचंद से कोई अनुमति नहीं ली गई। इसलिए कोर्ट का सहारा लेना पड़ रहा है। फिल्म निर्माता इस मुद्दे को भुना कर मुनाफा कमाना चाहते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। बुजुर्ग दुलीचंद से अनुमति लेने के बाद ही उन्हें यह कदम उठाना चाहिए था। इसलिए फिल्म निर्माता माफी मांगे। साथ ही फिल्म से मिलने वाला रेवेन्यू वृद्ध आश्रम या गोशाला में दान करें।

दोस्त पर पहले पिस्तौल की बट से हमला

फिर दाग दीं तीन गोलियां सींक गांव की है घटना

पानीपत,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के पानीपत के सींक गांव में चार दोस्तों ने युवक को खेत में लेजाकर उसके सिर पर पहले पिस्तौल की बट से हमला किया। फिर नहर पर ले जाकर उसको तीन गोलियां मार दी। आरोपी युवक से मोबाइल भी लूट ले गए। जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित के दोस्त को भी जान से मारने की धमकी दी। खून से लथपथ हालत में पीड़ित अपने दोस्त के पास पहुंचा और आपबीती सुनाई। इसके बाद उसे परिजनों को इसकी सूचना दी गई। घायल युवक को रोहतक पीजीआई में दाखिल कराया गया। यहां डॉक्टरों ने मतलौडा थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने रोहतक पीजीआई पहुंचकर घायल के बयानों पर चारों आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस आरोपियों की धरपकड़ में जुटी है। इस घटना के बाद सींक गांव में दहशत का माहौल है।

सींक गांव निवासी वंशराज ने बताया कि वह मजदूरी करता है। वह सोमवार रात को घर पर सो रहा था। रात 11 बजे उसके पास गांव के ही निखिल का फोन आया था। निखिल से उसको घर से बाहर बुलाया और उसको वह अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने खेत में ले गया। यहां पहले से मनीष, सुरेंद्र, अमन व साहिल थे। यहां खेत में इन चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इन्होंने उसके सिर पर पिस्तौल की बट से हमला किया और उसे उठाकर नहर पर ले गए। यहां इन चारों ने उसको पेट, कमर व कंधे में गोली मारी। वह जमीन पर गिर गया। इन्होंने उसकी जेब से मोबाइल निकाल लिया। फिर ये चारों उसके दोस्त सुमित को भी जान से मारने की धमकी दे गए।

कुछ देर बाद वह बेहोश हो गया। उसे करीबन 40 मिनट बाद होश आया। वह किसी तरह से अपने दोस्त सुमित के ढाबे पर पहुंचा। सुमित ने उसके चाचा संजय को इसकी सूचना दी।

तेजस्वी यादव ने राजद उम्मीदवार अर्चना रविदास के पक्ष में मांगा वोट

पीएम मोदी व नीतीश कुमार पर हुए हमलावर

मुंगेर (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव को लेकर जमुई में एनडीए और महागठबंधन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों गठबंधनों के नेताओं ने अब ताबड़तोड़ रैलियां शुरू कर दी। जहां पीएम मोदी के बाद 6 अप्रैल को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी महागठबंधन से राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास के पक्ष में जिला मुख्यालय स्थित श्रीकृष्ण सिंह मेमोरियल स्टेडियम में हुंकार भरी। वहीं चार दिन बाद फिर तेजस्वी यादव वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के साथ बुधवार को जमुई जिले के सोनो प्रखंड स्थित आदर्श मध्य विद्यालय के मैदान में सभा को संबोधित करने पहुंचे।

इस दौरान सभा स्थल पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का हेलीकॉप्टर लैंडिंग करते ही महागठबंधन जिंदाबाद नारे गूंजने लगे। जानकारी के अनुसार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का आज औरंगाबाद और गया में दो-दो चुनावी सभा था जिसके बाद अंतिम में जमुई में एक चुनावी सभा निर्धारित है। इसी के तहत नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज फिर जमुई पहुंचे हैं।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि यह लोकसभा का चुनाव मामूली चुनाव नहीं है। इसलिए महागठबंधन ने जमुई के की बेटी को प्रत्याशी बनाया है। पढ़ी-लिखी महिला है, लोकल, आधी आबादी है, आपकी घर की बेटी यही सोच कर हम लोगों ने टिकट दिया है कि विपक्षी ने जमुई को सिर्फ ठगने का काम किया है। लेकिन इस बार जमुई को ऐसा उम्मीदवार दिया है कि हर वक्त दुख, दर्द, तकलीफ में आप जाइए तो आपकी समस्या का निदान हो सके। वहीं तेजस्वी यादव ने अपनी बातों को दोहराते हुए कहा कि चिराग पासवान भी मेरे भाई है। हम लोगों के साथ काम काम किए हैं, लेकिन चिराग यहां से सांसद रहे और अब इस बार उन्होंने अपनी जीजा को टिकट दिया है, लेकिन जो मेहमान है, जीजा है उसका पता कहां है।

वहीं प्रधानमंत्री पर हमलावर होते हुए तेजस्वी ने कहा कि मोदी से कोई दुश्मनी नहीं है विपक्ष में है सवाल पूछने का अधिकार है। जनता को भी यह अधिकार है। मोदी की बात नहीं मुद्दे की बात होनी चाहिए। मोदी जी कहते हैं कि परिवारवाद ठीक नहीं, लेकिन इस बार मोदी जी और चिराग ने जो टिकट दिए हैं वह कौन वाद है। उन्होंने कहा कि चिराग जी यहां से दो बार सांसद रहे, लेकिन आज तक अपना पार्टी दफ्तर नहीं बना सके, तो अब बाहरी क्या करेंगे। मेरा मानना है कि जब तक गांव, पंचायत, जिला तथा राज्य का विकास नहीं होगा तो देश का विकास नहीं हो सकता। लेकिन जनता इस बार ऐसा उम्मीदवार को जिले का जिले का विकास कर सके। उन्होंने कहा कि विपक्षी वाले पहले कहते थे कि महंगाई डायन खाए जात है, लेकिन अब क्या महंगाई इनकी भौजाई है। 2019 में मोदी जी ने बिहार के जनता से कहा था कि 15 लाख खाते में आएंगे, 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे, अच्छे दिन आएंगे, क्या वह वादा पूरा हुआ है। वही तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि हमारे चाचा जी बीजेपी को लतिया के दोबारा मेरे पास आए तो माफी मांगे और कहा कि मर जाएंगे, मिट जाएंगे, मिट्टी में मिल जाएंगे, लेकिन भाजपा में नहीं जाएंगे, लेकिन हमारे चाचा हैं, बुजुर्ग है उनके प्रति सम्मान है वे जहां भी रहे ठीक रहे और अस्थिर रहे।

लालू की पार्टी में यादवों को तरजीह जदयू के बागियों को भी टिकट

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपने 22 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी। इस लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय दल जनता 26 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया था। इसमें से तीन सीट विकासशील इंसान पार्टी को दिया।

मंगलवार देर रात राजद ने 23 में 22 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर दिया। सीवान सीट पर प्रत्याशी के नाम का एलान नहीं किया है। इस सीट पर पूर्व सांसद और दिवगंत शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान किया है। वह राजद से नाराज चल रही हैं। राजद के वरीय नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी का नाम की चर्चा है। संभावना है कि राजद सीवान लोकसभा सीट से इन्हें ही प्रत्याशी बनाएं।

तेजस्वी यादव भले ही हर चुनावी सभा में राजद को माय (मुस्लिम व यादव) और बाप (बहुजन और गरीब) की पार्टी बताते हों लेकिन टिकट बांटते समय यादव वोटबैंक का खास ख्याल रखा। लालू प्रसाद ने कुल आठ यादव उम्मीदवार को टिकट दिया। वहीं तीन कोयरी, तीन दलित, दो मुस्लिम, दो सवर्ण, एक कुर्मी और एक बनिया उम्मीदवार को टिकट दिया है। परिवार की बात करें तो लालू प्रसाद ने इस बार अपनी दो बेटियों को लोकसभा टिकट दिया है। राज्यसभा सांसद मीसा भारती को पाटलिपुत्र से और रोहिणी आचार्य को छपरा लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी छोड़कर आए बागियों को लालू प्रसाद ने तरजीह दी। इनमें अभय कुशवाहा, मो. अली अशरफ फातमी और बीमा भारती शामिल हैं। कुशवाहा को औरंगाबाद, फातमी को मधुबनी और बीमा को पूर्णिया सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं पूर्व विधायक और बाहुबली को मुन्ना शुक्ला को वैशाली से उम्मीदवार बनाया गया है।

बीमा भारती ने विधायकी पद से दिया इस्तीफा राजद के टिकट पर पूर्णिया से लड़ेगी चुनाव

पूर्णिया (एजेंसियां)।

बीमा भारती ने जेडीयू से इस्तीफा देने के बाद अब विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया है। चुनाव आयोग ने उनके इस्तीफे को मंजूर कर लिया है। बीमा भारती के इस्तीफे के साथ ही अब रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से जल्द ही उपचुनाव को लेकर घोषणा की जा सकती है। हालांकि, लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा का उपचुनाव कराना असंभव लग रहा है। आरजेडी ज्वाइन करने के बाद राजद

अध्यक्ष लालू यादव ने उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट से टिकट दे दिया है। उनका मुकाबला जेडीयू के संतोष कुशवाहा और निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव से होगा।

बीमा भारती पूर्णिया के रुपौली से साल 2000 में पहली बार निर्दलीय चुनाव जीती थीं। 2005 में आरजेडी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ीं और हार गईं. इसके बाद अक्टूबर 2005 के मध्यावधि चुनाव में जीत हासिल की और जदयू में शामिल हो गईं, तब से लगातार वो विधायक थीं। नीतीश कैबिनेट में वो मंत्री भी रहीं, लेकिन इस साल 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने जेडीयू से इस्तीफा देकर आरजेडी ज्वॉइन कर लिया और अब पूर्णिया सीट से सांसद बनने के लिए जोर आजमाइश कर रही हैं।

पीएम के बाद अब सीएम नवादा में भरेंगे हुंकार

एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में करेंगे प्रचार

नवादा (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के बाद अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवादा आ रहे हैं, जहां वह चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। चुनावी सभा नवादा जिला के वारिसलीगंज प्रखंड में होनी है जहां मुख्यमंत्री 12 अप्रैल को लगभग 12:30 बजे चुनावी जन सभा को संबोधित करेंगे। इस जनसभा के द्वारा वह कुशवाहा और कुर्मी वोट साधने की कोशिश करेंगे।

नवादा लोकसभा सीट से एनडीए के उम्मीदवार विवेक ठाकुर हैं, जबकि उनके सामने वहां से राजद उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा है। इसबार लोकसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव ने नवादा लोकसभा सीट से श्रवण कुशवाहा को टिकट देकर कोयरी वोट अपने पाले में लाने की कोशिश की है। वहीं दूसरी तरफ नवादा के बाहुबली अशोक महतो की पत्नी कुमारी अनिता को मुंगेर लोकसभा सीट पर टिकट देकर कुर्मी जाति के वोट बैंक पर सेंधमारी का प्रयास किया गया। वारिसलीगंज विधानसभा में कुर्मी जाति का वोट अधिक हैं और मुख्य मंत्री नीतीश कुमार की सभा से कुर्मी जाति का वोट एनडीए के पक्ष में किया जा सकता हैं।

नवादा से राजद के प्रदेश महासचिव रहे विनोद यादव पार्टी से इस्तीफा देकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्दलीय चुनाव लड़ रहे विनोद यादव को राजद के दो विधायकों का खुलकर समर्थन मिल रहा है। राजद के दो विधायकों के बगावती तेवर से श्रवण कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। निर्दलीय चुनाव लड़ रहे विनोद यादव पूर्व मंत्री राज बल्लभ प्रसाद यादव के भाई और राजद के नवादा विधायक विभा देवी के देवर हैं, जबकि उनका एक भतीजा अशोक कुमार नवादा से विधान पार्षद है। विनोद यादव को इनके अलावे राजद विधायक प्रकाश वीर,जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा राजवंशी,जिला परिषद उपाध्यक्ष निशा चौधरी सहित कई जिला परिषद सदस्य और मुखिया का साथ मिल रहा है। ऐसे में नवादा लोकसभा सीट पर मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया। इधर भोजपुरी और मगही गायक गुंजन सिंह पहली बार लोकसभा का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ रहे हैं।

स्पीकर की कुर्सी गई, अब शहाबुद्दीन के गढ़ में सांसदी का दांव खेलने उतरे अवध बिहारी चौधरी

सारण (एजेंसियां)।

मो. शहाबुद्दीन के गढ़ सीवान से राष्ट्रीय जनता दल ने हिना शहाब को दरकिनार कर अवध बिहारी चौधरी को सीवान से टिकट को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। अवध बिहारी चौधरी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के साथ-साथ वर्तमान सदर के राजद के विधायक भी हैं। अवध बिहारी चौधरी टिकट लेकर सीवान पहुंचे। इस दौरान रास्ते में ही कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। कहीं जेसीबी से फूल बरसाकर स्वागत किया गया तो कहीं ढोल नगाड़ा बजाकर उनका जमकर स्वागत किया।

राष्ट्रीय जनता दल कोटे से सीवान में शहाबुद्दीन परिवार को ही टिकट दिया जाता था, लेकिन वक्त के साथ-साथ सब कुछ बदलता चला गया।

मोहम्मद शहाबुद्दीन की मौत के बाद राजद और शहाबुद्दीन परिवार के बीच दूरियां बढ़ती चली गई। इसी बढती दूरी की वजह से हिना साहब ने बयान दिया था कि मैं न्यूट्रल हूं और किसी भी पार्टी में नहीं हूं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आता गया शहाबुद्दीन की पत्नी ने कई तरह के बयान बदले भी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी झंडा हो मुझे परहेज नहीं है लाल हो पीला हो नीला हो केसरिया हो सब रंग हमारे हैं सब लोग हमारे हैं। हालांकि हीना शहाब के बयान के बाद राजद की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी, लेकिन जैसे ही चुनाव की घोषणा हुई शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। कुछ लोगों का कहना है कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने हीना से टेलीफोन पर बातचीत की।

हालांकि इसकी पुष्टि राजद से किसी नेता ने नहीं की। सिर्फ यह चर्चा तक ही सीमित रही, लेकिन हिना ने राजद के टिकट लेने से इनकार कर दिया, और निर्दलीय चुनाव लड़ने पर मोहर लगा दी।

सीवान में एनडीए प्रत्याशी जदयू कोटे से विजयलक्ष्मी कुशवाहा चुनावी मैदान में है। दूसरी तरफ राजद से अवध बिहारी चौधरी और निर्दलीय प्रत्याशी हिना शहाब हैं। , ग्रामीणों का कहना है कि अबकी बार त्रिकोणीय लड़ाई है। वहीं चर्चा यह भी है कि हीना शहाब को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बाहर से सपोर्ट करेगी।

लोकसभा चुनाव 2024 कुल 6 चरणों में होने हैं। सीवान में पांचवें चरण में यानी 25 को चुनाव होना है और नतीजा 4 जून को आएंगे।

इसी बीच आज मंगलवार को राजद ने भी अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी और अवध बिहारी चौधरी को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार दिया है।

बागी हुए भोजपुरी एक्टर पवन सिंह, काराकाट से चुनाव लड़ेंगे

भाजपा से अंतिम उम्मीद टूटने पर फैसला

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार पवन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से लड़ने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। उम्मीद थी भाजपा उन्हें कहीं और का टिकट दे देगी। लेकिन, कुछ देर पहले भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की जो आखिरी लिस्ट जारी की, उसने सारे अटकलों पर विराम लगा दिया। पवन सिंह को कहीं से भी टिकट नहीं मिला। जिस सीट से पवन सिंह नहीं लड़ना चाहते थे, वहां से वरीय नेता एसएस अहलूवालिया को उम्मीदवार बनाया है। पवन सिंह भाजपाई हैं, लेकिन भाजपा की इस सूची के साथ बगावत का अंदेशा सामने आ रहा था। वह कांग्रेस की तरफ देख रहे थे, क्योंकि उसे अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करनी है। लेकिन, अब पवन सिंह ने बिहार में काराकाट सीट से उतरने का एलान कर दिया है। यह सीट महागठबंधन में भाकपा माले के पास है। ऐसे में पवन सिंह निर्दलीय होंगे, यह ज्यादा संभावना है।

दरअसल, जब भाजपा ने पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से पवन सिंह के नाम का एलान किया था। इसके

बाद पवन सिंह ने खुद ही यह सूची सोशल मीडिया पर पोस्ट की। मिठाई खिलाते और भगवान का शुक्रिया अदा करते हुए वीडियो भी डाला गया। लेकिन, 24 घंटे से पहले ही खुद ही पवन सिंह ने कहा कि वह आसनसोल सीट से उम्मीदवार नहीं हो सकते। भोजपुरी अभिनेता-गायक ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति 'आभार' व्यक्त करते हुए यह घोषणा कर दी। इधर, जैसे ही पवन सिंह ने यह बातें कहीं उसके बाद ही तृणमूल के महसाचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर भाजपा के खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया। उन्होंने इसे पश्चिम बंगाल के लोगों की 'अदम्य इच्छाशक्ति और शक्ति' बताते हुए इसकी सराहना की।

सूत्रों के मुताबिक पवन सिंह भले ही आसनसोल से टिकट मिलने से खुश थे, लेकिन उनकी पहली पसंद आरा थी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, एक बार इस संबंध में पवन सिंह भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से भी मिले थे। ताकि उनको आरा से टिकट मिल जाए, लेकिन भाजपा ने आरा से उनको टिकट नहीं दिया। आसनसोल के भाजपा नेताओं ने उनके इस निर्णय पर बयान जारी नहीं किया था। हालांकि, एक दिन बाद ही पवन सिंह भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे। इसके बाद उन्होंने कहा था कि जो भी होगा सब ठीक होगा। लेकिन, भाजपा ने आरा सीट से केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को फिर से टिकट दे दिया। अब जब भाजपा ने आसनसोल का टिकट भी दूसरे को दे दिया तो पवन सिंह ने एलान के मुताबिक बिहार की काराकाट सीट से उतरने की घोषणा कर दी। पवन सिंह ने पार्टी की जानकारी नहीं शेयर की, लेकिन सोशल मीडिया पर यह जरूर लिखा है- माता गुरुतरा भूमेरू अर्थात माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं और मैंने अपनी माँ से वादा किया था की मैं इस बार चुनाव लड़ूँगा । मैंने निश्चय किया है कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट,बिहार से लड़ूँगा ।

जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत इन 29 पार्षदों ने चौंकाया, तेजस्वी की सभा में थामा राजद का दामन

गया (एजेंसियां)।

जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तिथि नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे गया लोकसभा क्षेत्र का समीकरण बदलने लगा है। पहले फेज में गया लोकसभा का मतदान 19 अप्रैल को होना है। इस बार एनडीए प्रत्याशी सह पूर्व मुख्यमंत्री जीनत राम मांझी और राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत के बीच आमने-सामने की टक्कर है। अपने-अपने प्रत्याशी को जीताने के लिए जहां एनडीए के बड़े-बड़े नेता अपनी ताकत झोंक रहे है। वहीं महागठबंधन के नेता भी पीछे नहीं है। वह भी गया लोकसभा क्षेत्र में अपनी ताकत झोक रहे हैं। सोमवार को गया में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की पहली चुनावी सभा बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के मोहनपुर प्रखंड में हुई। तेजस्वी यादव की पहली सभा में ही काफी संख्या में जिला परिषद के सदस्यों को राजद में शामिल कर सभी को चौंका दिया। तेजस्वी यादव के मंच पर गया जिला परिषद् के 45 पार्षदों में जिला परिषद् चेयरमैन और उपाध्यक्ष समेत 29 पार्षदों को राजद में शामिल कर अपनी ताकत को दिखाया। क्योंकि, बाराचट्टी विधानसभा सीट से हम के नेता और एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी की समधन ज्योति मांझी विधायक है। उसी क्षेत्र में राजद ने चुनावी सभा कर एक साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों को ज्वाईन करा कर अपनी दमदार मौजूदगी दर्शाया है। हालांकि ऊंट की ओर करवट लेगी, वह चार जून को मतगणना के बाद पता चल जाएगा। सोमवार को गया लोकसभा सीट पर राजद नेता सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की पहली चुनावी सभा हुई। उस दौरान जिला परिषद् उपाध्यक्ष डा. शीतल प्रसाद यादव के नेतृत्व में जिला परिषद् चेयरमैन नैना कुमारी, कोंच प्रखंड के पार्षद शरीफा कुमारी, रेणु कुमारी, टिकारी प्रखंड के सुरेश प्रसाद यादव, बेलागंज के पार्षद प्रेमलता और बबिता देवी, मानपुर के पार्षद कुंदन कुमार चौधरी और ज्योति कुमारी, नगर प्रखंड के पार्षद मालती देवी, आमस के पार्षद प्रीति कुमारी, टनकृप्पा के पार्षद रविन्द्र कुमार, बोधगया के पार्षद रवि कुमार, बाकंबाजार के पार्षद बिन्दु यादव, गुरुआ के पार्षद नाजिया हसन और सुरेन्द्र मांझी, इमामगंज के पार्षद अंजू कुमारी, डुमरिया के पार्षद रविन्द्र राम, डोभी के पार्षद ललन कुमार चौधरी, मोहनपुर के पार्षद संगीता देवी और गीता देवी, बाराचट्टी के पार्षद अरविंद यादव, अतरी के पार्षद गीता देवी, खिजरसराय के पार्षद दिनेश गुप्ता और कुंदन राम, गुरारु के पार्षद बालेश्वर प्रसाद यादव, शेरघाटी के पार्षद मालती कुमारी, फहतेहपुर के पार्षद वीरेन्द्र साव और प्रेम कुमार एवं वजीरगंज प्रखंड के पार्षद नागमणी सिंह ने राजद का दामन थामा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com